भावना संदेश

अप्रैल–2019





19वाँ वार्षिक अधिवेशन की झलकियाँ

भावना की प्रबंधकारिणी समिति

संरक्षक, निर्वाचित, मनोनीत एवं स्थायी पदाधिकारी

पत्रांक प/010/अ/688 दि. 31.3.2019

संरक्षक सदस्य

पद्मभूषण श्री विजय कृष्ण शुंगलू
भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (निवर्तमान)
अब अध्यक्ष, दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसायटी
फोन : 0120-2513838/09810711820
ई. मेलः vkshunglu@yahoo.co.in

संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य

1- पद्मश्री प्रो. महेन्द्र सिंह सोढा
पूर्व कुलपति, इन्दौर, लखनऊ तथा भोपाल विश्वविद्यालय,
फोन : 0522-2788033,
ई. मेलः msodha@rediffmail.com

2- न्यायमूर्ति कमलेश्वर नाथ
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522-2789033/09415010746
ई.मेलः justicekn@gmail.com

3- न्यायमूर्ति घनश्याम दास अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष, नेशनल इन्डस्ट्रियल ट्रिब्युनल, मुम्बई,
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522-2309327

4- न्यायमूर्ति सुधीर चन्द्र वर्मा
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय तथा
पूर्व लोकायुक्त, उत्तर प्रदेश
फोन : 09415419439

5- न्यायमूर्ति दिनेश कुमार त्रिवेदी
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
अध्यक्ष, उच्च जाति आयोग, बिहार
फोनः 0522-2302591/09415152086

6- न्यायमूर्ति करण लाल शर्मा
न्यायाधीश (से.नि.), इलाहाबाद उच्च न्यायालय
फोन : 0522-2997299/2398857/09415560824
ई. मेलः sunil.sharma.lko@gmail.com

7- श्री अजय प्रकाश वर्मा,
आई.ए.एस. (से.नि.)
पूर्व मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार
फोन : 0522-2395195/09415402554

8- श्रीमती सुनन्दा प्रसाद,
आई.ए.एस.(से.नि.)
पूर्व अध्यक्ष, राजस्व परिषद, उ.प्र.
फोन : 09839211040
ई.मेलः prasad_sunanda@hotmail.com

9- श्री ज्ञानेन्द्र कुमार खरे
अध्यक्ष (से.नि.), रेलवे बोर्ड, भारत
फोन : 0532-2624020/09335157680
ई.मेलः kharegk.ald@gmail.com

10- श्री जगदीश गाँधी
सुप्रसिद्ध शिक्षाविद्, संस्थापक प्रबंधक,
सिटी मोन्टेसरी स्कूल्स, लखनऊ
फोन : 09415015030
ई. मेलः info@cmseducation.org

11- श्री ओम् नारायण
निदेशक (से.नि.), कोषागार, उ.प्र.
फोनः 0522-3013010/09415515647
ई.मेलः omnarayan@hotmail.com

12- श्री अरुण कुमार वशिष्ठ
अध्यक्ष (से.नि.) उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोनः 0522-4064325/09335025733/07007538757

संरक्षक एवं संस्थापक सदस्य

13. श्री कोमल प्रसाद वार्ष्णेय
प्रमुख अभियन्ता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522-2321680/09415736256

शेष पृष्ठ 66 पर

(सदस्यों में केवल आन्तरिक वितरण हेतु)

भावना संदेश

वर्ष : 19 अंक : 02 अप्रैल–2019

सम्पादन समिति

इं0 अमरनाथ – प्रधान सम्पादक
श्री सुशील कुमार शर्मा – सम्पादक
श्रीमती सीमा तिवारी – सह–सम्पादक

प्रकाशक

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति
507, कसमण्डा रीजेन्ट अपार्टमेन्ट्स
पार्क रोड, लखनऊ–226001
दूरभाष : 0522–4016048 पं.सं.: 662/2000–01
वेबसाइट : www.bhavanaindia.org
ई–मेल : bhavanasindia@gmail.com
Facebook page : Bharatiya Varishtha Nagarik Samiti
Bhavana google group: bhavanamembers@googlegroups.com

मुद्रक

क्रियेटिव इंक, हिमांशु सदन, 5 पार्क रोड, लखनऊ।
मो0 : 7398629394 9935526017
E-mail : creativesheebu@gmail.com

अनुक्रम

1. सम्पादकीय
2. भावना का संकल्प गीत/विज्ञापन दरें
3. भावना का 19वां वार्षिक महाधिवेशन (वार्षिक प्रतिवेदन, नियमावली का संशोधित भाग, बजट, रेजूलूशन पास एवं चुनाव परिणाम
4. दानदाताओं की सूची
5. नये सदस्यों की सूची
6. 3 फरवरी, 2019 को सम्पन्न प्रबंधकारिणी समिति की बैठक का कार्यवृत्त
7. होली मिलन समारोह
8. विविध : लेख/कविताएं/अन्य सूचनाएं इत्यादि
9. 6.1.2019 को सम्पन्न नववर्ष सम्मेलन का विवरण
10. पुनरीक्षित प्रबंधकारिणी समिति के पदाधिकारियों की सूची

भावना सूत्र वाक्य

सन्देश नहीं मैं यहाँ स्वर्ग का लाया।
इस धरती को ही स्वर्ग बनाने आया।।

– श्री मैथिली शरण गुप्त

संपादकीय



स्वर्ग कहां है?

डॉ. गदाधर त्रिपाठी एवं श्री ललित पाण्डेय के लेखों पर आधारित

महाभारत के युद्ध क्षेत्र में अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण से अन्तिम प्रश्न यह पूछा कि हे भगवन! इस संसार में सत्य क्या है? उत्तर में श्रीकृष्ण ने बताया कि इस संसार में एक ही तथ्य सत्य है और वह यह है कि प्रत्येक जन्म लेने वाले की अनिवार्यतः मृत्यु होना। जो जन्मा है वह मरेगा अवश्य। किसी विद्वान ने कहा है कि मृत्यु के लिए तीन स्थितियां लागू रहती हैं। पहला प्राणी की मृत्यु का स्थान, दूसरा समय और तीसरा कोई न कोई कारण होना। इन तीनों स्थितियों पर मरने वाले जीव का कोई वश नहीं होता। ऐसा देखने में आया है कि कभी-कभी प्राणी अपने मृत्यु के स्थान से बहुत दूर होता है परन्तु किसी न किसी कारण से वह अचानक ही वहां पहुंच जाता है जहां उसकी मृत्यु पूर्व निर्धारित है। एक विचारक के मत के अनुसार विद्या, कर्म, धन, आयु और निधन का स्वरूप जीव की मां के गर्भ में आते ही निश्चित हो जाता है। उदाहरणस्वरूप एक ही परिवार में जन्म लेने वाले बच्चे बिल्कुल अलग-अलग जीवन व्यतीत करते हैं जबकि वातावरण, परवरिश एक जैसी होती है। अतः जब अपने वश में कुछ है ही नहीं तो अपनी अथवा अपनी सन्तान के जीवन की चिन्ता किस लिए की जाए। परन्तु इसका अभिप्राय यह नहीं है कि कर्म ही न किया जाए क्योंकि हमारे सम्मानित ग्रन्थ गीता में यह स्पष्ट किया गया है कि कर्म करने में कमी बिल्कुल नहीं होनी चाहिए तथा यह भी बताया गया है कि प्रारब्ध भी कर्म पर निर्भर करता है और उसी से बनता भी है। वस्तुतः स्थिति यह है कि जो व्यक्ति भगवान पर विश्वास करता है उसका असुरक्षा का भय समाप्त हो जाता है अतः ऐसा व्यक्ति जीवन का आनन्द लेता है।

वास्तव में देखा जाए तो सृष्टि में ऐसा कुछ भी नहीं है जो स्थायी हो। जड़ पदार्थों का अस्तित्व सदा बनता बिगड़ता रहता है। जीव भी कुछ काल तक अस्तित्व में रहकर समाप्त हो जाता है। जीवों में केवल एक मनुष्य ही ऐसा प्राणी है जो स्वर्ग-नरक की धारणाओं से बंधा हुआ है। धर्म ग्रन्थों से लेकर सत्संगों तक यह कहा जाता है कि अच्छे कर्म करने चाहिए ताकि स्वर्ग मिले, बुरे कर्म करने पर नरक मिलता है। यहां यह प्रश्न उठता है कि किसने स्वर्ग, नरक देखा है।

मृत्यु के बाद क्या होता है, किसके साथ क्या होता है,

यह वास्तव में आस्था पर निर्भर करता है। यदि गहराई से मनन किया जाय तो स्वर्ग-नरक धरती पर ही दिख जायेगा। प्रथम दृष्टया स्वर्ग और नरक को सकारात्मक और नकारात्मक की छाया प्रति मानकर चिन्तन करना चाहिये। जब व्यक्ति सकारात्मक कार्य करता है तो उसे प्रसन्नता होती है, बस यही स्वर्ग समझा जा सकता है। स्वर्ग का जीवन आनन्दमयी बताया गया है। जहाँ आनन्द वहाँ परमानन्द स्वरूप नारायण मौजूद है, जबकि नकारात्मक जीवन से भय, ग्लानि, चिन्ता मन में आती है। हर पल अज्ञात भय विचलित करता रहता है।

स्पष्टतयः यदि भय, तनाव से भूख और नींद गायब हो जाये तो फिर जीवन का एक बड़ा सुख गायब जो जाता है। इस प्रसंग में अकबर बीरबल की एक कथा ध्यान देने योग्य है जो निम्नवत है-

''अकबर : यह कैसे जाने लेते हैं कि मृत्यु के बाद मनुष्य स्वर्ग गया या नरक?''

''बीरबल : जब कोई मरता है और उसके इलाके के लोग हृदय से दुःखी होते हैं और कहते हैं कि जब तक जीया लोगों की मदद की, तो ज्ञात हो जाता है कि मरने वाला स्वर्ग गया। परन्तु जब मरने वाले की निन्दा करते हुए उसके कर्मों को कोसते हैं तो मान लिया जाता है कि वह नरक गया।''

अतः मेरे विचार में मनुष्य को अच्छे कर्म करने की शिक्षा देने के लिए धर्मग्रन्थों में मृत्यु के बाद स्वर्ग या नरक मिलने की बात कही गयी है।

इं. सुशील कुमार शर्मा
मोबाइल : 8765361190

देश के शहीदों को सम्मान चाहिए
अब दूसरा न कोई भगवान चाहिए।
आंसू नहीं, आंखों में अंगार चाहिए।
देश जो बचा ले, वह सरदार चाहिए।

डॉ. शिवमंगल सिंह 'मंगल'
(तीरतूणीर के - साभार)

भावना का संकल्प गीत

भावना सहयोग, सेवा, स्वावलम्बन से चले,
भावना की राह में संकल्प का दीपक जले।

भावना में डूब के इतने सहिष्णु हम हुए,
आस्था, विश्वास के साँचे में हम फिर-फिर ढले।

भावना ये है बुजुर्गों को किसी भी हाल में,
इस बदलते दौर की तल्ख़ी न रत्ती भर खले।

भावना का एक ही सन्देश है सबके लिए,
शेष जीवन भर कोई अब जिन्दगी को न छले।

विश्व में इक मंच देने को वरिष्ठों के लिए,
भावना की 'शान्त' पलकों पे कई सपने पले।

– इं. देवकी नन्दन 'शान्त'

भावना संदेश - विज्ञापन दरें

रंगीन (चार रंगों में) पूर्ण पृष्ठ -	रु. 5000/-
रंगीन (चार रंगों में) आधा पृष्ठ -	रु. 3000/-
रंगीन (दो रंग में) पूर्ण पृष्ठ -	रु. 3000/-
रंगीन (दो रंगों में) आधा पृष्ठ-	रु. 2000/-
श्वेत श्याम (पूर्ण पृष्ठ) -	रु. 2000/-
श्वेत श्याम (आधा पृष्ठ) -	रु. 1200/-
श्वेत श्याम (चौथाई पृष्ठ) -	रु. 600/-
लघु विज्ञापन (1/8 पृष्ठ तक) -	रु. 300/-

विज्ञापन की उक्त दरें प्रति अंक है। एक ही विज्ञापन भावना संदेश के चार अंकों में निरन्तर प्रकाशित करवाने पर केवल तीन अंकों का विज्ञापन शुल्क स्वीकार होगा। विज्ञापन शुल्क का अग्रिम भुगतान करना होगा।

सुखद सूचना

श्री चन्द्रभूषण तिवारी जी और स्थानीय जन-सहयोग से लखनऊ कानपुर रोड पर बंथरा और जुनैबगंज तिराहा के पास, ग्राम किशनपुर कौड़िया में अपना आश्रम खोला गया है, जहाँ पर भारतीय संस्कृति पर चिंतन और उसका प्रचार प्रसार किया जाएगा। इस आश्रम का उदघाटन २६ जनवरी-१९ को किया गया।

भावना का उन्नीसवाँ वार्षिक महाधिवेशन, दिनांक 11 मार्च, 2019, का कार्यवाही विवरण

सभास्थल : राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, कैसरबाग, लखनऊ।

उपस्थितिः समिति के कुल 837 सदस्यो में से 107 सदस्य (20 प्रॉक्सी सहित) सभा में उपस्थित थे। कोरम पूरा था। कार्यवाही विवरण

कार्यवाही विवरण

1. उद्घाटन सत्र के कार्यक्रम का संचालन भावना के उपमहासचिव श्री जगमाहेन लाल जायसवाल द्वारा किया गया।

2. कार्यक्रम के संचालक, श्री जगमोहन लाल जायसवाल, के अनुरोध पर मुख्य अतिथि, माननीय न्यायमूर्ति श्री विष्णु चन्द्र गुप्ता, निवर्तमान न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, ने मंच पर आसन ग्रहण किया।

3. पुनः संचालक महोदय के अनुरोध पर **भावना** के अध्यक्ष माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल, संरक्षक सदस्य माननीय श्री कोमल प्रसाद वार्ष्णेय, संरक्षक सदस्य माननीय न्यायमूर्ति श्री कमलेश्वर नाथ, संरक्षक सदस्य माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर चन्द्र वर्मा, हेल्पेज इन्डिया के निदेशक माननीय श्री अशोक कुमार सिंह, बिट्स पिलानी के निवर्तमान कुलपति श्री लक्ष्मी कान्त महेश्वरी तथा मनीषा मदिर की संस्थापक अध्यक्ष माननीया डॉ. सरोजिनी अग्रवाल ने मंच पर आसन ग्रहण किया।

4. संचालक महोदय के अनुरोध पर मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष सहित सभी मंचासीन महानुभावों ने दीप प्रज्वलित करके सभा की कार्यवाही का औपचारिक शुभारम्भ किया। सभी उपस्थित जनों ने करतल ध्वनि से हर्ष व्यक्त किया।

5. तदोपरान्त संचालक महोदय के अनुरोध पर मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष सहित सभी मचांसीन महानुभावों का समिति के पदाधिकारियों ने पुष्प-गुच्छ समर्पित करके स्वागत किया।

6. तदनन्तर संचालक महोदय के आह्वान पर श्री उदय भान पाण्डेय के नेतृत्व में सभा में उपस्थित सभी जनों ने खड़े होकर **भावना** के संकल्प-गीत का सामूहिक सस्वर पाठ किया जिसमें **भावना** के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों का संक्षिप्त उल्लेख है।

7. अध्यक्ष महोदय ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, अन्य अतिथियों, विशिष्ट सदस्यों, मीडिया के प्रतिनिधिगणों एवं सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया।

8. पुनः संचालक महोदय के अनुरोध पर मुख्य अतिथि, मंचासीन विशिष्ट अतिथियों तथा अध्यक्ष महोदय द्वारा समिति के वयोवृद्ध सदस्यों, माननीय न्यायमूर्ति सुधीर चन्द्र वर्मा, श्री सुशील शंकर सक्सेना, श्री मनोज कुमार गोयल, श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, श्रीमती आशा लता निगम तथा श्री संतोष प्रकाश माथुर को बारी-बारी से पुष्प-गुच्छ समर्पित करके एवं शॉल पहनाकर उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया।

9. समिति की वार्षिक रिपोर्ट : तदनन्तर प्रमुख महासचिव श्री राम लाल गुप्ता ने समिति की वार्षिक रिपोर्ट अर्थात समिति में गत एक वर्ष में हुई गतिविधियो एवं आगामी लेखा-वर्ष में प्रस्तावित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण सभा के समक्ष प्रस्तुत किया तथा अनुरोध किया कि इस पर अधिवशेन के आन्तरिक सत्र में सभी सदस्य अपने-अपने विचार अवश्य रखें ताकि सदन की इच्छा के अनुरूप ही समिति के अगले लेखा-वर्ष के लिए कार्यक्रम निर्धारित किए जा सकें। उन्होनें मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों तथा अन्य अतिथियों से भी अनुरोध किया कि वे भी इस विषय में अपने विचारों से हमें लाभान्वित करें ताकि तदनुसार समिति के भावी कार्यक्रमों को वरिष्ठ नागरिकों तथा समाज के निर्बल एवं असहायजनों के हितों के अनुरूप नियोजित किया जा सके। उन्होंने उन प्रस्तावों को भी सभा के विचारार्थ पढ़ा जो वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ केन्द्र तथा उत्तर प्रदेश सरकारों के सम्बंधित माननीय मंत्रियों तथा अधिकारियों को भेजे जाने प्रस्तावित हैं।

10. तदनन्तर मुख्य अतिथि तथा मंचासीन विशिष्ट-जनों द्वारा समिति के निम्नलिखित पदाधिकारियों का विगत सत्र में समिति के हित में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया तथा उन्हें प्रशस्ति-लेख दिए गए:

- श्री जगत बिहारी अग्रवाल, महासचिव (प्रशासन) का कार्य सर्वोत्तम पाया गया।
- श्री अनिल कुमार शर्मा, अध्यक्ष, एन.सी.आर. तथा येडा शाखा का कार्य अति उत्तम पाया गया।
- श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल, उपमहासचिव (कार्यान्वयन) का कार्य अति उत्तम पाया गया।
- विद्युत पेंशनर्स परिषद उत्तर प्रदेश का कार्य अति उत्तम पाया गया।

• श्री जगमोहन लाल जायसवाल, उपमहासचिव (प्रशासन) का कार्य अति उत्तम पाया गया।
• श्री राजेन्द्र कुमार चुघ, सचिव का कार्य अति उत्तम पाया गया।
• श्री शिव शंकर प्रसाद शुक्ल, सचिव, उन्नाव शाखा का कार्य अति उत्तम पाया गया।
• श्री सतपाल सिंह, उपमहासचिव (एडवोकेसी) का कार्य अति उत्तम पाया गया।

इस कार्यक्रम को संचालित करते हुए वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना ने कहा कि निर्धारित मानदंडों पर उपरोक्त पदाधिकारी ही खरे उतरे हैं, इसलिए उन्हें ही सम्मानित किया गया है, किन्तु इसका अर्थ यह नहीं है कि अन्य पदाधिकारियों ने कोई कार्य नहीं किया है। उन्होंने कहा कि समिति की प्रगति में सभी का योगदान रहा है।

संयोगवश 11 मार्च, 2019 को ही **भावना** के सम्मानित विशिष्ट सदस्य श्री दीपक कुमार पंत तथा श्रीमती चंद्रिका पंत के विवाह की पचासवीं (स्वर्णिम) वर्षगांठ भी थी। इस अवसर पर सभा ने दोनों को बधाई दी तथा उनके लम्बे एवं सफल दाम्पत्य जीवन की कामना की। दोनों को पुष्प-गुच्छ देकर एवं अंग वस्त्र पहनाकर उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया।

11. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, **इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निवर्तमान न्यायाधीश माननीय न्यायामूर्ति श्री विष्णु चन्द्र गुप्ता** ने अपने सम्बोधन में कहा कि उन्हें यह देख कर प्रसन्नता हो रही है कि **भावना** अपने सदस्यों के माध्यम से समाज सेवा कर रही है। इससे उनका मन संतुष्ट एवं प्रफुल्लित होता होगा तथा निराशावादी विचार उनके पास आ भी नहीं पाते होंगे। उन्होंने **भावना** के उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि **भावना** इसी विचारधारा पर कार्य कर रही है और कदाचित इसीलिए इस संस्था से जुड़े बुजुर्गों में इतना उत्साह तथा इतनी ताजगी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि भावना के सदस्य दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर काम करते हैं और इसीलिए इनके अंदर इतना अधिक सेवाभाव है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी **भावना** का सदस्य बनकर इसके जनहितकारी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भागीदार होना चाहेंगे।

12. सभा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निवर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री कमलेश्वर नाथ, न्यायमूर्ति श्री सुधीर चन्द्र वर्मा, **भावना** के पूर्व अध्यक्ष श्री कोमल प्रसाद वार्ष्णेय, मनीषा मंदिर की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सरोजिनी अग्रवाल, हेल्पेज इंडिया के निदेशक श्री अशोक कुमार सिंह, बिट्स पिलानी के पूर्व कुलपति डॉ. लक्ष्मी कान्त महेश्वरी तथा **भावना** के उन सभी वयोवृद्ध सदस्यों ने भी सम्बोधित किया जिनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन :

13. संचालक महोदय के अनुरोध पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री सुशील शंकर सक्सेना, ने सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, अन्य अतिथियों, सभा में उपस्थित सभी अन्य सदस्यों, महिलाओं तथा मीडिया के प्रतिनिधियों को समस्त प्रबन्धकारिणी की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया तथा प्रबन्धकारिणी के उन सभी सदस्यों को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने महाधिवेशन के आयोजन में अपना सक्रिय योगदान दिया। इसके उपरान्त संचालक महोदय के अनुरोध पर अध्यक्ष महोदय ने सभा के उद्घाटन सत्र के समापन की घोषणा कर दी तथा सभी से सहभोज के लिए प्रस्थान करने हेतु निवेदन किया।

आन्तरिक सत्र : सहभोज के उपरान्त माननीय मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियो एवं अन्य अतिथियों को ससम्मान विदा करने के बाद सभा के आन्तरिक सत्र का शुभारम्भ हुआ। महासचिव (प्रशासन) श्री जगत बिहारी अग्रवाल ने माननीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार शुक्ल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना तथा एन.सी.आर. शाखा के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार शर्मा को मंच पर आसन ग्रहण करवाया।

15. अध्यक्ष महोदय की अनुमति लेकर महासचिव (प्रशासन) ने सभा के आन्तरिक सत्र की कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए सभा के समक्ष साधारण सभा की विगत बैठक (अठारहवाँ वार्षिक महाधिवेशन, दिनांक 23 फरवरी, 2018) का कार्यवाही विवरण अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया। विचारोपरान्त सभा ने सर्वसम्मति से उसे अनुमोदित कर दिया।

16. तदुपरान्त अध्यक्ष महोदय की अनुमति लेकर महासचिव (प्रशासन), श्री जगत बिहारी अग्रवाल ने सर्वप्रथम वर्ष 2017-18 की सम्प्रेक्षक द्वारा सम्प्रेक्षित तथा चार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा निरीक्षित बैलेन्स शीट तथा आय-व्यय लेखा सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। साथ ही साथ उन्होनें उक्त वर्ष के बजट के सापेक्ष वास्तविक आय-व्यय का तुलनात्मक विवरण भी

सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। विचारोपरान्त सभा ने इन सभी अभिलेखों को सर्वसम्मति से अनुमोदित कर दिया।
पुनः महासचिव (प्रशासन) ने वर्ष 2019-20 के बजट प्रस्ताव निम्नानुसार प्रस्तुत किए :-

वर्ष 2019-20 के बजट प्रस्ताव

प्रस्तावित बजट में 50 नए आजीवन सदस्य, 25 आजीवन स्पाउस सदस्य, 100 विशिष्ट सदस्य, 100 विशिष्ट स्पाउस सदस्य, 2 सस्थागत सदस्य, 5 ग्रामीण संस्थागत सदस्य तथा 10 वॉलन्टियर सदस्य बनाए जाने का संकल्प है।

प्रस्तावित आय रुपये में

1. वर्ष 2017-18 का अवशेष (अनुमानित)		880000.00
अ. बैंक में फिक्स डिपाजिट - लखनऊ में	350000.00	
- ओबरा में	130000.00	
ब. बचत खाते में एवं नगद अवशेष (अनुमानित)	300000.00	
स. एन.सी.आर. में ओल्ड एज होम प्रोजेक्ट हेतु दिनांक 31/03/2018 को उपलब्ध धनराशि (अनुमानित)	100000.00	
2. 50 नये आजीवन सदस्य	50 X 2500.00	125000.00
3. 25 नये आजीवन स्पाउस सदस्य	25 X 500.00	12500.00
4. 100 नये आजीवन विशिष्ट सदस्य	100 X 6000.00	600000.00
5. 100 नये आजीवन विशिष्ट स्पाउस सदस्य	100 X 1000.00	100000.00
6. 2 नये संस्थागत सदस्य	2 X 6000.00	12000.00
7. 5 नये ग्रामीण संस्थागत सदस्य	5 X 2000.00	10000.00
8. 10 नये वॉलन्टियर सदस्य	10 X 1500.00	15000.00
9. भावना संदेश शुल्क एवं विज्ञापन		200000.00
10. समिति के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सम्भावित दान		1000000.00
11. शिक्षा सहायता योजना के लिए सम्भावित दान		500000.00
12. डे-केयर केन्द्र में आने वाले सदस्यों से प्राप्त शुल्क	(12X250X50)	150000.00
13. स्थापना दिवस एवं वार्षिक अधिवेशन से प्राप्त पंजीकरण शुल्क	(100X300)	30000.00
14. एन.सी.आर. में आल्ड एज होम प्रोजेक्ट हेतु सम्भावित अंशदान/दान		80000000.00
	कुल सम्भावित आय	83634500.00

प्रस्तावित व्यय रूपये में

1. कार्यालय स्टेशनरी	80000.00
2. टाईप/फोटोकापी	80000.00
3. डाक टिकट/कोरियर/फैक्स	80000.00
4. प्रचार-प्रसार सामग्री	200000.00
5. टेलीफोन किराया	20000.00
6. डाक रनर /चपरासी (पूर्णकालिक)	80000.00
7. कार्यालय सहायक (पूर्णकालिक)	80000.00
8. वार्षिक अधिवेशन पर व्यय	80000.00
9. भावना-संदेश का प्रकाशन	80000.00
10. मासिक विचार गोष्ठियों पर व्यय	200000.00
11. चार्टर्ड अकाउन्टेण्ट की फीस	25000.00

12. लीगल फीस		50000.00
13. कमप्यूटर एवं वेबसाइट का रख-रखाव		30000.00
14. स्थापना दिवस एव शिक्षा सहायता राशि वितरण समारोह पर व्यय		80000.00
15. कार्यालय भवन किराया		0.00
16. कार्यालय हेतु विद्युत व्यवस्था		0.00
17. डे-केयर केन्द्र की सज्जा पर होना वाला व्यय		120000.00
अ. फर्नीचर	25000	
ब. टी.वी. एवं डी.वी.डी. प्लेयर	40000	
स. ए.सी.	30000	
द. कारपेट, परदे आदि	25000	
	कुल 120000	
18. डे-केयर केन्द्र के संचालन पर होने वाला व्यय		150000.00
अ. केयर टेकर कम कम्पयूटर आपरेटर	72000.00	
ब. चपरासी/अटेन्डेण्ट	60000.00	
स. समाचार प्त्र, अन्य पढ़ने वाली सामग्री	12000.00	
द विद्युत व्यय तथा अन्य आवश्यक रखरखाव के व्यय	6000.00	
	कुल 150000.00	
19. अन्य प्रकीर्ण व्यय		100000.00
	कुल व्यय	1535000.00

विभिन्न सेवा कार्यक्रमों पर व्यय

1. भावना कम्पेनियनशिप	5000.00
2. भावना हेल्पलाइन	5000.00
3. भावना सेकण्ड कैरियर	2500.00
4. भावना सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ	25000.00
5. भावना महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ	15000.00
6. भावना सोशल सर्विस	500000.00
7. भावना आध्यात्मिक सेवायें	25000.00
8. भावना स्वास्थ्य सेवायें	100000.00
9. भावना एजूकेशन एण्ड लिटरेसी सेवायें	400000.00
10. येडा को आल्ड एज होम प्रोजेक्ट हतु खरीदी जाने वाली जमीन की किस्तें एवं ओल्ड एज होम के निर्माण आदि पर किया जाने वाला व्यय	77000000.00
11. श्री अनिल कुमार शर्मा से लिये गये उधार की वापसी व्याज सहित	3000000.00
योग 81077500.00	
कुल प्रस्तावित व्यय	82612500.00
कुल अनुमानित बचत (83634500-82612500.00)	1022000.00

विशेष :

1. व्यय आवश्यकतानुसार वास्तविक आय के अनुरूप कम से कम किया जायेगा।

2. प्रबंधकारिणी की बैठकों का व्यय गत वर्षो की भाँति समिति के पदाधिकारियों द्वारा ही बारी-बारी से वहन किया जाना प्रस्तावित है।

3. नए प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिये आय के अनुरूप अतिरिक्त व्यय किया जाना भी प्रस्तावित है।
4. वर्ष 2016-17 में श्री अनिल कुमार शर्मा से ओल्ड ऐज़ होम प्रोजेक्ट हेतु येडा से जमीन लेने के लिये 4 प्रतिशत पर 27 लाख का लोन लिया गया है।

विचारोपरान्त सभा ने सर्वसम्मति से इन बजट प्रस्तावों को अनुमोदित कर दिया।

17. नियमावली में संशोधन : सभा ने सर्वसम्मति से समिति की नियमावली में निम्नलिखित संशोधन अनुमोदित कर दिए :

भावना समिति नियमावली, चौदहवाँ संशोधन(3/2019)

वर्तमान नियम 11 के अतंर्गत उपनियम 11.1 तथा उपनियम 11.3 को निम्नानुसार संशोधित कर दिया गया :

11.1 गठन : प्रबंधकारिणी का गठन संस्था के उपनियम 7.1, 7.2, 7.3, 7.5.1 तथा 7.5.2 में परिभाषित सदस्यों में से ही साधारण सभा के बहुमत के आधार पर होगा। प्रबंधकारिणी के सदस्य संस्था के पदाधिकारी कहलायेंगे। साधारण सभा द्वारा चुने जाने वाले पदाधिकारियों की संख्या बीस होगी। इनके पदनाम निम्नवत होंगे-

अध्यक्ष- एक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष- एक, उपाध्यक्ष (प्रथम)- एक, उपाध्यक्ष (द्वितीय)- एक, प्रमुख महासचिव- एक, महासचिव (प्रशासन)- एक, महासचिव (कार्यान्वयन)-एक, महासचिव (एडवोकेसी)- एक, उप महासचिव-चार, कोषाध्यक्ष- एक, सह-कोषाध्यक्ष- एक, सम्प्रेक्षक- एक तथा सदस्य-पाँच।

उपरोक्त के अतिरिक्त संस्था की विभिन्न शाखाओं के शाखा अध्यक्ष तथा शाखा सचिव भी प्रबंधकारिणी के पदेन सदस्य होंगे।

संस्था के सभी संस्थापक सदस्य प्रबंधकारिणी के सदस्य जीवनपर्यन्त रहेंगे। वे प्रबंधकारिणी के स्थाई मार्गदर्शक सदस्य होंगे।

संस्था के कार्यसंचालन हेतु आवश्यकतानुरूप अध्यक्ष द्वारा प्रमुख महासचिव तथा तीनों महासचिवों की सलाह से प्रबंधकारिणी में अधिकतम 30 सदस्यों को मनोनीत किया जायेगा। आवश्यकतानुसार कुछ सदस्यों को प्रबंधकारिणी में स्थाई आमंत्री के रूप में भी मनोनीत किया जा सकेगा। निर्वाचित सदस्यों, मनोनीत सदस्यों तथा मनोनीत स्थाई आमंत्रियों को कार्यभार एवं तदनुरूप पदनाम अध्यक्ष द्वारा प्रमुख महासचिव तथा तीनों महासचिवों की सलाह से आवंटित किये जायेंगे।

संस्था के सभी संरक्षक एवं विशिष्ट सदस्य प्रबंधकारिणी के मानद सदस्य होगें, किन्तु यदि वे प्रबंधकारिणी के किसी पद पर निर्वाचित अथवा मनोनीत नहीं होंगे तो प्रबंधकारिणी में किसी विषय पर मतदान की स्थिति आने पर उन्हें तटस्थ रहना होगा।

संस्था के वॉलन्टियर सदस्यों में से आवश्यकतानुसार किन्हीं को भी प्रबंधकारिणी में, निर्वाचन द्वारा भरे जाने वाले बीस पदों को छोडक़र अन्य किन्हीं भी पदों पर, मनोनीत किया जा सकेगा। मनोनीत वॉलन्टियर सदस्य को केवल अपने पद से सम्बंधित विषय पर मतदान का अधिकार होगा।

11.3 <u>गणपूर्ति (कोरम)</u> प्रबंधकारिणी की बैठकों के लिए कोरम पाँच सदस्यों का होगा किन्तु प्रत्येक बैठक में निम्नलिखित पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी-

(क) अध्यक्ष अथवा वरिष्ठ उपाध्यक्ष अथवा उपाध्यक्ष (प्रथम) अथवा उपाध्यक्ष (द्वितीय)

(ख) महासचिव (प्रशासन) अथवा उनसे सम्बद्ध उपमहासचिव। (ग) कोषाध्यक्ष अथवा सह-कोषाध्यक्ष

प्रतिबंध यह है कि दो तिहाई पदाधिकारियों की मांग पर बुलाई गई विशेष बैठक का कोरम अनिवार्य रूप से प्रबंधकारिणी की कुल सदस्य संख्या का दो तिहाई होगा।

वर्तमान नियम 12 के अंतर्गत उपनियम 12.3 को निम्नानुसार संशोधित कर दिया गया :

12.3 <u>उपाध्यक्ष (प्रथम) तथा उपाध्यक्ष (द्वितीय) :</u> अध्यक्ष तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष (प्रथम) तथा उसकी भी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष(द्वितीय) समस्त बैठकों की अध्यक्षता करेगा, प्रस्तावों पर मतदान करायेगा, प्रस्तुत प्रस्तावों का क्रम निश्चित करेगा तथा किसी प्रस्ताव के पक्ष व विपक्ष में मतों की संख्या समान होने पर निर्णायक मत देगा। वह वे सभी कार्य भी करेगा जो प्रबंधकारिणी द्वारा उसे सौंपे जायेंगे। अध्यक्ष तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष की अकाल मृत्यु होने अथवा उनके त्यागपत्र देने (एवं स्वीकार होने) अथवा नियम-9 में दिये गये कारणों से उनकी सदस्यता समाप्त होने अथवा

अन्य किसी कारण से अध्यक्ष तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद रिक्त हो जाने पर उपाध्यक्ष(प्रथम) तथा उसकी भी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष(द्वितीय) ही अध्यक्ष तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष के सभी अधिकारों एवं कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।

दोनों उपाध्यक्षों में जो पदधारी सदस्य समिति के सदस्यता क्रम में वरिष्ठ होगा वह उपाध्यक्ष (प्रथम) नामित होगा। यदि दोनो उपाध्यक्षों में एक विशिष्ट सदस्य तथा दूसरा आजीवन सदस्य होगा तो विशिष्ट सदस्य ही उपाध्यक्ष (प्रथम) नामित होगा।

18. खुला सत्र : अध्यक्ष महोदय की अनुमति से महासचिव (प्रशासन) ने खुला सत्र प्रारम्भ करते हुए सदस्यों से अनुरोध किया कि वे समिति की वार्षिक रिपोर्ट पर, मुख्य अतिथि महोदय के सम्बोधन में निहित बिन्दुओं पर तथा अन्य विभिन्न प्रस्तावों पर बारी-बारी से अपने-अपने विचार व्यक्त करें तथा यदि समिति एवं सदस्यों तथा समाज के कमजोर वर्ग के हित से सम्बन्धित कोई अन्य प्रस्ताव उनके पास हों तो उन्हें भी सदन के समक्ष रखें। सभा में उपस्थित सदस्यों ने तदनुसार अपने-अपने विचार सदन के समक्ष रखे। भली प्रकार विचार-विमर्श के उपरान्त सभा द्वारा सर्वसम्मति से समिति की वार्षिक रिपोर्ट सहित उन प्रस्तावों को भी अनुमोदित कर दिया गया जो वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ केन्द्र तथा उत्तर प्रदेश सरकारों के सम्बंधित माननीय मंत्रियों तथा अधिकारियों को भेजे जाने प्रस्तावित हैं।

19. निर्वाचन प्रक्रिया : महासचिव (प्रशासन) के अनुरोध पर सभा की कार्यवाही स्थगित करते हुए अध्यक्ष महोदय ने चुनाव अधिकारी माननीय श्री नरेश चन्द्र रस्तोगी से अनुरोध किया कि वे अपनी अधिसचूना संख्या भावना/प-027/2879 दिनांक 04 फरवरी, 2019 के अनुरूप नई प्रबंधकारिणी का चुनाव कराने का कष्ट करें। तदुपरान्त अध्यक्ष महोदय तथा मंच पर आसीन अन्य पदाधिकारियों ने अपना आसन छोड़ दिया एवं सभा के मध्य बैठ गये। चुनाव अधिकारी ने आसन ग्रहण करने के उपरान्त चुनाव अधिसूचना के अनुरूप प्रबंधकारिणी के विभिन्न पदों के लिए नामांकन आमंत्रित किये। प्राप्त नामांकनों का अध्ययन करने के उपरान्त, चूँकि प्रत्येक पद के लिए एक-एक नामांकन ही प्राप्त हुआ था इसलिए उन्होंने निम्नलिखित नए पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया:

1. अध्यक्ष-	श्री विनोद कुमार शुक्ल	2. वरिष्ठ उपाध्यक्ष -	श्री सुशील शंकर सक्सेना
3. उपाध्यक्ष-	श्री तुंग नाथ कनौजिया	4. उपाध्यक्ष -	श्री राम लाल गुप्ता
5. प्रमुख महासचिव -	श्री जगत बिहारी अग्रवाल	6. महासचिव(प्रशासन) -	श्री ओम प्रकाश पाठक
7. महासचिव(कार्यान्वयन)-	श्री योगेन्द्र आताप सिंह	8. महासचिव(एडवोकेसी)-	श्री सतपाल सिंह
9. उप महासचिव -	श्री रमा कान्त पाण्डेय	10. उप महासचिव -	श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल
11. उप महासचिव -	श्री जगमोहन लाल जायसवाल		
12. उप महासचिव -	कोई नामांकन प्राप्त नहीं हुआ। अतः यह पद रिक्त रहा।		
13. कोषाध्यक्ष -	श्री राजेन्द्र कुमार चुघ	14. सहकोषाध्यक्ष -	श्री आदित्य प्रकाश सिंह
15. सम्प्रेक्षक -	श्री मनोज कुमार गोयल	16. सदस्य -	श्री प्रेम शंकर गौतम
17. सदस्य -	श्री विश्व नाथ सिंह	18. सदस्य -	श्री राम मूर्ति सिंह
19. सदस्य -	श्री दीन बंधु यादव	20. सदस्य -	श्री ओम प्रकाश गुप्ता

चुनाव अधिकारी ने तत्काल अपने पत्रांक भावना/प-027/चुनाव स्थल दिनांक 11 मार्च, 2019 के माध्यम से उपरोक्तानुसार चुनाव परिणामों की घोषणा भी कर दी।

तत्पश्चात् चुनाव अधिकारी ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया तथा उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवायी। इसी के साथ उन्होनें चुनाव प्रक्रिया को समाप्त घोषित कर दिया। सभी उपस्थित जनों ने चुनाव प्रक्रिया के शान्तिपूर्ण समापन एवं पदाधिकारियों के निर्विरोध निर्वाचन पर करतल ध्वनि से हर्ष एवं संतोष व्यक्त किया।

20. समापन सत्र : सभा की कार्यवाही पुनः प्रारंभ करने के उद्देश्य से नव निर्वाचित प्रमुख महासचिव ने पुनर्निर्वाचित अध्यक्ष महोदय, पुनर्निर्वाचित वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय एवं नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष महोदय को मंच पर आसन ग्रहण करने हेतु आमंत्रित किया। सभा ने करतल ध्वनि से हर्ष व्यक्त करते हुए उनका स्वागत किया।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से सभा की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए प्रमुख महासचिव ने अपनी ओर से तथा सभी

नव-निर्वाचित पदाधिकारियों की ओर से सभी के निर्विरोध निर्वाचन के लिए सभा को धन्यवाद दिया तथा सभा को भरोसा दिलाया कि नई प्रबंधकारिणी समिति के सदस्यों की आशाओं के अनुरूप बेहतर से बेहतर कार्य करने का प्रयास लगातार करती रहेगी।

अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों का आह्वान किया कि :

• सदस्यगण सुप्त सदस्य बनकर न रहें अपितु समिति के कार्यक्रमों में अपना सक्रिय योगदान दें।

• प्रत्येक सदस्य आगामी वर्ष में अपने माध्यम से कम से कम दो नए सदस्य अवश्य ही बनवाने का प्रयास करे।

• जिन सदस्यों ने अपनी विवाह की तारीख समिति कार्यालय में अभी तक उपलब्ध नहीं कराई है वे कृपया यह अति आवश्यक विवरण यथाशीघ्र उपलब्ध करा दे।

• बदले हुए पते, फोन नम्बर तथा/अथवा ई.मेल आई.डी. की जानकारी भी यथाशीघ्र उपलब्ध करा दें। पुराने सदस्यों के मोबाइल नम्बर समिति कार्यालय में उपलब्ध नहीं हैं। वे कृपया यह विवरण भी उपलब्ध करा दे।

• जिन सदस्यो की ई.मेल आई.डी. समिति कार्यालय में उपलब्ध नहीं है वे कृपया यह विवरण भी उपलब्ध करा दें। यह अति आवश्यक है क्योंकि अब सारा पत्राचार एवं सूचनाओं आदान प्रदान ई-मेल के माध्यम से ही किया जा रहा है।

• जिन सदस्यों के पास स्मार्ट मोबाइल फोन नहीं है वे कृपया इसकी व्यवस्था कर लें ताकि वे ई-मेल तथा/अथवा व्हाट्सएप के माध्यमों का उपयोग भली प्रकार कर सकें।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से महासचिव(प्रशासन) के अनुरोध पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, माननीय श्री सुशील शंकर सक्सेना ने सभी उपस्थित जनों को इस बैठक में आने के लिए धन्यवाद दिया तथा प्रबंधकारिणी के उन सभी सदस्यों को भी धन्यवाद दिया जो इस आयोजन के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे तथा जिनके प्रयास से ही यह आयोजन सफल हो सका। उन्होंने श्री जगमोहन लाल जायसवाल को विशेष रूप से धन्यवाद दिया कि उन्होंने अधिवेशन के उद्घाटन सत्र का बहुत ही कुशलता के साथ संचालन किया। इसके उपरान्त अध्यक्ष महोदय द्वारा सभा के समापन की घोषणा कर दी गई।

जगत बिहारी अग्रवाल, प्रमुख महासचिव

भावना के 19वें वार्षिक अधिवेशन पर मुख्य अतिथि महोदय का परिचय

Name : Justice Vishnu Chandra Gupta, Father's Name : Late Ram Kumar Gupta, D.O.B. : 20.07.1953



After attending essential qualification practical in Civil and Criminal law for a period of 18 years subsequently joined as Additional District Judge at Chopan/Sonbhadra on 13.5.1994 and worked in this capacity upto June, 2001 at various places upto October 2003. He worked as additional law secretary from Nov. 2003 to Nov. 2006. Thereafter he worked as District and Session Judge for a period of about 5 years. Further he served as OSD and Registrar General also. Finally he retired as Judge Allahabad High Court, at Lucknow on 19.7.20015

Presently he is working as HOD/Judicial Member (CAT) since 2.1.2017



शोक संदेश

भावना संदेश की पूर्व सह-सम्पादक सुश्री प्रो. अवनीश अग्रवाल जी की माताजी श्रीमती राधारानी अग्रवाल का देहावसान 12.04.2019 हो गया है। ईश्वर मृतात्मा को शान्ति प्रदान करे और उनके शोक संतप्त परिवार को यह गहन दुःख सहने की क्षमता प्रदान करे।

- भावना परिवार

Resolutions passed in BHAVANA's 19th Annual Convention on 11th March, 2019

1. Considering that the number of senior citizens (age 60+) in the country is increasing fast that will grow to 32.6 crores in 2025 and that 2/3rd of the country's elderly population is financially weak and 11% very old(age 80+) who need economic and healthcare support, and that the interests of present 10 crore senior citizens population in the country need to be looked after better both at the Centre and the States, the Convention requests the Honorable Prime Minister of India to create an exclusive Ministry for Senior Citizens and to appoint a National Commission on Older Persons. Similar organizational structure should be replicated at the state level too.

2. Noting that one of the important reasons for State governments not implementing the welfare schemes meant for senior citizens is the absence of a clear cut communication channel between the governments [both Central and State] and the beneficiaries, and considering the inability to fully mobilize senior citizens particularly at the grass root level and thus build effective pressure groups which is a healthy requirement in a democratic environment, and considering that very often many politicians, bureaucrats and even senior citizens themselves are not fully aware of the policies and programmes for their welfare due to their inadequate dissemination, and considering that BHAVANA is the largest and most vibrant registered representative organization of senior citizens in Uttar Pradesh, and have been in the forefront of representing the important problems of senior citizens in U.P., and considering that it has held regular annual conventions during the last nineteen years in Lucknow, the capital of U.P. to create awareness among senior citizens, the Convention requests the Honorable Minister for Social Welfare, U.P. to recognize BHAVANA as the State Level Association of Older Persons as recommended in para 96 of NPOP 1999 and para 4.4 of U.P. State Policy of Senior Citizens to mobilize senior citizens, articulate their interests, promote and undertake programmes and activities for their well being and to advise the state government on all matters relating to senior citizens.

3. Considering that Senior Citizens are prone to many health problems and their financial resources are on the decline day by day due to inflation, the Convention resolves that both state and central governments should be urged to provide Health Insurance to all senior citizens as mandated in NPOP adopted by government of India in 1999 and U.P. State Policy of Senior Citizens.

a) Any Health Insurance Scheme that may be implemented must conform to minimum requirements given below:

- Premium must be very modest and should not go on increasing with age.
- There should be no entry [at least for the first 3 to 5 years] or exit restrictions.
- There should be no restriction for pre-existing diseases.
- This should be fully subsidized for BPL and on graded premium sharing basis to APL senior citizens.
- There should be no restriction of family size.
- Coverage should be a reasonable amount say ten lakhs on a floater basis.
- Aarogyasri of Andhra Pradesh meets all the requirements mentioned above and this

scheme should be replicated in all states.

b) To urge GOI to come up with a comprehensive scheme to take care of senior citizens belonging to BPL category suffering from terminal illnesses like: Alzheimer's disease, Cancer etc by providing palliative care, reservation of beds, home care financing etc.

c) To implement National Programme of Healthcare for the Elderly (NPHCE) fully in letter and spirit and in all districts of the Country.

4. Considering that senior citizens are physically weak and financially not sound due to high costs of inflation, the Convention requests Honorable Minister for Railways to:

- Allow 50% concession in TOTAL train fare to male senior citizens also as has been already done in the case of women senior citizens.
- Extend the Concession for Tickets bought under Tatkal Quota also.
- Consider Very Old Persons (age 80+) as disabled and therefore allow the facility of one accompanying free assistant/attendant.
- Provide, in suburban trains, special compartments for senior citizens (similar to ladies, disabled etc).
- Provide at all major railway stations amenities like lifts, elevators, ramps, porters, wheel-chairs etc.
- Provide for separate Qs with seating arrangements for senior citizens while booking tickets at railway tickets booking windows.
- Railway Reservation charges while booking tickets must be removed for senior citizens.
- Under-passes should be built at all railway stations having two or more platforms. At Lucknow(NR) station, the already existing under-pass should be extended to platforms nos. 6 & 7 also.

5. Considering that senior citizens are physically weak and financially not sound due to high costs of inflation, the Convention requests Honorable Minister for Road Transport, U.P. to:

- Allow 50% concession in TOTAL bus fare to senior citizens (age 60+).
- Consider Very Old Persons (age 80+) as disabled and therefore allow the facility of one accompanying free assistant/attendant.
- All seats in buses should be treated as reserved for senior citizens. Bus conductors and drivers must get seats vacated to get senior citizens properly seated.

6. Considering the inflationary pressure faced by the senior citizens, high cost of medicines forming a major part of health expenditure, this Convention unanimously resolves and requests the Union Minister for Chemicals and Fertilizers to promote the availability of low cost generic medicines of essential drugs by

- Promoting Generic medicines outlets in all States.
- Insisting on doctors prescribing generic medicines only where-ever available.
- Insisting on printing reasonable/affordable MRP on generic medicine packages.
- Implement "free medicines distribution through government hospitals" scheme recently

announced by the GOI, fully in letter and spirit throughout India.

- Bring all the drugs identified as the essential drugs under the price control regime.

7. Considering that most senior citizens up to the age of 75 remain healthy and active, their experience and knowledge are assets to the society, this Convention resolves and requests the Ministry of HRD and Ministry of Labour to consider raising the retirement age of government employees to 65 years.

8. Considering that, even after eight years of enactment by the parliament, many state governments are yet to notify (accept), the Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act 2007 or to fully operationalize the Act, by framing Rules under the Act, Setting up Tribunals, Announcing Maintenance officers etc., this Convention resolves and requests the Ministry of Social Justice and Empowerment to vigorously pursue all state governments to fully implement the Act in all respects expeditiously and give the provisions in the Act adequate publicity both in print and electronic media.

9. Considering that financial resources of senior citizens keep depleting day by day on account of inflation and that their major sources of income are only pensions or lifelong savings during low cost economy years, the Convention resolves to urge the Ministry of Finance to make the following changes in Direct Taxes Code:

a) Income Tax Exemption for Senior Citizens should be at least Rs 10.00 Lakhs for the age group of 60 to 80 years and complete tax exemption for 80+

b) Senior Citizens should be fully exempted from the purview of Tax Deduction at Source for interest Income on Deposits.

c) Persons who take care of senior citizens should be given concession in Income Tax.

10. Considering that a large number of senior citizen retirees are pensioners from central/state governments and from PSUs and that there are a number of perennial unsolved issues relating to their pensions and post retirement benefits, this Convention resolves to request the Ministry of HRD, Ministry of Finance, Ministry of Defence and Ministry of Labour and Employment and other relevant ministries to seek remedial measures as follows:

(a) In line with Universal Pension Principle promoted by Aruna Roy and others, grant Minimum Universal Pension of Rs 10,000/- or 50% of minimum wage (whichever is more) per month per person, to all 60+ senior citizens in both unorganized & organized sectors with the provision of automatic revision of the quantum corresponding to minimum wage & inflation.

(b) Removal of disparities: • Remove disparities in revision of pension within the homogeneous groups of pre 2006. • Remove, among defence pensioners, disparities between uniformed sector and civilian sector.

(c) Restore Commuted Portion of Pension of all Central/State/PSU pensioners in 12 years as was recommended by 5th CPC instead of present 15years.

(d) Additional old age pension to all superannuated Central/State/PSU pensioners should start from the age of 65years @ 5% of the basic pension with provision of enhancement by 5% every 5years.

11. Noting that the working Group on Social Welfare has made extensive

recommendations to the then Planning Commission with specific reference to senior citizens welfare for 12th Five Year Plan including clear budget proposals for Old Age Homes, RSBY, Old Age Pension, National Institute of Ageing, Helplines, National Council of Senior Citizens, separate department for senior citizens etc and appreciating the efforts done by the working group regarding senior citizens welfare for the first time, this Convention resolves to request the NITI Aayog NOT TO DILUTE the recommendations of the Working group in any way but to push the agenda forcefully with concerned ministries for complete implementation of all recommendations.

12. Observing that there are large sums of money lying idle as Unutilized Funds/Unclaimed amounts with Institutions like Nationalized Banks, dividends on Stocks, Income Tax refunds, EPF, LIC, PPF, Post Office Savings Accounts, etc, which are mostly out of investments belonging to senior citizens, and the total amount of this accumulation is estimated to be over Rs. 25,000 crores, this Convention resolves to urge the Ministry of Finance to utilize this amount as corpus for setting up a Senior Citizens Welfare Fund and that this Fund augmented periodically by levying a surcharge/welfare tax on the creamier layers of the society.

13. Considering that majority of senior citizens suffer progressively on account of inflation, this Convention resolves to request Reserve Bank of India to introduce "Inflation Indexed Bonds" @ 12% to mitigate the sufferings of elderly community against inflationary pressures.

14. This Convention also resolves to urge Ministry of Finance and Ministry of Social Justice & Empowerment to cover all projects related to welfare of senior citizens for funding by big corporate houses under the head "Corporate Social Responsibility"



J.B. Agarwal
Secretary General

भावना संदेश जनवरी-2019 के संस्करण पर भावना की कार्यविधि के बारे में सदस्यों की टिप्पणियां

Sl.N.	Response of the Members	Comments
1.	**Mr. Anil Kaskhediker's** letter dt. 7 Jan. 2019 addressed to the president	Bhawana Sandesh, as usual is readable and quite informative. Editorial skill is visible.
2.	**Mr. Padman Bhavan Vyasa Moorthy**'s letter dt. 7 Jan. 2019 addressed to the president	The soft copy of the Journal is pleasing to see, read and enjoy. There are couple of english articles also
3.	**Justice Kamleshwar Nath**'s letter dt. 17 March, 2019 addressed to the President 	I was pleased to attend Bhavana's last meating which was on last monday. It was a wonderful function telling participants about the wonderful operations of Bhavana, The most wonderful of it was the project to erect a senior citizens Home. Bhavana could purchase such a costly plot on full payment is just miraculous. Great credit goes to your team and more particularly to you. It is full proof of your leadership. May Bhavana continue to serve the people under your leadership for many years to come.

समिति का उन्नीसवाँ वार्षिक महाधिवेशन-11 मार्च, 2019
प्रमुख महासचिव का प्रतिवेदन (समिति की वार्षिक रिपोर्ट)



श्री रामलाल गुप्ता, प्रमुख महासचिव

भावना के उन्नीसवें महाधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे संस्थापक विशिष्ट सदस्य व राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल जी, मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री विष्णु चन्द्र गुप्ता जी, मंचासीन सम्मानित विशिष्ट अतिथिगण, अन्य अतिथिगण, भावना की सदस्य संस्थाओं के सम्मानित पदाधिकारीगण, मीडिया के प्रतिनिधिगण, के पदाधिकारी एवं सदस्यगण तथा देवियो! मैं की ओर से एवं अपनी ओर से भी आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

मान्यवर, भारत में अभी वरिष्ठ नागरिकों की संख्या कुल जनसंख्या की लगभग 11 प्रतिशत है। चिकित्सा क्षेत्र में हुए नये-नये आविष्कारों के चलते एवं निजी स्वास्थ के प्रति अधिक जागरूकता एवं सतर्कता के कारण भारत के नागरिकों की औसत उम्र में निरन्तर वृद्धि हो रही है। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या कुल जनसंख्या की लगभग 20 प्रतिशत हो जायेगी। ऐसी परिस्थिति में शासन की जिम्मेदारी है कि वह वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उनके सुचारू एवं सुरक्षित तथा आसान जीवन की व्यवस्था सुनिश्चित करे। अभी तक देश के वरिष्ठ नागरिकों ने अनुभव किया है कि केन्द्र एवं राज्य सरकारें उनके प्रति संवेदनशील नहीं है। सरकारों की उदासीनता के कारण ही वरिष्ठ नागरिकों ने संगठित होकर स्वयं हित की योजनायें बनाने तथा उनके समयबद्ध कार्यान्वयन हेतु सरकारों को बाध्य करने का संकल्प लिया एवं देश भर में विभिन्न स्थानों पर वरिष्ठ नागरिक समितियों के गठन हुए। इसी दृष्टिकोण से **भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति** की स्थापना भी वर्ष 2000 में की गयी।

भावना का मुख्य उद्येश्य वरिष्ठ नागरिकों के हितलाभों को सुनिश्चित कराना एवं उनमें स्वावलम्बन, सहयोग, सहिष्णुता एवं सेवा की भावना बलवती करना है ताकि उनमें सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह हो एवं वे प्रसन्न, स्वस्थ एवं सार्थक जीवन सुचारू रूप से जी सकें। भावना ने अपने उद्येश्यों में समाज के कमजोर वर्गों, यथा, निराश्रित महिलाओं, बेसहारा बच्चों, दिव्यांगजनों, निर्बल एवं असहायजनों के कल्याण सरीखे विषयों को भी सम्मिलित किया है और यही सर्वजन हितकारी कार्यक्रम भावना को वरिष्ठ नागरिकों की अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं से भिन्न बनाते हैं। भावना समाज के निर्बल एवं असहाय वर्ग के कल्याण हेतु कार्यों को प्रधानता देती है जबकि अन्य वरिष्ठ नागरिक समितियां केवल वरिष्ठ नागरिकों के हित चिन्तन में ही लगी रहती हैं। भावना का प्रत्येक सदस्य स्वयं को समाज से जुड़ा महसूस करता है तथा यथासम्भव विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में अधिकाधिक सहयोग प्रदान कर प्रसन्नता महसूस करता है। इन्हीं विशेषताओं के कारण भावना, उत्तर प्रदेश में ही नहीं अपितु पूरे भारत वर्ष में सक्रिय वरिष्ठ नागरिक समितियों में प्रमुख स्थान रखती है। अब तक भावना के व्यक्तिगत सदस्यों की संख्या 950 के निकट पहुंच चुकी है। इस संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। वरिष्ठ नागरिकों का हित-चिन्तन करने वाली 16 अन्य स्वैच्छिक संस्थायें भावना की संस्थागत सदस्य हैं। इस प्रकार सभी को मिलाकर सदस्यों की संख्या लाखों में हो जाती है। भावना का मुख्यालय लखनऊ में है। इसकी शाखायें ओबरा (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण सोनभद्र जनपद), उन्नाव (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उन्नाव जनपद), नोएडा (कार्यक्षेत्र दिल्ली/नई दिल्ली सहित सम्पूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) तथा यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी टाउनशिप - येडा (कार्यक्षेत्र निर्माणाधीन भावना ओल्ड एज होम परिसर) में स्थापित एवं क्रियाशील हैं।

अपने उद्येश्यों की पूर्ति हेतु विभिन्न कार्यक्रमों को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने हेतु भावना ने अधोवर्णित प्रकोष्ठों का गठन कर उनके दायित्वों का निर्धारण किया है। प्रत्येक प्रकोष्ठ अपने दायित्वों के अनुरूप योजनायें बनाकर उन्हें कार्यान्वित करता है। प्रत्येक प्रकोष्ठ में संयोजक सहित आवश्यकतानुसार ऐसे सदस्यों का भी मनोनयन किया गया है जिनको सम्बन्धित कार्य/विषय में रुचि है।

1. वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ, 2. शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ, 3. ग्राम्यांचल एवं निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ, 4. सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ, 5. वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ, 6. प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ, 7. सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ, 8. महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ, 9. पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ, 10. डे-सेन्टर प्रबन्धन प्रकोष्ठ, 11. संपादन प्रकोष्ठ, 12. विधि एवं

आर.टी.आई. प्रकोष्ठ, 13. संसाधन प्रबन्ध प्रकोष्ठ, तथा 14. अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ।

मान्यवर, अब मैं विगत महाधिवेशन के बाद से अब तक भावना द्वारा किए गये, किए जा रहे तथा भविष्य में किए जाने वाले नियोजित कार्यक्रमों/योजनाओं का संक्षिप्त विवरण आपके समक्ष क्रमवार प्रस्तुत कर रहा हूँ।

1. लोकतांत्रिक व्यवस्था में संख्या बल का विशेष महत्व होता है। इसलिए भावना ने अपनी सदस्य संख्या बढ़ाने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य निर्धन व बेसहारा लोगों के लिए काम करने वाली कुछ स्वैच्छिक संस्थाओं को अपने साथ जोड़ने एवं कुछ अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं से जुड़ने के कार्य को प्राथमिकता दी है। ऐसा करना इसलिए आवश्यक था ताकि केन्द्र एवं राज्य सरकारों से वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं सुविधायें प्राप्त करने हेतु मांगों में एकरूपता रहे। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु भावना ने कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ अंतरंग सम्बन्ध स्थापित किए हैं। जिनमें World U3A, U3A Asia Pacific Alliance, Helpage International, Helpage India, Help Your NGO, All India Senior Citizen Confederation (AISCCON), Indian Society of Universities of Third Age (ISU3A), Senior Citizen Confederations of Delhi, Uttarakhand, Chandigarh, Nepal and Daman तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद एवं वरिष्ठ नागरिक महासमिति, उत्तर प्रदेश प्रमुख हैं। भावना ने अब तक जिन 16 संस्थाओं को संस्थागत सदस्यों के रूप में अपने साथ जोड़ा है, उनके नाम तथा अन्य विवरण समिति द्वारा प्रकाशित सदस्यता सूची में निहित हैं।

2. भावना ने **हेल्पेज इण्डिया** सहित अन्य वरिष्ठ नागरिक समितियों के साथ मिलकर सम्मिलित प्रयास करके उत्तर प्रदेश सरकार से माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण अधिनियम को 28 अगस्त, 2012 को अंगीकृत कराया तथा 14 फरवरी, 2014 को माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण एवं कल्याण नियमावली 2014 की अधिसूचना निर्गत कराई। इस नियमावली में निहित प्राविधानों को लागू कराने हेतु भावना निरंतर प्रयत्नशील हैं। कुछ प्रविधान लागू हो भी चुके हैं।

3. हेल्पेज इण्डिया, वरिष्ठ नागरिक महासमिति उत्तर प्रदेश तथा भावना द्वारा अन्य समितियों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा **उत्तर प्रदेश राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति** 21 मार्च, 2016 को निर्गत कराई। इसमें निहित प्राविधानों का अनुपालन कराने हेतु हम निरन्तर प्रयत्नशील हैं।

4. वरिष्ठ नागरिकों के हितों के अनुरूप प्रभावी कार्यवाही के लिए केन्द्र एवं राज्यों में पृथक वरिष्ठ नागरिक कल्याण मंत्रालय गठित कराने हेतु हम निरंतर प्रयासरत रहे हैं एवं रहेंगे।

5. **शिक्षा सहायता योजना :** भावना द्वारा वर्ष 2007 से आारम्भ करके निर्धन किन्तु मेधावी छात्र/छात्राओं को आर्थिक सहायता पहुंचाने के उद्येश्य से प्रत्येक शिक्षा सत्र में कक्षा 8 तक के हर छात्र/छात्रा को 1200 रुपये, कक्षा 9 व 10 के हर छात्र/छात्रा को 1800 रुपये तथा कक्षा 11 व 12 के हर छात्र/छात्रा को 2000 रुपये की सहायता दी जाती है। शिक्षा सत्र 2018-19 में इस योजना के अन्तर्गत 28 विद्यालयों के 141 बच्चों को उपरोक्तानुसार आर्थिक सहायता दी गयी। इसके अतिरिक्त स्नातक स्तर के 6 बच्चों को भी 6000 रुपए प्रति छात्र की दर से सहायता दी गयी। इस योजना में इस शिक्षा सत्र में कुल 2,56,600 रुपये की सहायता दी गयी। श्री आश्वल दीक्षित एवं कु. कविता रावत को उनके क्रमशः कक्षा 12 एवं कक्षा 10 में श्रेष्ठ परीक्षाफल के लिए क्रमशः 15000 रुपए एवं 10,000 रूपए के स्व. रमेश चन्द्र तिवारी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया और प्रशस्ति पत्र दिये गये।

भावना के स्थापना दिवस समारोहों में प्रति वर्ष उपरोक्तानुसार आर्थिक सहायता के अतिरिक्त सभी छात्र/छात्राओं को सदस्यों द्वारा उपहार भी दिए जाते रहे हैं। इस वर्ष भी समिति के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती अर्चना गोयल द्वारा कक्षा 8 तक के सभी छात्र/छात्राओं को तौलिए भेंट किये गये, श्रीमती मंजुला सक्सेना, श्री जितेन्द्र नाथ सरीन, श्री जगत बिहारी अग्रवाल तथा डा. नरेन्द्र देव ने मिलकर कक्षा 11 के बच्चों को एक एक कलाई घड़ी तथा कक्षा 12 के बच्चों को एक-एक कैलकुलेटर भेंट में दिए। कक्षा 9 तथा कक्षा 11 के 10 दृष्टिबाधित बच्चों को एक-एक वाटर-बॉटल भी दी गई। श्री जगत बिहारी अग्रवाल द्वारा स्नातक कक्षाओं के तृतीय वर्ष की छात्राओं को एक एक मिलटन की केतली, द्वितीय वर्ष की छात्राओं को एक एक कैलकुलेटर तथा प्रथम वर्ष की छात्राओं को एक एक डाकूमेंट फोल्डर दिया गया। सभी छात्रों/छात्राओं को डॉ. नरेन्द्र देव द्वारा रचित एवं भावना द्वारा प्रकाशित **बिना दवाओं के कैसे स्वस्थ रहें** तथा दुर्व्यसनों के

घातक रोगों से **'मृत्यु एवं मुक्ति'** कैसे नामक लघु पुस्तिका भी भेंट की गई।

6. **अनौपचारिक शिक्षण योजना :** इस योजना के अन्तर्गत अत्यन्त गरीब/लावारिस बच्चों, जिन्हें हम Street Children कहकर सम्बोधित करते हैं, उनको साक्षर एवं संस्कारित करने का प्रयास किया जाता है। भावना ने इसी उद्देश्य से झुगी/झोपड़ियों की बस्तियों में अनौपचारिक शिक्षण केन्द्रों की श्रृंखला स्थापित करने एवं संचालित करने का निर्णय लिया है। इस अभियान के अन्तर्गत पहला शिक्षण केन्द्र लखनऊ में मई 2015 से लखनऊ में बिजनौर मार्ग पर बिजली पासी चौराहे के समीप औरंगाबाद रेलवे क्रासिंग के पार स्थित मानसरोवर योजना के सेक्टर-पी में स्थापित एवं संचालित है जहाँ 35 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इस कार्य हेतु दो महिला शिक्षक नियुक्त हैं। इस केन्द्र पर वेतन इत्यादि मिलाकर कुल लगभग एक लाख रुपये का वार्षिक व्यय आता है। इस केन्द्र में बच्चों को साक्षर बनाने के साथ-साथ उन्हें अच्छे संस्कार भी दिए जाते हैं तथा उन्हें उत्साहित करने के उद्देश्य से स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों के आयोजन भी किए जाते हैं। सदस्यों द्वारा बच्चों को पर्वों के अवसर पर उपहार भी भेंट किए जाते हैं। 06 अक्टूबर, 2018 को श्री बद्री विशाल जी ने सपत्नीक बच्चों को खाद्य सामग्री का वितरण किया। 24 नवम्बर, 2018 को श्री सौरभ सिंह द्वारा बच्चों को लंच पैकेट वितरित किए गए तथा उसी दिन भावना की दिवंगत विशिष्ट सदस्य श्रीमती सरोजनी सिंह की प्रथम पुण्य तिथि पर उनकी सुपुत्री श्रीमती सोनल सिंह द्वारा 34 बच्चों को एवं दो शिक्षिकाओं को जूते एवं मोजों का वितरण किया गया। 05 जनवरी, 2019 को भावना के ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा प्रकोष्ठ द्वारा 35 बच्चों एवं दो शिक्षिकाओं को स्वेटर दिए गए एवं उपस्थित सदस्यों द्वारा मिठाईयों एवं बिस्कुट आदि का वितरण किया गया।

भावना की एन.सी.आर. शाखा द्वारा भी इस योजना में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इन्दिरापुरम (गाजियाबाद) के पास कनावनी ग्राम में स्थित **महापंडित राहुल अनौपचारिक विद्यालय** में इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर करने, हैण्डपम्प लगवाने, बच्चों को पुस्तकें आदि आदान करने में विगत दो वर्षों में 2.80 लाख रुपए से अधिक का योगदान शाखा के सदस्यों द्वारा किया जा चुका है।

7. **ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा योजना :** इस योजना के अन्तर्गत लखनऊ तथा आस पास के क्षेत्रों में ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा प्रकोष्ठ के सदस्यों द्वारा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों की सहायता से निर्धन एवं गरीब लोगों को चिह्नित किया जाता है एवं इन पूर्व चिह्नित लोगों को नये ऊनी कम्बलों का वितरण किया जाता है। वरिष्ठ नागरिकों, नेत्रहीन, विधवा एवं दिव्यांग व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाती है। कम्बल वितरण हेतु चिह्नित व्यक्तियों के निवास के समीपस्थ ग्राम में पूर्व-घोषित तिथि व समय पर कार्यक्रम आयोजित करके स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों यथा ग्राम प्रधान आदि की उपस्थिति में पूर्व-चिह्नित व्यक्तियों को एक एक नया ऊनी कम्बल प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित शेष गरीब एवं असहाय व्यक्तियों को नये-पुराने वस्त्र एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं वितरित की जाती हैं। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शीत ऋतु में निम्नानुसार कार्यक्रम आयोजित करके नये ऊनी कम्बलों एवं नये व पुराने वस्त्रों तथा उपयोग वस्तुओं का वितरण किया गया-

- 15 दिसम्बर, 2018 को ग्राम देवरहीखुर्द, टाउन एरिया बी.के.टी. में 90 कम्बलों एवं पर्याप्त संख्या में पुराने वस्त्रों का वितरण किया गया।
- 23 दिसम्बर, 2018 को प्रीति नगर, लखनऊ में 80 कम्बलों का एवं कुछ पुराने वस्त्रों का विवरण किया गया।
- 16 जनवरी, 2019 को ग्राम बहराजपुर, ब्लाक बीघापुर, जिला उन्नाव में 209 कम्बलों एवं पर्याप्त संख्या में पुराने वस्त्रों का वितरण किया गया।
- 28 जनवरी, 2019 को ग्राम अमाईपुर, ब्लाक हसनगंज, जिला उन्नाव में 110 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 02 फरवरी, 2019 को ग्राम कठवारा, चन्द्रिका देवी मन्दिर, टाउन एरिया बी.के.टी. में 105 कम्बलों का वितरण किया गया।

इन कार्यक्रमों में उपस्थित हुए महिलाओं एवं पुरुषों को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विविध जनोपयोगी योजनाओं की जानकारी दी गयी ताकि जानकारी के अभाव में वे लाभ से वंचित न रह जायें। इन कार्यक्रमों में लोगों को भारत के संविधान के उन प्राविधानों की जानकारी दी गयी जो ग्रामवासियों से सीधे सम्बन्धित हैं। प्रत्येक कार्यक्रम में सरल हिन्दी में लिखी गयी **"जागो गणराज्य जागो"** नामक पुस्तक की कुछ प्रतियाँ भी वितरित की गयीं। उपस्थित

जनसमूहों को स्वच्छता अभियान की जानकारी देने के साथ साथ बिना दवाओं के इस्तेमाल के कैसे स्वस्थ रह सकते हैं, के तौर तरीकों की भी जानकारी देकर जागरूक किया गया।

8. **विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन :** प्रत्येक सत्र की तरह इस सत्र में भी भावना द्वारा आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय तथा एस.सी. त्रिवेदी मेमोरियल ट्रस्ट चिकित्सालय के साथ मिलकर सभी आयु के स्त्रियों, पुरूषों तथा बच्चों के लिए रविवार, 10 फरवरी, 2019 को स्वर्ण जयंती स्मृति विहार पार्क, सेक्टर-25, इन्दिरा नगर, लखनऊ में इस शिविर का आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ श्री प्रमोद कुमार बजाज, आई.आर.एस., आयुक्त, आयकर विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार तथा न्यायमूर्ति अनिल कुमार सहित तमाम स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रमुख विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। 80 वर्ष से अधिक आयु के अतिवरिष्ठ नागरिक, श्रीमती पूर्णिमा रेविस (पूर्व अध्यक्ष/प्रबंधक, आई.टी. कॉलेज) तथा श्री हृदय नारायण शुक्ल (पूर्व प्रिंसिपल, डी.एस. इन्टर कालेज, लखीमपुर खीरी) परम विशिष्ट अतिथि थे।

इस अवसर पर की ओर से माननीया श्रीमती पूर्णिमा रेविस तथा माननीय श्री हृदय नारायण शुक्ल का मुख्य अतिथि द्वारा माल्यार्पण करके, अंग-वस्त्र पहनाकर तथा सम्मान पत्र देकर सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम के संचालक श्री देवकी नंदन 'शांत' ने उनके जीवन के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा उनकी उपलब्धियों के विषय में बताया।

इस शिविर में बच्चों तथा स्त्रियों के विशिष्ट रोगों एवं सामान्य लोगों को होने वाले अन्य रोगों का विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा विधिवत परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार उनकी तत्काल चिकित्सा की गई अथवा परिस्थिति के अनुसार उन्हें चिकित्सा परामर्श दिया गया। शिविर में 1816 मरीजों का पंजीकरण किया गया।

शिविर में सभी स्त्रियों एवं पुरूषों ने फायब्रोस्कैन, एचबीए1सी, हेपेटाइटिस बी, लिपिड प्रोफाइल, मधुमेह, रक्तचाप, ईसीजी, बॉडी वेट, बीएमआई, थायरॉयड, पीएफटी, एलएफटी, यूरिक एसिड, प्रोटीन यूरिया, केएफटी, एच पायलोरी, डायबेटिक रेटिनोपैथी तथा न्यूरोपैथी सहित लगभग 5000 रूपये मूल्य के परीक्षण बिल्कुल मुफ्त कराए। आवश्यकतानुसार उन्हें 5 दिन की दवा भी मुफ्त दी गई।

इस शिविर को सफल बनाने में आयोजकों को वृद्ध-रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक शुक्ला, स्त्री-रोग विशेषज्ञ डॉ. अमिता शुक्ला, अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. कुणाल भल्ला, दंत-रोग विशेषज्ञ डॉ. सुधान्शु अग्रवाल, फ़िज़ियोथेरेपिस्ट डॉ. अमित कुमार सिंह, आयुर्वेद एवं एकूपंक्चर विशेषज्ञ डॉ. पार्थ प्रोतिम, ई.एन.टी. विशेषज्ञ डॉ. एस.सी. श्रीवास्तव, होम्योपैथी एवं योग विशेषज्ञ डॉ. एस.के. सिंह, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. गुरु सिमरन कौर सहित 40 से अधिक फ़र्मास्यूटिकल एवं डायग्नोस्टिक कम्पनियों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। (विस्तृत रिपोर्ट पृष्ठ सं. 28 पर देखें)

9. **भावना समर्थित प्रसादम् सेवा योजना :** भावना की सदस्य संस्था विजयश्री फाउण्डेशन द्वारा लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल कालेज तथा बलरामपुर चिकित्सालय के परिसर में चिकित्सालय में भर्ती गरीब मरीजों के तीमारदारों को दोपहर का भोजन निःशुल्क उपलब्ध कराने के उद्येश्य से प्रसादम् सेवा कार्य संचालित किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत गरीब मरीजों के डॉक्टरों द्वारा पूर्व चिन्हित तीमारदारों को निःशुल्क सात्विक एवं ताजा भरपेट भोजन स्वच्छ वातावरण में भोजन कक्ष में आसनों पर बैठा कर कराया जाता है। इस सेवा के लिए दोनों स्थानों पर चिकित्सालय प्रशासन द्वारा स्थान उपलब्ध कराए गए हैं तथा बिजली पानी की सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है। विजयश्री फाउण्डेशन के सचिव श्री विशाल सिंह के निष्ठापूर्वक कार्य एवं सेवा को देखते हुए उनके अनुरोध पर भावना ने इस सेवा को अंगीकार करके यथासम्भव सहायता देने का संकल्प लिया है। वर्तमान में इस योजना के अन्तर्गत लगभग 500 लोग प्रतिदिन भोजन ग्रहण करते हैं। भावना द्वारा विजयश्री फाउण्डेशन को प्रसादम सेवा कार्यक्रम हेतु अब तक 8,00,000 रुपये से अधिक का सहयोग दिया जा चुका है, साथ ही 20,000 रुपये मूल्य का रेफ्रीजरेटर एवं 1,30,000 रुपये मूल्य का ई-रिक्शा भी उपलब्ध कराया गया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, गोमती नगर, लखनऊ में भी यह सेवा अति शीघ्र प्रारम्भ होने वाली है। भावना के अनेक सदस्यों द्वारा सीधे विजयश्री फाउण्डेशन को भी इस सेवा में सहयोग किया गया है। इस पुनीत कार्य में सहयोग के लिए संस्था द्वारा एक गुल्लक योजना चालू की गई है जिसमें सेवादारों द्वारा प्रतिदिन एक थाली भोजन (लगभग 35.00 रूपये) का मूल्य गुल्लक में डाल दिया जाता है। भावना के सदस्यों द्वारा भी गुल्लक लिया गया है। एक

अन्तराल के बाद गुल्लक में एकत्रित हुई धनराशि विजयश्री फाउण्डेशन को दे दी जाती है। भावना के सदस्यों द्वारा अपने परिवार के सदस्यों के जन्मदिन, विवाह की सालगिरह या परिवार के दिवंगत सदस्यों की पुण्यतिथि पर भी सहयोग दिया जाता है।

10. **उच्चकोटि का वृद्धाश्रम बनाने की योजना :** भावना के आवेदन पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे इण्डस्ट्रिल डेवलपमेंट अथॉर्टी (येडा) द्वारा इन्स्टीट्यूशनल प्लाट स्कीम 2016 के अन्तर्गत 3000 वर्गमीटर विकसित प्लाट एक उच्चकोटि का वृद्धाश्रम बनाने हेतु भावना की एन.सी.आर. शाखा को आवंटित किया गया था जिसकी कीमत लगभग 1.76 करोड़ रुपए थी। सम्बंधित आवासीय क्षेत्र विकसित होने के बाद येडा ने भावना के लिए जो प्लाट नं. ओ.ए.एच. 01, पॉकेट जे, सेक्टर 18 आरक्षित किया है उसका वास्तविक क्षेत्रफल 3250 वर्गमीटर है। तदनुसार अब इस प्लॉट का मूल्य भी बढ़ गया है। इस प्लॉट के तीन ओर सड़क है तथा सामने काफी बड़ा पार्क है। यमुना एक्सप्रेस-वे, ईस्टर्न पेरीफ़ेरल एक्सप्रेस-वे, प्रस्तावित पलवल-खुर्जा एक्सप्रेस-वे तथा प्रस्तावित जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा काफी निकट हैं। डी.एन.डी. फ्लाई-वे 45 कि.मी. तथा मथुरा-वृंदावन मात्र 105 कि.मी. दूर हैं। येडा प्रशासन से यथा आवश्यक धनराशि जमा करके मार्च, 2019 के अंत तक लीज़ डीड हस्ताक्षरित करने हेतु पत्र प्राप्त हो चुका है। लीज़ डीड हस्ताक्षरित होते ही प्लॉट का कब्जा **भावना** को मिल जाएगा। उसके साथ ही वृद्धाश्रम का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो जाएगा। इस वृद्धाश्रम प्रोजेक्ट का सम्पूर्ण विवरण तत्सम्बंधी ब्रोशर में उपलब्ध है। ब्रोशर रजिस्ट्रेशन काउन्टर पर उपलब्ध हैं।

11. **रेजिंग होप्स वृद्धाश्रम :** भावना की सदस्य संस्था, कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी, भवन संख्या सी-10 विज्ञानपुरी, महानगर एक्सटेंशन लखनऊ में इस वृद्धाश्रम का संचालन कर रही है। इस में आरामदायक कमरे, उत्तम भोजन एवं नर्सिंग के साथ सामान्यतः 12,000 रुपए प्रति माह डारमेटरी व्यवस्था में एवं 18,000 रुपए प्रति माह स्वतंत्र कमरे में रहने की सुविधा प्रदान की जाती है, लेकिन भावना के सदस्यों के लिए यह सुविधा रियायती दर पर क्रमशः 10,000 रुपए एवं 16,000 रुपए प्रति माह पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त कमला सोशल वेलफेयर सोयायटी ने भावना के सदस्यों के लिए लखनऊ में किसी अस्पताल से घर, घर से अस्पताल या किसी एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल में ले जाने एवं लाने हेतु एक नई एम्बुलेंस 500 रुपए प्रति ट्रिप में देने की सुविधा भी प्रदान की हुई है।

12. **भावना बहुउद्देशीय वरिष्ठ नागरिक डे-क्लब :** वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक जानकारी एवं मनोरंजन उपलब्ध कराने हेतु का यह क्लब सी-10 विज्ञानपुरी, महानगर एक्सटेंशन, लखनऊ में कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से स्थापित है। इस सेन्टर पर भावना के विभिन्न प्रकोष्ठों की बैठकें तो समय-समय पर अवश्य हुआ करती हैं, किन्तु सामान्य गतिविधियां शून्य ही हैं। यही स्थिति तब भी थी जब यह क्लब प्रियदर्शिनी कॉलोनी में स्थापित था। समिति के सदस्यों में तथा आस पास के अन्य वरिष्ठ नागरिकों में भी इस प्रकार के क्लब में आने में रुचि नहीं प्रतीत होती है। इसलिए अब समिति के इस कार्यक्रम को बंद करने पर विचार किया जा रहा है।

13. **भावना चैरिटेबल फिजियोथेरेपी क्लीनिक :** भावना का यह क्लीनिक भी सी-10 विज्ञानपुरी, महानगर एक्सटेंशन, लखनऊ में कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से स्थापित है। भावना के वॉलन्टरी सदस्य डॉ. अमित सिंह द्वारा यह क्लीनिक शून्य लाभ-हानि के आधार पर संचालित किया जा रहा है। इस क्लीनिक में सभी प्रकार के उपकरण यथा Shortwave Diathermy, Interferencial Therapy, Ultrasound Therapy, Muscle Stimulator, Combo Therapy, Traction Unit, Wax Bath, Quadriceps Chair, Shoulder Wheel आदि उपलब्ध है। सभी उपकरण को Helpage India के सौजन्य से निःशुल्क प्राप्त हैं। इस क्लीनिक में भी मरीजों की आमद कम है। इसलिए इसे भी पूर्व परिसर भवन संख्या 534/89 के ए-1, सेक्टर-एम, अलीगंज, लखनऊ में ही स्थानांतरित करने पर विचार किया जा रहा है।

14. **महिला सशक्तिकरण के कार्य :** महिलाओं में स्वावलम्बन एवं सहयोग की सोच बलवती कराने तथा निर्धन एवं निरक्षर महिलाओं एवं बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कराने के लिए भावना की महिला सदस्यों द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ अत्यन्त सक्रिय है। यह प्रकोष्ठ वृद्धाश्रमों एवं बालिकाओं के स्कूलों में निर्धन एवं जरूरतमंद बालिकाओं एवं महिलाओं को नवरात्रि, मकरसंक्रान्ति, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस तथा अन्य त्योहारों पर खान-पान एवं उनके उपयोग की अन्य वस्तुओं का वितरण कर उन्हें सहयोग प्रदान करता है। भावना के

स्थापना दिवस के अवसर पर समिति से आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाले बच्चों को इस प्रकोष्ठ द्वारा उनके उपयोग की अनेकों वस्तुएं उपहार में दी जाया करती हैं। भावना के होली मिलन उत्सव, नववर्ष उत्सव एवं तीजोत्सव के आयोजनों को सफल बनाने में इस प्रकोष्ठ का योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं सराहनीय हुआ करता है।

15. **सहयोग एवं सेवा कार्यक्रम :** भावना ने लखनऊ नगर में अपने सदस्यों एवं अन्य बुजुर्गों की देखभाल एवं उनसे निरन्तर सम्पर्क बनाये रखने के उद्येश्य से सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ का गठन किया हुआ है। प्रकोष्ठ के सदस्यों को 10 अलग अलग इलाकों का दायित्व सौंपा गया है। इस प्रकोष्ठ द्वारा आपात् स्थिति में यथासम्भव सहयोग करने, एकाकी जीवन जी रहे वरिष्ठ नागरिकों को सहयोग प्रदान करने, समिति के दिवंगत पुरुष सदस्यों की विधवाओं से सम्पर्क कर उनकी देखभाल करने, सदस्यों हेतु पिकनिक एवं गोष्ठियों की व्यवस्था करने, सदस्यों के जन्मदिन एवं विवाह की वर्षगांठ पर शुभकामना प्रेषित करने तथा वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने पर उनका सार्वजनिक अभिनन्दन करने के कार्य किए जात हैं।

16. **पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम :** दिनों दिन बढ़ते वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण तथा जल प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए एवं विशेषकर वृद्ध जनों के स्वास्थ्य पर इसके कुप्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए भावना ने जागरूकता फैलाने के उद्येश्य से पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ का गठन किया है। इस प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य गोष्ठियों तथा वृक्षारोपण इत्यादि के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना एवं प्रदूषण की रोकथाम हेतु उचित लाभकारी उपायों के बारे में सुझाव देना है। विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून, 2018 को एक भव्य समारोह वृक्ष कल्याणम् सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रकोष्ठ द्वारा कपड़ों के थैलों का इस्तेमाल करने, प्लास्टिक का बहिष्कार, जल संसाधन का दुरुपयोग रोकने इत्यादि पर बल दिया। 15 अगस्त, 2018 को आर्ष गुरूकुल, जानकीपुरम विस्तार में पौधारोपण किया एवं गोष्ठी में प्रकोष्ठ के सचिव श्री पाल प्रवीण ने अपने उद्बोधन से भावना के पर्यावरण संरक्षण सम्बंधी कार्यक्रमों की जानकारी दी। 20 अगस्त, 2018 को एल्डिको झील, रायबरेली रोड में 50 पौधों का रोपण किया गया एवं गोष्ठी आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण के सम्बन्ध में एवं भावना के अन्य कार्यकलापों की संक्षिप्त जानकारी दी गयी। 22 अगस्त, 2018 को हनुमान मन्दिर, बाबूगंज में भारत विकास परिषद, निराला नगर, के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में प्रकोष्ठ के सचिव तथा अन्य सदस्यों ने भाग लिया एवं वृक्षारोपण किया। इसके अतिरिक्त कई जगहों पर यज्ञ-हवन एवं गोष्ठियों के माध्यम से पर्यावरण को बचाने एवं प्रदूषण को मिटाने हेतु प्रार्थना सभायें की गईं।

17. **वैकल्पिक चिकित्सा कार्यक्रम :** भावना की मान्यता है कि सामान्यतः जब तक अपरिहार्य न हो तब तक लोगों को आधुनिक चिकित्सा पद्धति से इलाज कराने से बचना चाहिए क्योंकि इस पद्धति से इलाज के दुष्परिणाम बहुत हैं। समिति का वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ इसी मान्यता पर कार्य करता है। प्रकोष्ठ के सचिव डॉ. नरेन्द्र देव, अन्य सदस्यों एवं अनुभवी लोगों के साथ मिलकर समय-समय पर गोष्ठियाँ, सेमिनार तथा प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर लोगों को बिना औषधि के स्वस्थ रहने के उपाय बताते हैं। उनके द्वारा एक्यूप्रेशर चिकित्सा के सम्बन्ध में भी जानकारी दी जाती है तथा प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इस वर्ष उनके द्वारा लखनऊ में 5 भिन्न भिन्न स्थानों पर बिना दवा के कैसे स्वस्थ रहें एवं एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिये गये जिनमें 89 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उनके द्वारा लखनऊ में ही निम्नलिखित विवरण के अनुसार जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये गयेः-

क्रमांक	स्थान	प्रतिभागी	दिनांक
1.	केन्द्रीय विद्यालय बक्शी-का-तालाब	150	21.02.2018
2.	जीसीआरजी ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन	130	10.03.2018
3.	होटल मैनेजमेंट स्कूल, लखनऊ	400	30.07.2018
4.	जयपुरिया इंस्टीट्यूट, लखनऊ	400	08.08.2018
5.	IAS/IPS प्रशिक्षण केन्द्र लखनऊ	32	18.08.2018
6.	लॉ कालेज, जानकीपुरम, लखनऊ	250	18.08.2018
7.	के0एन0 डिग्री कॉलेज, सुल्तानपुर	200	31.08.2018
8.	सरस्वती विद्या मन्दिर, बाराबंकी	440	23.10.2018

9.	केन्द्रीय स्कूल, एसजीपीजीआई लखनऊ	150	01.12.2018
10.	केन्द्रीय विद्यालय, आरडीएसओ लखनऊ	150	17.12.2018

19 अगस्त, 2018 को भावना के **स्थापना दिवस** के अवसर पर जो प्रधानाचार्य या हेडमास्टर आये हुए थे उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जानकारी और कैसे शराब, गुटखा, मसाला की आदत छोड़ी जाये से सम्बन्धित फोल्डर दिए गये थे। भावना के विभिन्न ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा शिविरों में उपस्थित हुए लोगों को स्वच्छता एवं जीवन शैली को सुधार कर औषधियों के बिना बीमारियों से बचने के उपायों के प्रति जागरूक किया गया।

18. **सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन :** भावना के सदस्यों एवं उनके परिजनों के सामूहिक मेल मिलाप तथा मनोरंजन के उद्येश्य से नववर्ष मिलन एवं होली मिलन के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इन कार्यक्रमों की संरचना एवं प्रस्तुति सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ तथा द्वारा महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा मिलकर की जाती है। इन कार्यक्रमों में सदस्यों एवं उनके परिवारी जनों द्वारा बड़ी संख्या में भाग लिया जाता है। 13 मार्च, 2018 को भावना परिवार का होली मिलन समारोह डिप्लोमा इंजीनियर फेडरेशन के संघ भवन प्रेक्षागृह में आयोजित हुआ। यह परिसर भावना के माननीय सचिव श्री अमरनाथ जी के व्यक्तिगत प्रयास से निःशुल्क उपलब्ध हुआ। सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ एवं महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के सदस्यों एवं अन्य सदस्यों ने नृत्य, गीत, गजल, नाटिका, होली गीत आदि रोचक ढंग से प्रस्तुत किये। 06 दिसम्बर, 2018 को लोरेन्टो कान्वेन्ट स्कूल के छात्र काउंसिल ने अपने सभागार में बुजुर्गों के सम्मान में एक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें भावना के सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। उस कार्यक्रम में भावना की ओर से श्री देवकी नन्दन 'शान्त', श्री अशोक कुमार मेहरोत्रा, श्री सुशील कुमार शर्मा एवं डॉ. नरेन्द्र देव ने अपनी अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियों से बच्चों का मनोरंजन किया। भावना परिवार का नव-वर्ष अभिनन्दन का रंगारंग कार्यक्रम गोयल फार्म हाउस, कुर्सी रोड, लखनऊ में रविवार, 06 जनवरी, 2019 को आयोजित किया गया। यह परिसर सदा की तरह ही भावना के माननीय संप्रेक्षक श्री मनोज कुमार गोयल तथा सचिव श्रीमती अर्चना गोयल के सौजन्य से निःशुल्क उपलब्ध हुआ था।

19. **भावना के प्रकाशन :** प्रकाशन सम्बन्धी कार्य भावना के सम्पादन प्रकोष्ठ द्वारा सम्पन्न किये जाते हैं। भावना के त्रैमासिक मुख्यपत्र भावना संदेश का सम्पादन एवं प्रकाशन गत 18 वर्षों से नियमित रूप से किया जा रहा है तथा इसके माध्यम से समिति की गतिविधियों की जानकारी तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों एवं योजनाओं की जानकारी सदस्यों को उपलब्ध कराई जाती है। पत्रिका में सम-सामयिक, साहित्यिक एवं अध्यात्मिक रचनाओं का प्रकाशन भी होता है। भावना अपने सदस्यों द्वारा रचित कई पुस्तकों/पुस्तिकाओं का प्रकाशन भी कर चुकी है। इनमें भावना संदेश के पूर्व सम्पादक स्वर्गीय धर्मवीर सिंह की तीन पुस्तकें, वर्तमान सदस्य श्री उदयभान पाण्डेय की एक पुस्तक तथा डॉ. नरेन्द्र देव की एक पुस्तिका उल्लेखनीय हैं।

20. **विधिक एवं आर.टी.आई. सम्बन्धी कार्य :** भावना द्वारा सूचना का अधिकार कानून का सार्थक एवं सकारात्मक उपयोग करके जनसाधारण, विशेषकर सदस्यों, को जो सरकारी तंत्र की उपेक्षा के कारण कठिनाईयां महसूस करते हैं, उन्हें सहायता पहुंचाने का कार्य किया जाता है। सदस्यों की मांग पर विधिक परामर्श भी दिया जाता है। सदस्यों को अपनी वसीयत बनाने हेतु प्रेरित किया जाता है एवं वसीयत बनाने में उनकी सहायता भी की जाती है। इन दायित्वों का निर्वहन भावना का विधि एवं आर.टी.आई. प्रकोष्ठ करता है।

21. **संसाधन प्रबन्धन :** यद्यपि सामान्यतः अपने अपने कार्यक्रमों के लिए संसाधनों का प्रबन्ध सम्बन्धित प्रकोष्ठ ही करते हैं तथापि भावना के विशेष बड़े कार्यक्रमों हेतु संसाधनों को जुटाने के उद्येश्य से संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ भी गठित है।

22. **एडवोकेसी :** भावना द्वारा वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य निर्धन बेसहारा लोगों के लिए काम करने वाली कुछ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं से जुड़ने के कार्य को प्राथमिकता दी जाती है ताकि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर, राष्ट्रीय स्तर एवं राज्यों के स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं सुविधायें प्राप्त करने हेतु मांगों में एक रूपता हो। अपने इस उद्येश्य की पूर्ति हेतु भावना तमाम संस्थाओं से जुड़ी है तथा भावना ने तमाम संस्थाओं को अपने साथ जोड़ा है। तत्सम्बंधी विवरण ऊपर पृष्ठ 2 के प्रस्तर 1 पर अंकित है। अपने उद्येश्यों एवं कार्यक्रमों के समुचित प्रचार प्रसार हेतु भावना ने अपनी वेबसाईट नए सवंर्धित कलेवर में री-लांच की है। यह वेबसाइट लगभग रोजाना ही अपडेट की जाया करती है। ये सभी कार्य भावना के

वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ द्वारा निष्पादित किए जाते हैं।

23. **विभिन्न अस्पतालों/चिकित्सकों के साथ दीर्घकालीन अनुबन्ध :** अपने सदस्यों को सभी प्रकार की चिकित्सा सुविधायें नगण्य दरों पर उपलब्ध कराने हेतु द्वारा लखनऊ में आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय, अवध मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, सुधा डेन्टल क्लीनिक तथा स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास संस्थान के साथ दीर्घकालीन अनुबन्ध किये गये हैं। भावना के लखनऊ निवासी अधिकतर सदस्य इन सुविधाओं का लाभ भी उठा रहे हैं।

24. **अतिवरिष्ठ सदस्यों का सार्वजनिक अभिनन्दन :** भावना के प्रत्येक वार्षिक महाधिवेशन के अवसर पर उस समय तक 80 वर्ष तथा अधिक आयु प्राप्त कर चुके सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित करके उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया जाता है तथा उनके स्वस्थ रहते हुए दीर्घ आयु की कामना की जाती है। आज इस महाधिवेशन में भी ऐसे सदस्यों को आमंत्रित किया गया है, उनमें से उपस्थित सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए हमें अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है।

25. **भावना के संवैधानिक दायित्व :** नियमावली के अनुसार प्रतिवर्ष भावना की प्रबन्धकारिणी की चार बैठकें होनी चाहिए। तद्नुसार विगत महाधिवेशन के बाद से अब तक प्रबन्धकारिणी की चार बैठकें आयोजित हुईं। भावना की वार्षिक आम सभा की बैठक (वार्षिक महाधिवेशन) भी हर वर्ष निर्धारित समय पर आयोजित होती चली आ रही है।

• भावना के आय-व्यय का वार्षिक लेखा (Balance Sheet) नियमानुसार समय से संप्रेक्षक एवं चार्टर्ड एकाउन्टेंट से प्रमाणित कराया जाता है तथा आयकर रिटर्न भी हर वर्ष समय से जमा किया जाता है।

• भावना के प्रत्येक लेखा वर्ष हेतु प्रस्तावित आय-व्यय का बजट वार्षिक आम सभा में प्रस्तुत करके अनुमोदित कराया जाता है।

• भावना के प्रत्येक लेखा वर्ष हेतु प्रस्तावित कार्य योजना वार्षिक आम सभा में प्रस्तुत करके अनुमोदित कराई जाती है। गत वार्षिक आम सभा द्वारा अनुमोदित वर्तमान लेखा वर्ष की कार्य योजना की प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जिन योजनाओं/कार्यक्रमों को जारी रखने का संकल्प लिया गया था उन पर प्रभावी कार्यवाही करके जारी रखा गया है और आगे भी जारी रखा जायेगा। संसाधनों की कमी के कारण कुछ कार्य सम्पन्न नहीं हो पाये हैं। उन्हें आगामी वर्ष में पूर्ण करने का प्रयास किया जायेगा।

26. **भावना के सदस्यों द्वारा अर्जित विशिष्ट उपलब्धियां व अनुकरणीय कार्य :**

भावना-सदस्यों की निम्नलिखित उपलब्धियाँ न केवल अनुकरणीय व प्रेरणादायक है अपितु भावना के संकल्प गीत को पूर्णतः चरितार्थ भी करती हैं:

• भावना के संरक्षक सदस्य, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (निवर्तमान) श्री विजय कृष्ण शुंगलू को भारत सरकार द्वारा इस वर्ष पद्म-भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया।

• राजभवन, लखनऊ में इस वर्ष 2018-19 में आयोजित पुष्प एवं शाकभाजी प्रदर्शिनी के निर्णायक दल में एक निर्णयकर्ता भावना के महासचिव (कार्यान्वयन) श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह थे। उल्लेखनीय है कि इस प्रदेश स्तरीय वार्षिक प्रदर्शिनी की आयोजन समिति के अध्यक्ष महामहिम राज्यपाल हैं तथा सचिव, माननीय मुख्य सचिव जी हैं।

• 18 जनवरी, 2019 को भावना के विशिष्ट सदस्य, ख्याति-प्राप्त आयुर्वेदाचार्य, डॉ. अजय दत्त शर्मा को भारत सरकार के आयुष एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा लाइफ-टाइम एचीवमेंट एवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान माननीय मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा समारोह पूर्वक दिया गया।

• विश्व वृद्ध दिवस, 01 अक्टूबर, 2018 को आयोजित समारोह में भावना के माननीय अध्यक्ष, श्री विनोद कुमार शुक्ल को आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय द्वारा लाइफ-टाइम एचीवमेंट एवार्ड से सम्मानित किया गया।

• 25 मई, 2018 को की विशिष्ट सदस्य, डॉ. (श्रीमती) ऊषा बाजपेयी को NISSTA, Chandigarh द्वारा आयोजित Asian Conclave of Sugar Millers, Vision- 2022 esa Solar Energy Excellence Award for Solar Energy Utilization in Rural Areas से सम्मानित किया गया।

मान्यवर, विगत् दिनों भावना ने अपने निम्नांकित सम्मानित सदस्यों को खो दिया है। वे काल के ग्रास बन गए हैं। के लिए यह अपूरणीय क्षति है। फिर भी इसे नियति का चक्र मानकर तसल्ली करने के अलावा हमारे पास कोई अन्य विकल्प नहीं है-

विशिष्ट/संरक्षक सदस्य श्री चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, विशिष्ट/संरक्षक सदस्य श्री राकेश कुमार मित्तल, आजीवन सदस्य श्री रजनी कान्त, आजीवन सदस्य श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह, आजीवन सदस्य श्री कमला शंकर अवस्थी, आजीवन सदस्य श्री लाल बहादुर श्रीवास्तव, आजीवन सदस्य श्रीमती शशि प्रभा श्रीवास्तव, आजीवन सदस्य श्री देवेन्द्र शास्त्री, आजीवन सदस्य प्रो. वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, आजीवन सदस्य श्री अनिल कुमार पाण्डेय तथा आजीवन सदस्य श्री बाबू राम चौधरी।

अभी कुछ देर बाद ही समिति की साधारण सभा की बैठक का आंतरिक सत्र प्रारम्भ होगा। उस सत्र में समिति के नये पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न होगा। तदुपरान्त नई प्रबन्धकारिणी गठित हो जायेगी। नव निर्वाचित प्रमुख महासचिव, महासचिव (प्रशासन), महासचिव (कार्यान्वयन) तथा महासचिव (एडवोकेसी) समिति के भावी कार्यक्रमों के विषय में आपसे अवश्य ही चर्चा करेंगे। मैं अपनी ओर से मात्र इतना ही और कहना चाहता हूँ कि आपके हित के तथा आपके माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग के हित के तमाम कार्य करने के लिए प्रबन्धकारिणी को आपका सर्वांगीण सक्रिय सहयोग मिलना परम आवश्यक है। तभी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, तभी हम पुनः नये लक्ष्य निर्धारित कर सकेंगे, तभी हम यह सिलसिला लगातार जारी रख सकेंगे, तभी हम समिति को तथा समिति के सदस्यों को उत्तरोत्तर प्रगति-पथ पर ले जा सकेंगे, तभी हम समिति की पहचान राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कराए रखने में सफल होंगे। प्रबन्धकारिणी को आपका आशीर्वाद, आपकी शुभकामनायें, आपका सहयोग एवं समिति के दृष्टिकोण तथा उद्येश्यों के प्रति आपका समर्पण, सभी कुछ चाहिए।

वर्तमान सत्र में जो सहयोग माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदय से मुझे तथा महासचिव (प्रशासन), महासचिव (कार्यान्वयन) एवं महासचिव (एडवोकेसी) को प्राप्त हुआ है उसके लिए मुझ सहित तीनों महासचिव उनके अत्यन्त आभारी हैं। समय-समय पर उनके द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों एवं परामर्शों से ही हम लोग अपने दायित्वों का निर्वहन कर सके। हम लोग चारों उपमहासचिवों, कोषाध्यक्ष जी, सह-कोषाध्यक्ष जी, सम्प्रेक्षक जी तथा प्रबन्धकारिणी के सभी अन्य सदस्यों के भी हृदय से आभारी हैं। उनके सहयोग से ही हम अपने कर्त्तव्यों का पालन कर सके। मैं अपनी ओर से तथा तीनों महासचिवों की ओर से समिति के सभी सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ जिनकी प्रेरणा ने ही हम लोगों को अपने अपने कार्यों को निस्तारित करने का हौसला प्रदान किया है। मान्यवर, समिति की उपलब्धियाँ आप सबके सहयोग तथा माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदय के कुशल निर्देशन में समिति के पदाधिकारियों के सम्मिलित प्रयासों से ही संभव हो सकी हैं। समिति की विफलताओं के लिए हम चारों व्यक्तिगत रूप से स्वयं को ही दोषी मानते हैं। कुछ न कुछ कमी हम लोगों के प्रयासों में अवश्य ही रही है जिसके कारण कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रमों एवं योजनाओं का कार्यान्वयन नहीं हो सका है। बिना कुछ सफ़ाई दिए इन असफलताओं के लिए मैं अपनी ओर से तथा तीनों महासचिवों की ओर से भी सदन से करबद्ध क्षमा माँगता हूँ।

मैं अपनी बात डॉ. विमला रानी जी की इन प्रेरक पंक्तियों के साथ समाप्त करता हूँ :-

दूर है मंजिल हमारी, क्या हुआ, मुस्कुराकर ही बढ़ेंगे हम सदा।
फिक्र बाधाओं की हम करते नहीं, आस का दीपक हृदय में है जला।।

वर्तमान वर्ष तथा आने वाले अनेकानेक वर्ष आप सभी को, परिजनों, बन्धु-बान्धवों तथा इष्ट मित्रों सहित सब प्रकार से कल्याणकारी हों, इस मंगल कामना के साथ, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। भय भावना, जय भारत।

चुटकी

प्रसन्नचित्त

रहते हैं वो, सदा ही इतने प्रसन्नचित्त।
होते जब प्रसन्न अति, जाते वो लेट चित्त।।

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

विभिन्न कार्यक्रमों हेतु आर्थिक सहयोग दाताओं की सूची

(6 दिसम्बर,2018 से 17 मार्च,2019 तक)

क्र0 सं0	दाता का नाम	सदस्यता संख्या	प्राप्त सहयोग रुपयों में					
			शिक्षा सहायता	निर्धन जन सेवा	भावना रसोई एवं प्रसादम सेवा हेतु	साक्षरता अभियान सहायता	अन्य कार्यक्रम	योग
1	श्री सुरेन्द्र श्रीवास्तव	**S-12/87**	1200.00	1000.00				2200.00
2	श्री सुरेन्द्र श्रीवास्तव	**S-12/87**		2600.00				2600.00
3	श्री पाल प्रवीण	**P-31/525**		1100.00				1100.00
4	श्री अशोक कुमार अरोरा	**A-54 /584 /Vishist**		2500.00				2500.00
5	श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ला	**D-24 /563 /Vishist**		5000.00				5000.00
6	श्री कृष्ण प्रताप			600.00				600.00
7	श्री लक्ष्मी दत्त उपाध्याय	**L-7/600**		1600.00				1600.00
8	श्री लक्ष्मी दत्त उपाध्याय	**L-7/600**		1000.00				1000.00
9	श्री सुभाष चन्द्र चावला	**S-13 /88 /Vishist**		1500.00				1500.00
10	श्री अशोक कुमार अरोरा	**A-54 /584 /Vishist**		2600.00				2600.00
11	श्रीमती प्रेमलता थापर	**P-41/660**		1300.00				1300.00
12	श्री मुरारी लाल अग्रवाल	**M-34 643/ Vishist**		3120.00				3120.00
13	श्री राम बाबू गंगवार	**R-14/124 /Vishist**		1000.00				1000.00
14	श्री नरेश चन्द्र रस्तोगी	N-33/551/Vishist		1300.00				1300.00
15	श्रीमती सरोज देव	**S-42 /215/Vishist**		2000.00				2000.00
16	श्री सब्बीर हसन रिजवी			520.00				520.00
17	श्री शरत चन्द्र रस्तोगी			520.00				520.00
18	श्री ब्रजेन्द्र नाथ			520.00				520.00
19	श्री के.सी.वर्मा			520.00				520.00
20	श्री वीरेन्द्र पाल सिंह			520.00				520.00

21	श्री प्रदीप कुमार			520.00				520.00
22	श्री नरेश चन्द्र रस्तोगी	**N-33/ 551/Vishist**		520.00				520.00
23	श्री रमा शंकर सिन्हा			520.00				520.00
24	श्री महेन्द्र नाथ गुप्ता			520.00				520.00
25	श्री रामजी लाल शर्मा			520.00				520.00
26	श्री पुरूषोतम चन्द्र मिश्रा			520.00				520.00
27	श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता			520.00				520.00
28	श्री विनोद चन्द्र जोशी			520.00				520.00
29	श्री ईश्वर चन्द्र वर्मा			520.00				520.00
30	श्री शीतला प्रसाद सिंह			520.00				520.00
31	श्री प्रदीप कुमार मित्तल			520.00				520.00
32	श्री गोपाल सिंह थामी			520.00				520.00
33	श्री सुशील कुमार			520.00				520.00
34	श्री अजय कुमार नागर			520.00				520.00
35	श्री दयाल दीपक			520.00				520.00
36	श्रीमती सुमन गुच्छ			520.00				520.00
37	श्री जगमोहन लाल वैश्य	**J-16/448 /Vishist**		2600.00				2600.00
38	श्री भारत भुषण गोयल			520.00				520.00
39	श्री सतीश कुमार मिश्रा			520.00				520.00
40	श्री विजय कान्त खरे	**V-55/817**		3120.00				3120.00
41	श्री प्रेम प्रकाश अरोरा	**P-3/26**		5200.00				5200.00
42	श्रीमती आर्दश मेहरोत्रा			5200.00				5200.00
43	श्री राम लाल गुप्ता	**R-16 / 150 /Vishist**		1300.00				1300.00
44	श्रीमती नरेन्द्र गैरा	**N-16/212**		1040.00				1040.00
45	श्री लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी	**L-2/139**		520.00				520.00
46	आर.क्यूब फायर प्रोटेक्शन सरविस प्रा. लि.				120000.00			120000.00
47	श्री आर.के.अग्रवाल		3000.00					3000.00
48	श्री राम प्रसाद जायसवाल			2000.00				2000.00
49	डॉ. एस.के.सिंह (अखिलेश)	**S-166/763**		2000.00				2000.00

50	कर्नल आर.एन.कालड़ा	**R-58/467**	1200.00					1200.00
51	श्रीमती शिखा रस्तोगी			2000.00				2000.00
52	श्री ललित कुमार	**L-8/689**		1000.00				1000.00
53	श्री तुगं नाथ कन्नौजिया	**T-3/106 /Vishist**		2000.00				2000.00
54	श्री राम प्रसाद जायसवाल			600.00				600.00
55	डॉ. एस.के.सिंह (अखिलेश)	**S-166/763**		600.00				600.00
56	श्री दिनेश कुमार पाण्डेय	**D-37/894**		520.00				520.00
57	श्रीमती शिखा रस्तोगी			1640.00				1640.00
58	श्री शिव नारायण अग्रवाल	**S-117/544 /Vishist**		1500.00				1500.00
59	श्री सत्य नारायण गोयल			1500.00				1500.00
60	श्री राजेन्द्र कुमार चुघ			1300.00				1300.00
61	श्री शिव नारायण अग्रवाल			1100.00				1100.00
62	श्री सत्य नारायण गोयल	**S-133/601 /Vishist**		1100.00				1100.00
63	श्री जगमोहन लाल जायसवाल	**J-17/533 /Vishist**		520.00				520.00
64	श्रीमती संतोष बाला	**S-174/805 /Vishist**		260.00				260.00
65	श्रीमती चाँद गुलाटी	**C-9/578**		520.00				520.00
66	श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल			2000.00				2000.00
67	श्री के.के.दीक्षित			1500.00				1500.00
68	श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल			2000.00				2000.00
69	श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल			1200.00				1200.00
70	श्री एम.के.कुँवर			1000.00				1000.00
71	श्री के.के.दीक्षित			1100.00				1100.00
72	श्री देवकी नन्दन शान्त	**D-6/131**		520.00				520.00
73	श्री नरेश चन्द्र रस्तोगी	**N-33/551 /Vishist**		780.00				780.00
74	श्री तुगं नाथ कन्नौजिया	**T-3/106 /Vishist**		500.00				500.00
75	श्री वी.के.श्रीवास्तव			520.00				520.00
76	श्री नन्दू राम			1040.00				1040.00

77	श्री एस.डी. शर्मा			530.00				530.00
78	श्री सत्य पाल			520.00				520.00
79	श्री दीपक शाह			520.00				520.00
80	श्री श्रीकान्त तिलंग			520.00				520.00
81	श्री जगदीश सिंह यादव			520.00				520.00
82	श्री राजेन्द्र प्रसाद			520.00				520.00
83	श्री ओंकार प्रसाद श्रीवास्तव			520.00				520.00
84	श्री शिव नाथ सिंह			520.00				520.00
85	श्री आर.पी.माथुर			520.00				520.00
86	श्री उमेश चन्द्र गुप्ता			520.00				520.00
87	श्री अशोक कुमार			520.00				520.00
88	श्री मनोहर			520.00				520.00
89	श्री शिवशंकर राय			520.00				520.00
90	श्री आन्नद वर्धन गुप्ता			520.00				520.00
91	श्री एम.के.झम्ब			1040.00				1040.00
92	श्री आर.के.निगम			520.00				520.00
93	श्री उी.के.भण्उारी			520.00				520.00
94	श्री दशरथ सिंह			520.00				520.00
95	श्री सुरेन्द्र मोहन कौशिक			2600.00				2600.00
96	श्री राधेश्याम			520.00				520.00
97	श्री परमानन्द शर्मा			520.00				520.00
98	श्री हरीश चन्द्र वशिष्ठ			1300.00				1300.00
99	श्री कन्हैया लाल गुरूनानी			1400.00				1400.00
100	श्री आनेन्दश्वर शंकर प्रसाद			1040.00				1040.00
101	श्री के.के.अग्निहोत्री			780.00				780.00
102	श्री सुधाकर राव					22500.00		22500.00
103	श्री एस.एम. दयाल			520.00				520.00
104	श्री गुरू दयाल शर्मा			520.00				520.00
105	श्री भूपेन्द्र सिंह			7200.00				7200.00
106	श्री श्यामधर पाण्डेय				2000.00			2000.00
107	श्री दुर्गेश चुघ			13000.00				13000.00
108	श्री अजय गुप्ता			2000.00				2000.00
109	श्री सत्य प्रकाश				2000.00			2000.00

110	श्री प्रमोद कुमार वर्मा					850.00		850.00
111	श्री दिलीप कुमार विरानी					221.00		221.00
112	श्री सत्य प्रकाश				1500.00			1500.00
113	श्रीमती सोनिया कपूर		10000.00					10000.00
114	श्री एम.डी.शर्मा						700.00	700.00
115	श्री हंस राज जैन	**H-9/344 /Vishist**	5000.00					5000.00
116	श्री मनोज कुमार गोयल	**M-3/111 /Vishist**		2600.00				2600.00
117	आस्था सेन्टर फार जीरिओटिक मेडिसिन	**A-34 /350 / Institutional**					25000.00	25000.00
118	एस.सी.त्रिवेदी ट्रस्ट एवं अस्पताल						10000.00	10000.00
119	श्रीमती प्रेम लता थापर	**P-41/660**			5000.00			5000.00
120	श्री विनोद कुमार			520.00				520.00
121	श्री जितेन्द्र कुमार			520.00				520.00
122	श्री कुलदीप कुमार			520.00				520.00
123	श्री अवतार सिंह			520.00				520.00
124	श्री प्रमोद कुमार जैन			600.00				600.00
125	श्री सुन्दर लाल			520.00				520.00
126	श्री महेन्द्र कुमार सैनी			520.00				520.00
127	श्री बिजेन्द्र कुमार वर्मा			520.00				520.00
128	श्री सुभाष चन्द्र वर्मा			520.00				520.00
129	श्री अजब सिंह			520.00				520.00
130	श्री अशोक कुमार गर्ग			520.00				520.00
131	श्री राधे श्याम शर्मा			520.00				520.00
132	श्री रमेश चन्द्र वर्मा			520.00				520.00
133	श्री प्रमोद कुमार जैन			520.00				520.00
134	श्री रमेश कुमार कपिल			520.00				520.00
135	श्री अरूण कुमार भटनागर			520.00				520.00
136	श्री अनुराग भटनागर			520.00				520.00
137	श्री श्याम लाल			1510.00				1510.00
138	श्री वेद पाल सिंह			1000.00				1000.00
139	श्री रमेश कुमार शर्मा			520.00				520.00
140	श्री चन्द्र सेन			520.00				520.00

141	श्री महेन्द्र कुमार जैन			520.00				520.00
142	श्री सुमाल चन्द्र जैन			520.00				520.00
143	श्री बालेश चन्द्र जैन			520.00				520.00
144	श्री रघुननदन प्रसाद खन्ना			520.00				520.00
145	श्री राज नारायण शर्मा			520.00				520.00
146	श्री कंवर सिंह पुन्डीर			1040.00				1040.00
147	श्री शिव प्रसाद अग्रवाल				2000.00			2000.00
148	प्रबल कान्सट्रक्सन				120000.00			120000.00
149	श्री शिव प्रसाद अग्रवाल				2000.00			2000.00
150	श्री शिव प्रसाद अग्रवाल				1100.00			1100.00
151	न्यायमूर्ति दिनेश कुमार त्रिवेदी	**D-25/589 /Vishist**					11000.00	11000.00
152	श्री मधुकर सिंह				11000.00			11000.00
153	श्री कुलदीप श्रीवास्तव		1500.00					1500.00
योग			**21900.00**	**151480.00**	**266600.00**	**23571.00**	**46700.00**	**510251.00**

Free Medical Checkup & Treatment Mega Camp

A Free Medical Checkup & Treatment Mega Camp was organized on Sunday, **February 10, 2019** jointly by Bharatiya Varishtha Nagarik Samiti (Bhavana), Astha Old Age Hospital and S.C. Trivedi Memorial Trust Hospital at Swarna Jayanti Smriti Vihar Park, Sector 25, Indiranagar, Lucknow, for local population of all ages and genders. Inauguration of the camp was done by Commissioner, Income Tax Department, Sri Pramod Kumar Bajaj by lighting the lamp. Justice Ashwini Kumar, Justice Anil Kumar and heads of several non-government organizations were distinguished guests. Very senior citizens of 80 plus age, Smt. Poornima Revis (Former Chair-person/Manager, I.T. College, Lucknow) and Sri Hridaya Narain Shukla (Former Principal, D.S. Inter College, Lakhimpur Kheri) were the Guests of Honour. At this occasion both the guests of honour were specially felicitated on behalf of BHAVANA, for their exemplary achievements during their active life-span, by the Chief Guest by presenting shawls and Felicitation Mementos to them. Master of the ceremony, Sri Deoki Nandan "Shant" briefly described the main events of their life & gave brief accounts of their achievements.

Total 1816 patients were registered in the camp. All of them were examined free of cost for Fibroscan, HBA1C, Hepatitis-B, Lipid Profile, Diabetes, Hypertension, ECG, Body Weight, BMD, BMI, Thyroid, PFT, LFT, Uric Acid, Kidney Function Test, H.Pylori & Neuropathy. Total market value of all these tests was around Rs.5,000/-. Medicines for 5 days were also given to them free of cost.

A number of organizations and individuals supported the camp whole-heartedly to make it a successful event. Prominent among them were Geriatrician Dr. Abhishek Shukla, Gynecologist Dr. Amita Shukla, Orthopedic Surgeon Dr. Kunal Bhalla, Dental Physician Dr. Sudhanshu Agarwal, Physiotherapist Dr. Amit Kumar Singh, Ayurved & Acupuncture Therapist Dr. Parth Protim, E.N.T. Specialist Dr. S.C. Srivastava, Homoeopathy & Yoga Specialist Dr. S.K. Singh, Ophthalmologist Dr. Gurusimran Kaur and doctors & technicians of 40+ Pharmaceutical and Diagnostic Companies.

Total 1816 patients registered in the camp made use of free medical tests, Expert Doctors advise & Medicines etc.The follow-up examination of all the patients registered in the camp will be done in Aastha Old Age Hospital, B-52, J-Park, Mahanagar Extension, Lucknow. Their contact phone no. is 9415015050.



A K MALHOTRA
General Secretary (Bhavana)
Bharatiya Varishtha Nagarik Samiti, Lucknow

भावना संदेश जनवरी, 2019 के प्रकाशन के बाद बने नये सदस्यों की सूची



सदस्यता क्र.- आर-116/923
श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह
सहायक अभियंता (से.नि.), लो.नि.वि. उ.प्र.
एम-3/571, सेक्टर एच, एल.डी.ए. कॉलोनी,
कानपुर रोड, लखनऊ-226012 फोनः 09984537440
DOB:15/06/1958 MD:27/05/1979



सदस्यता क्र.- एस-199/925
श्रीमती सुमित्रा पाण्डेय, गृहणी
538क/726, त्रिवेणीनगर-2,
लखनऊ-226020। फोनः 09452471940
DOB:07/04/1952 MD:30/06/1968



सदस्यता क्र.- के-65/927
श्रीमती कुसुम यादव, गृहणी
2बी/51, प्रियदर्शिनी कॉलोनी, लखनऊ
फोनः 09839014953/09519720720
ई.मेलः mgspublications@rediffmail.com
DOB:20/04/1964 MD:04/12/1991



सदस्यता क्र.- आई-13/929
श्रीमती (डॉ.) इन्दु सुभाष, समाजसेवी
सी-1/407ए, सेक्टर जी,
जानकीपुरम, लखनऊ-226021
फोनः 09336002063/07007928898
ई.मेलः dr.indu1109@gmail.com
DOB:25/03/1963 MD:22/10/1991



सदस्यता क्र.- एन-46/931 (विशिष्ट सदस्य)
श्रीमती नीना अग्रवाल
निजी सचिव(से.नि.), उ.प्र. सचिवालय सेवा
6/656, विकास नगर, लखनऊ-226022
फोन : 0522-2739873/09415011189
ई.मेलः neenaag.2009@gmail.com
DOB:28/04/1955 MD:25/12/1982



सदस्यता क्र.- पी-55/933
श्रीमती पूनम तिवारी, विद्यालय संचालिका
346, चौहान मोहल्ला, मदनपुर खादर,
नई दिल्ली-110076 फोनः 09650375889
DOB:31/07/1966 MD:03/02/1991



सदस्यता क्र.- जी-25/924
गिरीश चन्द्र पाण्डेय, अनुभाग अधिकारी
(से.नि.), राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद
538क/726, त्रिवेणीनगर-2, लखनऊ-226020
फोनः 09452471940
DOB:10/01/1953 MD:30/06/1968



सदस्यता क्र.- जी-26/926
श्री गिरधर गोपाल यादव
व्यापारी (पुस्तक प्रकाशन) 2बी/51,
प्रियदर्शिनी कॉलोनी, लखनऊ-226020
फोनः 09839014953/09519720720
ई.मेलः mgspublications@rediffmail.com
DOB:01/07/1957 MD:04/12/1991



सदस्यता क्र.- एस-200/928
सुभाष चन्द्र, वरिष्ठ प्रबंधक,
ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त
सी-1/407ए, सेक्टर जी, जानकीपुरम,
लखनऊ-226021 फोनः 09919596347
ई.मेलः dr.indu1109@gmail.com
DOB:01/07/1962 MD:22/10/1991



सदस्यता क्र.-आर-117/930(विशिष्ट सदस्य)
राकेश चन्द्र अग्रवाल
उपमहाप्रबंधक(से.नि.), बैंकिंग सेवा
6/656, विकास नगर, लखनऊ-226022
फोन : 0522-2739873/09415011189
ई.मेलः neenaag.2009@gmail.com
DOB:04/03/1952 MD:25/12/1982



सदस्यता क्रमांक -एम-53/932
मनमोहन तिवारी
कम्प्यूटर ऑपरेटर 346, चौहान मोहल्ला,
मदनपुर खादर, नई दिल्ली-110076
फोनः 09650375889
DOB:21/10/1965 MD:03/02/199



सदस्यता क्र.- एस-201/935 (विशिष्ट सदस्य)



श्रीमती शशि वाजपेयी, गृहणी

सी-2/290, सेक्टर एफ, जानकीपुरम्,
लखनऊ-226021
फोन : 0522-4027541/09450760411/09452135991
ई.मेलः upendra.vajpayee@gmail.com
DOB:01/12/1954 MD:13/03/1974

सदस्यता क्र.- यू-21/934 (विशिष्ट सदस्य)



उपेन्द्र कुमार वाजपेयी

प्रबंध निदेशक, रसेल टेक्नॉलोजीज़ इन्डिया (इन्डियन ऑपरेशन्स) सी-2/290, सेक्टर एफ, जानकीपुरम्, लखनऊ-226021 फोन : 0522-4027541
मो.: 09450760411/09452135991
ई.मेलः upendra.vajpayee@gmail.com
DOB:31/08/1947 MD:13/03/1974

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति की प्रबन्धकारिणी की गुलाब देवी सत्संग भवन, त्रिवेणी नगर-3, लखनऊ में 03 फरवरी, 2019 को हुई बैठक का कार्यवृत्त

सौजन्य से : माननीय श्री पाल प्रवीण, श्री राजेन्द्र कुमार चुघ, डॉ. काशी राम कनौजिया, श्री विश्व नाथ सिंह एवं श्री गुरू दयाल शुक्ला।

उपस्थिति : प्रबंधकारिणी के संरक्षक, प्रबंधकारिणी के सदस्य तथा स्थाई आमंत्री : 25

अन्य विशिष्ट सदस्य तथा विशेष आमंत्री : 11 सदस्य

अनुपस्थित पदाधिकारी : 39 सदस्य

कार्यवाही विवरण : माननीय अध्यक्ष महोदय के सभापतित्व में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए :-

1. प्रबंधकारिणी की 21 अक्टूबर 2018 को हुई बैठक का कार्यवाही विवरण विचारोपरान्त अनुमोदित कर दिया गया।

2. सभा में उपस्थित भावना के नये बने सदस्य श्री गिरीश चन्द्र पाण्डेय का परिचय कराया गया। सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से नये सदस्य का स्वागत किया।

3. प्रमुख महासचिव श्री राम लाल गुप्ता द्वारा उन्नीसवें महाधिवेशन में पढ़े जाने वाले प्रतिवेदन को सभा में पढ़कर सुनाया गया जिसे सभा ने कुछ संशोधन करके महाधिवेशन से पूर्व अध्यक्ष महोदय से पुनः स्वीकृत कराने का निर्देश दिया।

4.महासचिव (प्रशासन) ने सभा के समक्ष वर्ष 2017-18 की चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा प्रमाणित तथा सम्प्रेक्षक द्वारा परीक्षित बैलेन्स शीट तथा आय-व्यय लेखा प्रस्तुत किया जिसे सभा ने विचारोपरान्त अनुमोदित कर दिया।

5. महासचिव (प्रशासन) ने सभा के समक्ष वर्ष 2017-18 के बजट की विभिन्न मदों के सापेक्ष हुए वास्तविक आय-व्यय का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया जिसे सभा ने विचारोपरान्त कुछ संशोधनों के साथ अनुमोदित कर दिया।

6. महासचिव (प्रशासन) ने सभा के समक्ष वर्ष 2019-20 के लिए प्रस्तावित बजट प्रस्तुत किया जिसे सभा ने विचारोपरान्त कुछ संशोधनों के साथ अनुमोदित कर दिया।

7. अध्यक्ष महोदय ने नियमावली में यह संशोधन करने का प्रस्ताव रखा कि प्रबंधकारिणी में उपाध्यक्ष के पद एक के स्थान पर दो कर दिये जायें, सदस्यों की संख्या घटाकर पांच कर दी जाये तथा कुल सदस्यों की संख्या 20 ही रखी जाये। सभा ने नियमावली में इन प्रस्तावित संशोधनों को साधारण सभा के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत करने की स्वीकृति प्रदान कर दी।

8. सभा द्वारा उन्नीसवें महाधिवेशन में समिति के अति-वरिष्ठ नागरिक सदस्यों (आयु 80 वर्ष तथा अधिक) का अभिनन्दन करने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

9. वर्तमान सत्र में उत्कृष्ट/उत्तम कार्य करने वाले सदस्यों/प्रकोष्ठों का निर्धारण तथा महाधिवेशन में उन्हें सम्मान-स्वरूप दिए जाने वाले स्मृति-चिह्न आदि का निर्धारण संयुक्त रूप से अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष मिल कर करेंगे।

10. भावना का उन्नीसवां वार्षिक महाधिवेशन सोमवार, 11 मार्च 2019 को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में आयोजित होगा। इस आयोजन के लिये समस्त व्यवस्था करने के लिये महासचिव (प्रशासन) को निर्देश दिये गये। इस महाधिवेशन में भावना की नई प्रबंधकारिणी का चुनाव भी होगा। सभा ने चुनाव कराने के लिये समिति की नियमावली में निहित प्राविधानों के अनुरूप माननीय विशिष्ट सदस्य श्री नरेन्द्र चन्द्र रस्तोगी को चुनाव अधिकारी मनोनीत कर दिया।

अंत में सभा में उपस्थित सभी सदस्यों की ओर से तथा अपनी ओर से भी अध्यक्ष महोदय ने बैठक के मेजबान सदस्य माननीय श्री पाल प्रवीण, श्री राजेन्द्र कुमार चुघ, डॉ. काशीराम कनौजिया, श्री विश्वनाथ सिंह एवं श्री गुरू दयाल शुक्ला को तथा इस बैठक के आयोजन के लिये सभी सुविधाओं से युक्त परिसर निःशुल्क उपलब्ध कराने के लिए श्री दीन बन्धु यादव को धन्यवाद दिया एवं सभी को स्नेहभोज के लिये आमंत्रित किया।

जगत बिहारी अग्रवाल
प्रमुख महासचिव

प्रमुख महासचिव के पत्रांक भावना/प-005/2921 दिनांक 15 मार्च, 2019 द्वारा प्रसारित।

भावना की नई प्रबंधकारिणी के कुछ नए पदाधिकारी



श्री ओम प्रकाश पाठक
महासचिव (प्रशासन)



श्री राजेन्द्र कुमार चुघ
कोषाध्यक्ष



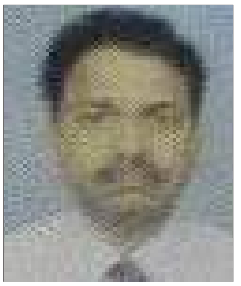
श्री जीवन गोस्वामी
सदस्य-वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ



श्रीमती सीमा तिवारी
सह-सम्पादक 'भावना सन्देश'



श्रीमती दया शुक्ला
सदस्य-महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ



श्री ओम प्रकाश गुप्ता
सदस्य-शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ



श्री गुरुदयाल शुक्ला
सदस्य-शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ



श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह
सदस्य-अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ

श्री दिलीन कुमार वीराणी
सदस्य-अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ



श्री दीन बंधु यादव
सदस्य-सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ



श्री गिरधर गोपाल यादव
सदस्य-संसाधन प्रकोष्ठ



कु. डॉ. अंजलि गुप्ता
सदस्य-वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ



19वाँ वार्षिक अधिवेशन की झलकियाँ

19वाँ वार्षिक अधिवेशन की झलकियाँ





19वाँ वार्षिक अधिवेशन की झलकियाँ

होली मिलन समारोह



भावना की नई प्रबंधकारिणी का गठन

पत्रांक : भावना/प-010/अ/688 दिनांक : 31 मार्च, 2019

कार्यालय ज्ञापन

प्रबंधकारिणी की 27 मार्च, 2019 को सम्पन्न हुई बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में समिति की मार्च, 2019 तक संशोधित नियमावली के नियम 11.1 तथा नियम 11.6 में निहित प्राविधानों के अनुसार माननीय अध्यक्ष महोदय के अनुमादेनोपरान्त समिति के पूर्व निर्गत कार्यालय ज्ञापन संख्या भावना/प-010/अ/653 दिनांक 31 मार्च, 2018 को तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए निम्नलिखित सदस्यों को प्रबन्धकारिणी में तत्काल प्रभाव से, अधिकतम एक वर्ष के लिए, मनोनीत/पुनर्मनोनीत किया जाता हैः

1. श्रीमती दया शुक्ल (डी-5/118/विशिष्ट)
2. श्रीमती अर्चना गोयल (ए-12/134/विशिष्ट)
3. श्रीमती मंजुला सक्सेना (एम-5/155/विशिष्ट)
4. डॉ. नरेन्द्र देव (एन-11/160/विशिष्ट)
5. श्री सत्य नारायण गोयल (एस-133/601/विशिष्ट)
6. श्री प्रभात किरन चौरसिया (पी-36/609/विशिष्ट)
7. श्री सिद्धेश्वर नाथ शर्मा (एस-137/616/विशिष्ट)
8. श्री रमेश प्रसाद जायसवाल (आर-79/633/विशिष्ट)
9. श्री देवकी नन्दन 'शांत' (डी-6/131)
10. श्रीमती रेखा मित्तल (आर-27/229)
11. श्री उदय भान पाण्डेय (यू-5/277)
12. श्री अशोक कुमार मल्होत्रा (ए-25/286)
13. श्री शैलेन्द्र कुमार तिवारी (एस-58/300)
14. श्री अमर नाथ (ए-32/337)
15. श्री सत्य देव तिवारी (एस-76/394)
16. श्री राज देव स्वर्णकार (आर-51/414)
17. श्री पुरुषोत्तम केसवानी (पी-26/422)
18. श्री दिलीप कुमार विरानी (डी-20/438)
19. डॉ.(कु.) अंजली गुप्ता (ए-48/509)
20. श्री पाल प्रवीण (पी-31/525)
21. श्री अशोक कुमार (ए-49/535)
22. श्रीमती वीना सक्सेना (वी-43/567)
23. डॉ. छेदा लाल वर्मा (सी-10/624)
24. श्री सुशील कुमार शर्मा (एस-140/625)
25. श्री ललित कुमार (एल-8/689)
26. श्री विनोद कुमार कपूर (वी-50/739)
27. श्री विशाल सिंह (वी-51/762/संस्थागत)
28. श्री गुरू दयाल शुक्ल (जी-23/800)
29. श्री जीवन गोस्वामी (जे-26/875)
30. श्रीमती सीमा तिवारी (एस-195/907)

उपरोक्त मनोनीत सदस्यों के अतिरिक्त निम्नलिखित सदस्यों को भी प्रबन्धकारिणी में तत्काल प्रभाव से, अधिकतम एक वर्ष क लिए, स्थाई आमंत्री के रूप में मनोनीत किया जाता हैः

1. श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह (एस-116/923)
2. श्री गिरधर गोपाल यादव (जी-26/926)
3. डॉ. अमित कुमार सिंह (ए-72/721/वॉलन्टियर)
4. श्री चन्द्र भूषण तिवारी (सी-11/652/वॉलन्टियर)

निर्वाचित तथा मनोनीत पदाधिकारियों एवं स्थाई आमंत्रियों को तत्काल प्रभाव से निम्नानुसार वर्णित कार्यों के लिए उत्तरदायी बनाया जाता है।

उपाध्यक्ष प्रथम : श्री तुंग नाथ कनौजिया, उपाध्यक्ष प्रथम के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैंः

• समिति के उद्देश्यों के अनुरूप विभिन्न कार्यक्रमों का नियोजन, आयोजन, पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण।

• सभी कार्यक्रमों के आयोजन से पूर्व पूरी रिपोर्ट तैयार करना/करवाना तथा भावना-संदेश पत्रिका में, समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक समाचार माध्यमों, भावना की वेबसाइट, फेसबुक तथा वाट्सैप ग्रुपों में प्रकाशित करवाना।

• प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के तत्काल बाद उसी दिन पूरी रिपोर्ट तैयार करना/करवाना तथा भावना-संदेश पत्रिका में, समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक समाचार माध्यमों, की वेबसाइट, फेसबुक तथा वाट्सैप ग्रुपों में प्रकाशित करवाना।

• समाचार-तंत्र के प्रतिनिधियों के साथ अंतरंग समन्वय।

• महासचिव (कार्यान्वयन) तथा उनसे सम्बद्ध उपमहासचिव एवं प्रकोष्ठों के सचिव/संयोजक/सदस्य उपाध्यक्ष प्रथम से निर्देश/परामर्श लेंगे तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होंगे।

उपाध्यक्ष द्वितीय – श्री राम लाल गुप्ता उपाध्यक्ष द्वितीय के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• भावना के उद्येश्यों की पूर्ति हेतु आवश्यकतानुसार केन्द्र तथा राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों तथा कर्मचारियो के साथ अतंरंग समन्वय।

• जिन संस्थाओं के साथ भावना जुड़ी है तथा जो संस्थायें भावना के साथ जुड़ी हैं उन सभी संस्थाओं के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ अंतरंग समन्वय।

• भावना की शाखाओं के अध्यक्षों एवं सचिवों के साथ अंतरग समन्वय एवं उनके कार्यक्रमों के नियोजन तथा सफल क्रियान्वयन में सहयोग।

• महासचिव(एडवोकेसी) तथा उनसे सम्बद्ध उपमहासचिव एवं प्रकोष्ठों के सचिव/संयोजक/सदस्य उपाध्यक्ष द्वितीय से निर्देश/परामर्श लेंगे तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होंगे।

उपमहासचिव सम्बद्ध प्रमुख महासचिव - श्री रमा कान्त पाण्डेय

उपमहासचिव सम्बद्ध महासचिव (प्रशासन) - श्री जगमाहेन लाल जायसवाल

उपमहासचिव सम्बद्ध महासचिव (कार्यान्वयन) - श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल

उपमहासचिव सम्बद्ध महासचिव (एडवोकेसी) - श्री सत्य देव तिवारी (रिक्त पद पर मनोनयन)

विशेष कार्याधिकारी सम्बद्ध अध्यक्ष (अस्थायी सृजन) - श्री अशोक कुमार मल्होत्रा (मनोनीत)

1- वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ – 1. संयोजक - श्री सत्य देव तिवारी, उपमहासचिव 2. सदस्य - श्री पुरुषोत्तम केसवानी 3. सदस्य - श्री विनोद कुमार कपूर 4. सदस्य - श्री जीवन गोस्वामी

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• बुजुर्गों की अंतर्राष्ट्रीय संस्था World University of Third Age (WU3A)] राष्ट्रीय संस्था Indian Society of Universities of Third Age (ISU3As), राष्ट्रीय संस्था All India Senior Citizens Confederation (AISCCON), प्रादेशिक संस्था, वरिष्ठ नागरिक कल्याण महासमिति उ.प्र., प्रादेशिक संस्था वरिष्ठ नागरिक महासमिति, उ.प्र. एवं भावना की संस्थागत सदस्य संस्थाओं सहित अन्य सभी प्रकार की सरकारी/गैर-सरकारी समाजसेवी संस्थाओं से नियमित सम्पर्क, संवाद एवं समन्वय का कार्य।

• समिति की वेबसाइट को संचालित करने तथा समय समय पर अपडेट करते रहने सम्बंधी समस्त कार्य।

• व्यय-साध्य प्रकल्पों/कार्यक्रमों के लिए यथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना।

• समय की अनिवार्यता के अनुरूप आवश्यकतानुसार महासचिव(एडवोकेसी) द्वारा सोपें गए अन्य दायित्वों का निर्वहन।

• यह प्रकोष्ठ महासचिव(एडवोकेसी) से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

2- ग्राम्यांचल तथा निर्धन जन प्रकोष्ठ – 1. संयोजक - श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल, उपमहासचिव 2. सदस्य - श्री रमेश प्रसाद जायसवाल 3. सदस्य - श्री विश्व नाथ सिंह 4. सदस्य - श्री आदित्य प्रकाश सिंह 5. सदस्य - श्री राम मूर्ति सिंह 6. सदस्य - श्री शैलन्द्र कुमार तिवारी

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं :

• ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के ऐसे कार्य करना जो शासन-तन्त्र द्वारा नहीं कराए जा रहे हैं।

• ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों, विधवा/निराश्रित महिलाओं, बेसहारा बच्चों, विकलांग-जनों तथा अन्य निर्बल, निर्धन एवं असहाय जनों को केन्द्र तथा राज्य सरकारों की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत उन्हें अनुमन्य हितलाभों के बारे में जागरूक करने के कार्य।

• गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे शहरी तथा ग्रामीण परिवारों के सहयोगार्थ विभिन्न सेवा प्रकल्प नियोजित एवं आयोजित करना।

• पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ एवं वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के साथ मिलकर शहरी झुग्गी-झोपड़ियों के निवासियों तथा ग्रामवासियों को व्यक्तिगत स्वच्छता तथा बिना औषधि स्वस्थ रहने के सरल किन्तु अत्यंत कारगर उपायों एवं घर के अंदर

तथा बाहर पर्यावरण को स्वच्छ रखने तथा उसका संरक्षण करने के सरल उपायों के प्रति जागरूक करना।

• किए गए कार्यों की चित्रों सहित रिपोर्ट समयानुसार बनाकर अध्यक्ष महोदय, उपाध्यक्ष प्रथम, महासचिव(कार्यान्वयन) तथा प्रधान सम्पादक को सौंपना। व्यय-साध्य प्रकल्पों/कार्यक्रमों के लिए यथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना।

• यह प्रकोष्ठ महासचिव(कार्यान्वयन) से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

3- सम्पादन प्रकोष्ठ - 1. प्रधान सम्पादक - श्री अमर नाथ 2. सम्पादक - श्री सुशील कुमार शर्मा
3. सह-सम्पादक - श्रीमती सीमा तिवारी

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• **भावना संदेश** सहित भावना के सभी प्रकार के प्रकाशनों के सम्पादन एवं वितरण के सभी कार्य।

• इन कार्यों हेतु यथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना।

• यह प्रकोष्ठ प्रमुख महासचिव से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

4- महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ - 1. संयोजक - श्रीमती अर्चना गोयल 2. सदस्य - श्रीमती दया शुक्ल
3. सदस्य - श्रीमती रेखा मित्तल 4. सदस्य - श्रीमती वीना सक्सेना

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• निर्बल, निर्धन, निराश्रित, विकलांग एवं असहाय जनों, विशेष रूप से इस श्रेणी की बालिकाओं एवं विधवाओं के हित के सेवा प्रकल्प नियोजित एवं कार्यान्वित करना।

• स्वतंत्र रूप से अथवा सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ के साथ मिलकर विशेष अवसरों पर सदस्यों एवं उनके परिजनों के सामूहिक मनोरंजन के कार्यक्रम नियोजित एवं आयोजित करना।

• व्यय-साध्य प्रकल्पों/कार्यक्रमों के लिए यथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना।

• यह प्रकोष्ठ महासचिव (कार्यान्वयन) से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

5- शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ - 1. संयोजक - श्री जगमोहन लाल जायसवाल, उपमहासचिव
2. सदस्य - श्री प्रेम शंकर गौतम 3. सदस्य - श्री ओम प्रकाश गुप्ता
4. सदस्य - श्रीमती अर्चना गोयल 5. सदस्य - श्रीमती मंजुला सक्सेना
6. सदस्य - श्री सिद्धेश्वर नाथ शर्मा 7. सदस्य - श्री गुरू दयाल शुक्ल

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• प्रतिपादित नीतियों के अनुरूप कक्षा 12 तथा नीचे की कक्षाओं में पढ़ रहे गरीब तथा अति गरीब किन्तु मेधावी बच्चों का चयन करके उन्हें कक्षा 8 तक के लिए अधिकतम 1200 रुपये प्रति शिक्षा-सत्र, कक्षा 9 एवं 10 के लिए अधिकतम 1800 रुपये प्रति शिक्षा-सत्र तथा कक्षा 11 एवं 12 के लिए अधिकतम 2000 रुपये प्रति शिक्षा-सत्र मूल्य की सहायता आदान करना तथा आवश्यकता के अनुरूप इसके लिए इच्छुक सदस्यों तथा गैर-सदस्यों से 1200/1800/2000 रुपये अथवा उनके गुणक में प्रति वर्ष सहयोग की व्यवस्था भी करना।

• समिति से आर्थिक सहयोग प्राप्त करके कक्षा 12 उत्तीर्ण होने वाले अति मेधावी छात्रों/छात्राओं को उच्चतर कक्षाओं में अध्ययन हेतु भी, उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप, आर्थिक सहयोग प्रदान करना।

• संवेदनशील सदस्यों तथा अन्य नागरिकों के आर्थिक सहयोग से उनके पूर्वजों की स्मृति एवं सम्मान में गरीब किन्तु अत्यंत मेधावी छात्रों/छात्राओं को उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए विशेष पुरस्कार/मेडल आदि का प्रबंध करना।

• इन प्रकल्पों से जुड़े सार्वजनिक आयोजनों तथा प्रशासनिक खर्चों हेतु भी यथा आवश्यक संसाधनों का प्रबंध करना।

• यह प्रकोष्ठ प्रमुख महासचिव से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

6- अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ : 1. संयोजक - श्री अमर नाथ
2. सदस्य - श्री सतपाल सिंह 3. सदस्य - श्री दिलीप कुमार विरानी
4. सदस्य - श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह 5. सदस्य - श्री चन्द्र भूषण तिवारी, वॉलन्टियर

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• अत्यधिक गरीब लावारिस बेसहारा बच्चों (Street Children) को अनौपचारिक शिक्षा द्वारा साक्षर बनाने तथा उन्हें संस्कारित करने के उद्येश्य से मानसरोवर योजना, निकट औरंगाबाद रेलवे क्रॉसिंग, बिजनौर रोड, लखनऊ में स्थापित **भावना अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र** का कुशलता पूर्वक संचालन का कार्य।

• वर्तमान सत्र में किसी अन्य उचित स्थान पर ऐसे ही कम से कम एक और शिक्षण केन्द्र की स्थापना करने का प्रयास करना।

• इस कार्यक्रम के आति जनसामान्य को तथा विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों/छात्राओं को जागरूक करना तथा उन्हें इस कार्यक्रम से जोड़ने के लिए उनसे कुछ-न-कुछ आर्थिक सहयोग भी प्राप्त करते रहना।

• व्यय-साध्य प्रकल्पों/कार्यक्रमों के लिए यथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना।

• यह प्रकोष्ठ महासचिव(कार्यान्वयन) से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

7- सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ – 1. संयोजक - श्री देवकी नन्दन 'शान्त'

2. सदस्य - श्रीमती रेखा मित्तल 3. सदस्य - श्री उदय भान पाण्डेय

4. सदस्य - श्री अशोक कुमार 5. सदस्य - श्री सुशील कुमार शर्मा

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• भावना के बैनर तले स्वतंत्र रूप से अथवा महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के साथ मिलकर समय-समय पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित करना।

• व्यय-साध्य कार्यक्रमों के लिए यथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना।

• यह प्रकोष्ठ महासचिव(कार्यान्वयन) से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

8- सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ – 1. संयोजक - श्री रमा कान्त पाण्डेय, उपमहासचिव

2. सदस्य - श्री देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल - प्रभारी इन्दिरा नगर तथा आस पास का क्षेत्र।

3. सदस्य - श्री दीन बंधु यादव - प्रभारी त्रिवेणीनगर, प्रियदर्शिनीनगर तथा केशवनगर सहित सीतापुर रोड एवं आई.आई. एम. रोड के दोनों ओर का क्षेत्र।

4. सदस्य - श्री ओम प्रकाश गुप्ता - प्रभारी विकास नगर तथा आस पास का क्षेत्र।

5. सदस्य - श्री अमर नाथ - प्रभारी कानपुर रोड तथा रायबरेली रोड के दोनों ओर का क्षेत्र।

6. सदस्य - डॉ. छेदा लाल वर्मा - प्रभारी निराला नगर तथा आस पास का क्षेत्र।

7. सदस्य - श्री सुशील कुमार शर्मा - प्रभारी जानकीपुरम (विस्तार सहित) एवं आस पास का क्षेत्र।

8. सदस्य- श्री राजेन्द्र कुमार चुघ - प्रभारी महानगर एवं आस पास का क्षेत्र।

9. सदस्य- श्री ओम प्रकाश पाठक - प्रभारी अलीगंज एवं आस पास का क्षेत्र।

अन्य क्षेत्रों के प्रभारी के दायित्वों का निर्वहन इस प्रकोष्ठ के संयोजक स्वयं करेंगे।

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• आपात स्थिति में बुजुर्गों को यथावान्छित सहयोग तत्परता से उपलब्ध कराना।

• जिन अतिवरिष्ठ नागरिकों के पुत्र/पुत्रियाँ उनसे दूर विदेशों में या देश में ही अन्यत्र रह रहे हैं, उनसे सम्पर्क करके आवश्यकतानुसार उनकी देखभाल की सुदृढ़ व्यवस्था करना।

• **भावना** के दिवंगत हो चुके सदस्यो ंकी विधवाओ ंसे भी सम्पर्क करके आवश्यकतानुसार उनकी देखभाल की सुदृढ़ व्यवस्था करना।

• व्यक्तिगत सम्पर्क करके निष्क्रिय सदस्यों को समिति के कार्यक्रमों के प्रति सक्रिय बनाने का प्रयास करना।

• यदा कदा भावना-सदस्यों तथा उनके परिजनों की सक्रिय भागीदारी वाले विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के कार्यक्रम, पिकनिक तथा पर्यटन आदि भी नियोजित एवं कार्यान्वित करना।

• भावना-सदस्यों के जन्म दिन तथा विवाह की वर्षगाँठ पर उनको व्यक्तिगत मिलकर, फोन से, व्हाट्सऐप द्वारा, एस. एमएस. द्वारा अथवा/तथा ई.मेल से शुभकामना संदेश प्रेषित करना।

• वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर चुके सदस्य-दम्पत्तियों का सार्वजनिक अभिनन्दन करने के कार्यक्रम भी उचित अवसरों पर नियोजित एवं आयोजित करना।

• व्यय-साध्य प्रकल्पों/कार्यक्रमों के लिए यथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना।

• यह प्रकोष्ठ प्रमुख महासचिव से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

9- वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ – 1. संयोजक - डा. नरेन्द्र देव 2. सदस्य - डॉ. (कु.) अंजली गुप्ता

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• सदस्यों तथा उनके परिजनों को वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों से स्वास्थ्य लाभ कराने हेतु कार्यशालायें आयोजित करना।

• पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ तथा ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा प्रकोष्ठ के साथ मिलकर शहरी झुग्गी-झापेड़ियों के निवासियों तथा ग्रामवासियों को व्यक्तिगत स्वच्छता तथा बिना औषधि स्वस्थ रहने के सरल किन्तु अत्यंत कारगर उपायों एवं घर के अंदर तथा बाहर पर्यावरण को स्वच्छ रखने तथा उसका संरक्षण करने के सरल उपायों के प्रति जागरूक करना।

• व्यय-साध्य प्रकल्पों/कार्यक्रमों के लिए यथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना।

• यह प्रकोष्ठ महासचिव(कार्यान्वयन) से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

10- भावना प्रसादम सेवा प्रकोष्ठ – 1. संयोजक - श्री राजेन्द्र कुमार चुघ, कोषाध्यक्ष

2. सदस्य - श्री राम मूर्ति सिंह 3. सदस्य - श्री विनोद कुमार कपूर

4. सदस्य - श्री विशाल सिंह, सचिव, विजयश्री फ़ाउन्डेशन (प्रसादम् सेवा)

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• **भावना** की सदस्य-सस्था, **विजयश्री फाउंडेशन**, द्वारा लखनऊ में के.जी. मेडिकल कॉलेज के चिकित्सालय परिसर, बलरामपुर चिकित्सालय परिसर एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय परिसर तथा अन्य स्थानों में संचालित किए जा रहे प्रकल्प, **प्रसादम सेवा**, के संचालन एवं प्रबंधन में यथा आवश्यक सहयोग प्रदान करना।

• वर्णित प्रकल्प के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था में यथा-सभंव सहयोग करना।

• यह प्रकोष्ठ महासचिव(कार्यान्वयन) से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

11- पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ – 1. संयोजक - श्री पाल प्रवीण 2. सदस्य - श्री चन्द्र भूषण तिवारी, वॉलन्टियर

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनमानस को जागरूक करने हेतु हर प्रकार के आवश्यक कार्य करना।

• इसी विषय पर नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों तथा युवाओं के मध्य निबंध, वाद-विवाद, चित्रकला, क्विज़ आदि प्रतियोगिताओं के आयोजन करना।

• शिक्षा सहायता योजना के माध्यम से जो विद्यालय **भावना** के साथ जुड़े हैं उनमें तथा **भावना औपचारिक केन्द्र** में बच्चों को नैतिकता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करना।

• प्रसिद्ध किसान संत, श्री सुभाष पालेकर जी द्वारा प्रतिपादित **विष मुक्त जीरो बजट प्राकृतिक खेती** के विषय में सम्यक जानकारी प्राप्त करके किसानों में उस विधा का प्रचार प्रसार करना।

• गंगा तथा गोमती नदियों के स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी के साथ उन संस्थाओं को यथावान्छित सहयोग प्रदान करना जो इस अभियान में पहले से ही सक्रिय हैं।

• व्यय-साध्य प्रकल्पों/कार्यक्रमों के लिए यथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करना।

• यह प्रकोष्ठ महासचिव (कार्यान्वयन) से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

12- संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ : 1. संयोजक - श्री मनोज कुमार गोयल, सम्प्रेक्षक

2. सदस्य - श्री सत्य नारायण गोयल 3. सदस्य - प्रभात किरन चौरसिया

4. सदस्य - श्री गिरधर गोपाल यादव

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• आर्थिक रूप से सक्षम, संवेदनशील, सहृदय नागरिकों एवं संस्थाओं से समिति के विभिन्न सेवा प्रकल्पों के सफल

कार्यान्वयन हेतु दान-अनुदान प्राप्त करने तथा भावना-संदेश पत्रिका हेतु विज्ञापन प्राप्त करने हेतु सतत् प्रयास करना।
• ऐसे कार्यक्रम तथा ऐसे प्रकल्प भी नियोजित एवं आयोजित करना जिनसे धन अर्जित हो सके।
• भावना-सदस्यों तथा उनके माध्यम से उनके बन्धु-बान्धवों, इष्ट-मित्रों के यहाँ हुए हर खुशी के मौके पर उन्हें बधाई देना तथा उनसे हर ऐसे अवसर पर समिति के लिए कुछ न कुछ दान अवश्य प्राप्त करने का प्रयास करना। खुशी के अवसर अनेकों होंगे, जैसे : उनके अपने तथा उनके पुत्र-पुत्रियों, पौत्र-पौत्रियों के जन्म, जन्म दिन, विवाह, विवाह की वर्षगाँठ, परिवार में किसी की नौकरी लगना, नया व्यवसाय प्रारम्भ होना, निजी नए मकान में गृह-प्रवेश, मनचाही जायदाद सफलतापर्वूक क्रय हो जाना, रुका हुआ धन मिल जाना, किसी विघ्न/बाधा या बीमारी का दूर हो जाना, मुकदमा जीत जाना, कोई बड़ा पुरस्कार या सम्मान या प्रोन्नति मिलना आदि।
• यह प्रकोष्ठ प्रमुख महासचिव से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

13- डे-सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ-1. संयोजक - श्री राज देव स्वर्णकार 2. सदस्य - श्री विश्व नाथ सिंह
3. सदस्य - श्री ललित कुमार 4. सदस्य - डॉ. अमित कुमार सिंह, वॉलन्टियर

इस प्रकोष्ठ के दायित्व निम्नवत निर्धारित किए जाते हैं:

• वरिष्ठ नागरिकों का एकाकीपन दूर करने के उद्येश्य से लखनऊ नगर में अलग अलग उपयुक्त स्थानों पर **बहु उद्देशीय वरिष्ठ नागरिक दिवसीय क्लबों** की स्थापना एवं संचालन करना।
• बुजुर्गों के हित के विषयों पर समय समय पर विचार गोष्ठियाँ आयोजित करना।
• **हेल्पेज इंडिया** के सहयोग से स्थापित भावना **फिजियोथेरेपी क्लिनीक** का **'नो प्रॉफिट नो लॉस'** के आधार पर संचालन करना।
• वे सभी काम करना जो इस प्रकल्प को लम्बी अवधि तक व्यवस्थित एवं निर्बाध रूप से चलाते रहने के लिए आवश्यक हों।
• यह प्रकोष्ठ महासचिव (कार्यान्वयन) से निर्देश/परामर्श लेगा तथा उन्हीं के प्रति उत्तरदायी होगा।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष (प्रथम), उपाध्यक्ष (द्वितीय), प्रमुख महासचिव, महासचिव(प्रशासन), महासचिव (कार्यान्वयन), महासचिव(एडवोकेसी), चारों उप महासचिव, कोषाध्यक्ष, सह-कोषाध्यक्ष, सम्प्रेक्षक, विशेष कार्याधिकारी, प्रधान सम्पादक, सम्पादक तथा सह-सम्पादक को छोडक़र स्वतंत्र कार्यभार वाले सभी पदाधिकारियों को सचिव पदनाम आबंटित किया जाता है। विभिन्न प्रकोष्ठों के संयोजकों को भी सचिव पदनाम आबंटित किया जाता है। प्रबंधकारिणी के सभी निर्वाचित तथा मनोनीत सदस्य/विशेष आमंत्री उपरोक्तानुसार अपने-अपने आवंटित उत्तरदायित्वों का निर्वहन स्वतः ही स्वतंत्र रूप से करेंगे। उत्तरदायित्वों के निर्वहन हेतु यथावांछित सहयोग उन्हें अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष(प्रथम), उपाध्यक्ष(द्वितीय), प्रमुख महासचिव, महासचिव(प्रशासन), महासचिव(कार्यान्वयन) तथा महासचिव(एडवोकेसी) द्वारा दिया जायगेा। सभी सदस्य अपने-अपने आवंटित उत्तरदायित्वों के निर्वहन की प्रगति की जानकारी नियमित रूप से प्रति माह की 15 तारीख को अपने-अपने प्रकोष्ठों के संयोजकों, महासचिव(प्रशासन), महासचिव(कार्यान्वयन), महासचिव (एडवोकेसी) के माध्यम से प्रमुख महासचिव को देंगे। प्रमुख महासचिव तदनुसार संकलित आख्या प्रबंधकारिणी की हर बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत किया करेंगे।

भावना की आर्थिक स्थिति मजबूत करने हेतु तथा जनहितकारी कार्यक्रमों को गति देने हेतु विशेष प्रयास करने आवश्यक हैं। इसी उद्देश्य से समिति के विगत वार्षिक महाधिवेशनों के अनुरूप अगले वार्षिक महाधिवेशन में भी निम्नलिखित उत्कृष्ट कार्यों के लिए भावना-सदस्यों को स्मृति-चिन्ह तथा/अथवा प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जायेगाः

• एक सत्र में 20 या अधिक आजीवन सदस्य बनवाने वाले प्रत्येक प्रेरक सदस्य को।
• एक सत्र में अधिकतम (किन्तु 20 से अधिक) आजीवन सदस्य बनवाने वाले प्रेरक सदस्य को।
• एक सत्र में 10 या अधिक विशिष्ट सदस्य बनवाने वाले प्रत्येक प्रेरक सदस्य को।
• एक सत्र में अधिकतम (किन्तु 10 से अधिक) विशिष्ट सदस्य बनवाने वाले प्रेरक सदस्य को।
• एक सत्र में 50,000 रुपए या अधिक धनराशि का दान एकत्रित करने वाले प्रत्येक प्रेरक सदस्य को।

• एक सत्र में अधिकतम धनराशि (किन्तु 50,000 रुपए से अधिक) का दान एकत्रित करने वाले प्रेरक सदस्य को।
• एक सत्र में अति-उत्तम कार्य करने वाले प्रबंधकारिणी के सदस्यों को।
• एक सत्र में सर्वोत्तम कार्य करने वाले प्रबंधकारिणी के किसी एक सदस्य को।

प्रमुख महासचिव द्वारा प्रति माह संकलित की गईं प्रगति-आख्याओं तथा प्रबंधकारिणी की बैठकों के कार्यवाही विवरणों पर सम्यक विचारोपरान्त माननीय अध्यक्ष, माननीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, माननीय उपाध्यक्ष(प्रथम) तथा माननीय उपाध्यक्ष (द्वितीय) मिल कर निर्णय लेंगे कि किन किन सदस्यों को उपरोक्तानुसार सम्मानित किया जाएगा। नामों की घोषणा अगले वार्षिक महाधिवेशन के ठीक पहले होने वाली प्रबंधकारिणी की बैठक में की जायेगी। अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष(प्रथम) तथा उपाध्यक्ष (द्वितीय) की उपलब्धियाँ श्रेष्ठ तथा/अथवा श्रेष्ठतम होने के बावजूद इन्हें इस पुरस्कार योजना में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

संदर्भगत चुनाव-सत्र में **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन.सी.आर.) शाखा** के अध्यक्ष तथा सचिव के पदों का चुनाव अभी तक सम्पन्न नहीं हो सका है। अतः चुनाव होने तक के लिए अथवा अधिकतम एक वर्ष के लिए, जो भी कम हो, **शाखा अध्यक्ष के पद पर पहले से निर्वाचित चल रहे माननीय श्री अनिल कुमार शर्मा तथा शाखा सचिव के पद पर पहले से निर्वाचित चल रहे माननीय डॉ. मुकुल चतुर्वेदी** को मनोनीत किया जाता है।

यमुना एक्सप्रेसवे इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (येडा) शाखा के अध्यक्ष तथा सचिव के पदों का चुनाव सम्पन्न हो चुका है। **शाखा अध्यक्ष के पद पर विशिष्ट सदस्य, माननीय श्री अनिल कुमार शर्मा तथा शाखा सचिव के पद पर विशिष्ट सदस्य, माननीय श्री रवीन्द्र नाथ अवस्थी** निर्वाचित हैं, इसलिए इन पदों पर मनोनयन वांछित नहीं है।

सोनभद्र शाखा के अध्यक्ष तथा सचिव के पदों का चुनाव भी अभी तक सम्पन्न नहीं हो सका है। अतः चुनाव होने तक के लिए अथवा अधिकतम एक वर्ष के लिए, जो भी कम हो, शाखा अध्यक्ष के पद पर ओबरा निवासी आजीवन सदस्य, माननीय श्री देवी दयाल गुप्ता को तथा शाखा सचिव के पद पर डॉ. उदय नारायण सिंह को पुनर्मनोनीत किया जाता है।

उन्नाव शाखा के अध्यक्ष तथा सचिव के पदों का चुनाव भी अभी तक सम्पन्न नहीं हो सका है। अतः चुनाव होने तक के लिए अथवा अधिकतम एक वर्ष के लिए, जो भी कम हो, शाखा अध्यक्ष के पद पर उन्नाव निवासी आजीवन सदस्य, माननीय श्री शिव शंकर प्रसाद शुक्ल को तथा शाखा सचिव के पद पर श्री कृष्ण पाल द्विवेदी को मनोनीत किया जाता है।

जगत बिहारी अग्रवाल, प्रमुख महासचिव

ग्राम्यांचल व निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ

०५ जनवरी २०१९ को लखनऊ बिजनौर रोड पर स्थित भावना द्वारा संचालित अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र पर पढ रहे बच्चों को भारतीय वरिष्छ नागरिक समिति के ग्राम्यांचल व निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ द्वारा गर्म स्वेटरों को वितरण किया गया। इस प्रकोष्ठ के सचिव एवं भावना के उपमहासचिव श्री देवेन्द्रस्वरूप शुक्ल जी सपत्नीक पधारे। उपाध्यक्ष श्री तुंगनाथ कनौजिया, महासचिव प्रशासन श्री जे.बी.अग्रवाल जी, उपमहासचिव श्री सतपाल सिंह जी, ग्राम्यांचल व निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ के सक्रिय सदस्य श्री रमेश प्रसाद जायसवाल जी तथा अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र के सचिव श्री अमरनाथ की उपस्थिति में ३५ बच्चों को स्वेटर बाँटे गये।

२६ जनवरी-२०१९ को गणतंत्र दिवस समारोह पर, इसी केन्द्र पर पढ़ रहें बच्चों कों ग्राम्यांचल व निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ द्वारा नाश्ते के पैकेट वितरित किए गए।

कम्बल वितरण : भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति से सम्बद्ध विद्युत पेंशनर्स परिषद उ.प्र. की निर्धन जन सेवा के तहत भावना के सक्रिय सदस्य श्री एच.एन.मिश्रा द्वारा ग्राम-बिसरापार, ग्राम पंचायत- बिसया हन्नू जिला संतकबीर नगर, उ.प्र. में दिनांक २५.१२.२०१८ को ४१ गरीब व्यक्तियों को कम्बल वितरित किए गए।

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति की प्रबन्धकारिणी की गोयल फार्म हाउस, जेनसिस क्लब परिसर, कुर्सी रोड, लखनऊ में 27 मार्च, 2019 को हुई बैठक का कार्यवृत्त

सौजन्य से : माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल, श्री सुशील शकंर सक्सेना, श्री ओम शकंर गौतम, श्री मनोज कुमार गोयल, श्री आदित्य आकाश सिंह, श्री जग मोहन लाल वैश्य, श्री लक्ष्मी कान्त झुनझुनवाला तथा श्री दिनेश चन्द्र वर्मा।

उपस्थिति :

प्रबंधकारिणी के संरक्षक, प्रबंधकारिणी के सदस्य तथा स्थाई आमंत्री : 27 सदस्य।

अन्य विशिष्ट सदस्य तथा विशेष आमंत्री : 14 सदस्य। अनुपस्थित पदाधिकारी : 35 सदस्य।

कार्यवाही विवरण : माननीय अध्यक्ष महादेय के सभापतित्व में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए:-

1. प्रबन्धकारिणी की 03 फरवरी, 2019 को हुई बैठक का कार्यवाही विवरण विचारोपरान्त अनुमोदित कर दिया गया।

2. 11 मार्च, 2019 को राय उमानाथ बली प्रेक्षाग्रह, कैसरबाग, लखनऊ में सम्पन्न हुए के उन्नीसवें वार्षिक महाधिवेशन के कार्यवाही विवरण तथा पारित प्रस्तावों को अनुमादेन हेतु सभा में पढ़ कर सुनाया गया जिन्हें सभा ने विचारोपरान्त अनुमोदित कर दिया।

3. सभा में उपस्थित के नये बने/बनने वाले सदस्यों श्री उपेन्द्र कुमार वाजपेई एवं श्री नरेन्द्र बहादुर सिंह चौहान का परिचय कराया गया। सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से नये सदस्यों का स्वागत किया।

4. अध्यक्ष महोदय ने बड़ी चिन्ता के साथ सभा को अवगत कराया कि 11 मार्च, 2019 को राय उमानाथ बली प्रेक्षाग्रह, कैसरबाग, लखनऊ में आयोजित हुए समिति के उन्नीसवें वार्षिक महाधिवेशन में, यद्यपि कोरम पूरा था तथापि, प्रबंधकारिणी के 32 सदस्य अनुपस्थित थे। अध्यक्ष महादेय ने प्रबंधकारिणी के सभी निर्वाचित/मनोनीत पदाधिकारियों तथा सदस्यों एवं स्थाई आमंत्रियों से अपेक्षा की कि वे भविष्य में होने वाली समिति की ऐसी सभी आकार की बैठकों तथा कार्यक्रमों में अवश्य ही उपस्थित हुआ करेंगे जिनमें उनकी उपस्थिति अपेक्षित होगी।

5. वर्ष 2019-20 के लिए प्रबंधकारिणी में सदस्यों को मनोनीत करने हेतु सभा में विचार किया गया और सभा ने इसके लिये माननीय अध्यक्ष महादेय को अधिकृत कर दिया।

6. वर्ष 2019-20 में के विभिन्न प्रकार के दायित्वों के निर्वहन हेतु प्रकोष्ठों के गठन तथा उन प्रकोष्ठों के सचिव/संयोजक एवं सदस्यों को नियुक्त करने के लिये भी सभा ने माननीय अध्यक्ष महादेय को अधिकृत कर दिया। अध्यक्ष महादेय ने सभा में उपस्थित सदस्यों से अनुरोध किया कि जो सदस्य इन प्रकोष्ठों में कार्य करना चाहते हैं वे अपना नाम उनको विलम्बतम 30 मार्च, 2019 तक दे दें जिससे प्रकोष्ठों में नियुक्ति का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जा सके। 7. श्री अमरनाथ ने निवदेन किया कि वे व्यक्तिगत कारणों से तत्काल प्रभाव से समिति के अतंर्गत सभी पदों एवं दायित्वों से स्वयं को मुक्त करना चाह रहे हैं। इस पर अध्यक्ष महोदय उनसे पुनः वार्ता कर निर्णय लेंगे।

8. अध्यक्ष महादेय ने सभा को अवगत कराया कि नोयडा की Miracle Marcom Solutions नामक एक इवेन्ट मैनेजमेन्ट कम्पनी लखनऊ में के बैनर तले बुजुर्गों के लिये Joint Pain & Its Management विषय पर एक कार्यशाला आयोजित करना चाहती है। उनके प्रतिनिधि श्री अशुंमान पाण्डेय ने इस विषय में स्वयं लखनऊ आकर अध्यक्ष महोदय से वार्ता करके लिखित में निम्नानुसार स्पष्ट किया है:

Tentative Program Agenda

- Welcome address & program introduction (5-10 mins).
- Physiotherapy workshop (15-20 mins) by a senior Physiotherapist.
- Interactive Talk & Presentation on Arthritis (15-20 mins) by a senior Orthopedic Surgeon.
- Gait Analysis/Video Workshop (10-15 mins).
- Questions & Answers Session (10-15 mins). Expected deliverables from BHAVANA
- Assured gathering of around 150 persons.

• Booking of suitable venue with adequate sitting arrangement and dias/podium etc.
• Management of audience at the venue. Deliverables from MM Solutions
• Doctor, Physiotherapist, other medical staff as required.
• All audio-visual equipment as needed.
• Promotional material: Banners/posters/pamphlets, e-mailers, personal invites.
• Vegetarian dinner. Declaration by MM Solutions "Our objective for this program is awareness only. We don't promote any company or product in any way in our programs. We don't charge anything from the associating organization or the participating audience."

सभा ने इस प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त करते हुए निर्णय लिया कि यह कार्यशाला रविवार, 28 अप्रैल, 2019 को शाम 05:00 बजे से Institution of Engineers के प्रेक्षागृह में आयोजित की जाएगी। सभा में उपस्थित भावना के विशिष्ट सदस्य माननीय श्री प्रभात किरन चौरसिया, जो Institution of Engineers के महासचिव भी हैं, ने सभा के इस निर्णय की पुष्टि करते हुए तत्काल घोषणा भी कर दी कि प्रस्तावित कार्यशाला हेतु Institution of Engineers का प्रेक्षागृह निःशुल्क उपलब्ध होगा। सभा ने निर्णय लिया कि प्रस्तावित कार्यशाला भावना तथा Institution of Engineers का संयुक्त प्रकल्प माना जाएगा और तदनुसार सभी बैनरों/निमंत्रणों/पर्चों आदि में दोनों संस्थाओं के नाम अंकित होंगे। कार्यक्रम के अंत में सभा में उपस्थित सभी सदस्यों की ओर से तथा अपनी ओर से भी अध्यक्ष महादेय ने बैठक के मेजबान सदस्य माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल, श्री सुशील शकंर सक्सेना, श्री ओम शंकर गौतम, श्री मनोज कुमार गोयल, श्री आदित्य आकाश सिंह, श्री जग माहेन लाल वैश्य, श्री लक्ष्मी कान्त झुनझुनवाला तथा श्री दिनेश चन्द्र वर्मा को धन्यवाद दिया एवं सभी को जलपान व होली मिलन कार्यक्रम के लिये आमंत्रित किया।

ओम प्रकाश पाठक, महासचिव (प्रशासन)

महासचिव (प्रशासन) के पत्रांक 005/2923 दि. 30/3/19 द्वारा प्रसारित।

लोहिया में तीमारदारों को मिलेगा मुफ्त भोजन

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और लोहिया अस्पताल, लखनऊ में प्रसादम सेवा का शुभारंभ किया गया। विजय श्री फाउंडेशन की ओर से इस सुविधा की शुरूआत की गई। डीएम कौशल राज शर्मा और लोहिया संस्थान के निदेशक प्रो. ए.के. त्रिपाठी ने प्रसादम सेवा के बहुउद्देशीय हाल का उद्घाटन किया। डीएम ने इस मौके पर कहा कि अब तीमारदारों को भोजन के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। अभी मरीज के इलाज के साथ-साथ दो वक्त की रोटी के लिए भी वह भटकते थे। लोहिया संस्थान के निदेशक प्रो. ए.के. त्रिपाठी ने कहा कि यह बहुत पुण्य का काम है और हमें पूरा भरोसा है कि गुणवत्तापरक सुविधा यहां मिलेगी। विजयश्री फाउंडेशन के प्रबंधक विशाल सिंह ने कहा कि बहुउद्देशीय हाल में भोजन करने की व्यवस्था के साथ-साथ बच्चों के खेलने के लिए खिलौने और लोगों के लिए ध्यान कक्ष की सुविधा भी है।

ज्ञातव्य है कि प्रसादम् सेवा और भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना) इस कार्यक्रम को सामूहिक रूप से चला रहे हैं। लोहिया अस्पताल से पहले यह सुविधा केजीएमयू के तीमारदारों के लिए भी चालू की गई थी। इस प्रकार अब दोनों अस्पतालों में यह सुविधा अनवरत चलती रहेगी। (जागरण-8.3.19)

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना)

के

सभी सम्माननीय सदस्यों एवं उनके परिजनों

को

रंगों के पर्व

होली

के उपलक्ष्य में

हार्दिक बधाई एवं शुभ कामनायें।

अमर नाथ मिश्रा

नागरिक सुरक्षा समिति

यहियागंज, लखनऊ

मो.‘ 9415026048

GSTIN : 0+AACCV9915G1ZZ

Vipraa Earth Power Pvt. Ltd.

AN ISO CERTIFIED COMPANY

Approved by :

Central Power Research Institute,
U.P. Electrical Safety, MES, ISRO, HAL
UPPWD, UPRNN, Public Sector Banks
(SBI, PNB, Allahabad Bank)

विप्रा अर्थ पावर प्रा. लि.

द्वारा विगत 15 वर्षों से विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी एवं आवासीय परिसरों में प्रयोग हो रहे इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सुरक्षा हेतु अर्थिंग का कार्य सफलतापूर्वक गारण्टी सहित उचित मूल्य पर किया जा रहा है।

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति के सदस्यों को
निर्धारित दरों पर 50% की विशेष छूट प्रदान की जायेगी।

सम्पर्क :

अंकुर सक्सेना

मो. : 9795999969

Office : C-98, Nirala Nagar, Lucknow
Phone : 0522-4002327 Mobile : +91-9307999969, +91-9935888887
E-mail : vipraaearthpowerpl@gmail.com
Web : www.vipraaerthpower.com

भावना का नववर्ष मिलन समारोह

अमरनाथ

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना) द्वारा श्री मनोज कुमार गोयल जी के सौजन्य से लखनऊ- कुर्सी रोड पर स्थित गोयल फार्म हाउस पर दिनांक ०६ जनवरी २०१९ को, अपने सदस्यों का नववर्ष मिलन समारोह आयोजित किया गया। श्री तुंगनाथ कनौजिया (उपाध्यक्ष) के सभापतित्व और श्री जे.बी.अग्रवाल (महासचिव प्रशासन) के संचालन में चला यह आयोजन अपनी मीठी यादें छोड़ गया। विभिन्न सदस्यों नें इस रंगारंग कार्यक्रम में बड़े उत्साह से भागीदारी की। भावना संदेश के संपादक श्री सुशील कुमार जी ने 'छुक छुक रेल चली जीवन की' गाकर श्रोताओं का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया। श्री अमरनाथ ने 'जय बोलो श्रीराम की' भजन गाकर वातावरण को श्रीराममय बनाया। श्री जगमोहन लाल जायसवाल जी ने भावना के विभिन्न प्रकोष्ठों द्वारा संचालित भिन्न कार्यक्रमों को एक गीत की शक्ल देकर भावना की उपादेयता पर प्रकाश डाला। श्री गिरिधर गोपाल जी द्वारा एक आध्यात्मिक रचना द्वारा सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

ऐसा जीवन जियें जगत में,सब पूजा बन जाये।
ईश्वर सब कुछ देख रहा है, गुप्त हस्त-अभिलेख रहा है।
उसकी सजग दृष्टि से तुम, क्या लोगे कर्म छुपाय?
ऐसा जीवन जियें जगत में, सब पूजा बन जाये।।

श्री राजेन्द्रप्रतापसिंह जी ने एक उपदेशात्मक वक्तव्य देते हुए कहा कि-मेरे मित्र एक अधिकारी हैं। उनके पिता भी बड़े अधिकारी थे। उनके पिता जी ने कहा कि,'मैं ईमानदार नहीं रह पाया,जीवन में,लेकिन तुम पूरी तरह ईमानदार रहना। यही मेरी सेवा होगी। मैनें तुम्हारे और तुम्हारे बच्चों के लिए काफी कमाकर रख दिया है।'

श्री सुरेश चन्द्र ब्रह्मचारी जी ने अनुशासन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि- 'पढ़ाई, कमाई, दवाई, बिदायी में अनुशासित जीवन रखें। पर्यावरण के प्रति जागरूकता रक्खें। वृक्षों के बारे में कहा कि-

देते अमृत, करते विषपान, ये वृक्ष नहीं, शंकर समान।

श्री प्रभात किरण चौरसिया जी ने नववर्ष की शुभकामनायें व्यक्त करते हुए कहा-

नित नूतन, नव नवल नभ, हालैं हर्ष हिलोर।
चंचल, चकित, चकोर चित, चारु चन्द्र चहुँ ओर।
डगमग डगर न हो जीवन की, वक्र व्याधि वरु ना बहुरै।
हो प्रभात पथ पूर प्रफुल्लित, वर्ष नवीन निरोग करै।।

भावना प्रसादम् सेवा के संचालक श्री विशाल सिंह जी द्वारा लखनऊ के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों के गरीब परिचारिकों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने की योजना पर प्रकाश डालते हुए सभी से सहयोग की अपील की। जो सदस्य एक मुश्त सहयोग नहीं दे सकते उनके लिये गुल्लक योजना प्रक्रिया को समझाते हुए कुछ सदस्यों को उनकी मांग पर गुल्लक उपलब्ध कराई। श्री नरेन्द्रनाथ ने प्रसिद्ध फिल्म संगीत सम्राट तानसेन का प्रसिद्ध गाना- झूमती चली हवा, याद आ गया कोई- गाकर फिजा को संगीतमय बना दिया। श्री हरीश चन्दर जी ने नववर्ष के उपलक्ष में कुछ सदस्यों को नववर्ष गिफ्ट दिए।

शानदार नाश्ता, लजीज भोजन, बैठने की उत्तम व्यवस्था, जगह-जगह जलते अलाव, माइक, साउण्ड सिस्टम, झरझर बहते हुए झरने की झलझल के बीच इतनी सुन्दर व्यवस्था करना निःसंदेह श्री एवं श्रीमती मनोजकुमार गोयल जी की विशिष्ट स्वागत शैली छलका रही थी। यह युगल प्रतिवर्ष अपने फार्म हाउस पर इसी प्रकार के आयोजन करके अपनी गुणग्राहकता से परिचय कराता है। लेकिन भावना के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के तीन मुख्य स्तम्भ सर्वश्री देवकी नंदन शांत, उदय भान पांडे, अशोक मेहरोत्रा जी की एक साथ अनुपस्थिति प्रकृति को भी इतनी खल रही थी कि उसने क्षुब्ध होकर बीच में ही हल्की बूँदाबाँदी करके कार्यक्रम के रंग में भंग घोलने का प्रयास किया। भावना के अनेक शीर्ष पदाधिकारी भी इस मिलन अवसर पर अपने-अपने व्यक्तिगत कारणों से नजर नहीं आ रहे थे। यथा- श्री विनोद कुमार शुक्ल, अध्यक्ष, श्री सुशील शंकर सक्सेना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री अशोक मल्होत्रा महासचिव एडवोकेसी, श्री प्रेमशंकर गौतम कोषाध्यक्ष, श्री पाल प्रवीण, श्री सत्यदेव तिवारी, श्री अरुणकुमार जैसी हस्तियों की गैरहाजिरी उस दिन फार्महाउस पर मनोरंजन के रंगीन इन्द्रधनुष नही उतार सकी। इस शानदार आयोजन की सफलता का श्रेय जितना श्री व श्रीमती मनोज कुमार गोयल को जाता है लगभग उतना ही श्रेय सर्व-श्री एस.एन.अग्रवाल, एस.एन.गोयल, डा.नरेन्द्रदेव, आर.एन.मित्तल तथा श्री तुंगनाथ कनौजिया जी को भी हैं क्योंकि इन सभी के आर्थिक, शारीरिक एवं प्रबंधीय व्यवस्था में सहयोग के फलस्वरूप ही यह आयोजन सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ सका।

भावना का होली का रंगारंग कार्यक्रम

दिनांक 27 मार्च, 2019 को सायंकाल 5.00 बजे से होली मिलन समारोह श्री मनोज कुमार गोयल एवं श्रीमती अर्चना गोयल के सौजन्य से उनके कुर्सी रोड स्थित फार्म हाउस में मनाया गया। श्री मनोज कुमार गोयल भावना के महत्वपूर्ण सदस्य हैं। सभी सदस्यों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी तथा सूक्ष्म जलपान के पश्चात लगभग 6 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री अशोक मेहरोत्रा द्वारा सरस्वती वन्दना से किया गया जिसके क्रम में भावना का संकल्प गीत श्री देवकी नन्दन शांत के नेतृत्व में सहयोगी कलाकारों यानि (1) श्री अशोक मेहरोत्रा (2) श्री उदयभान पाण्डेय (3) श्री सुशील कुमार शर्मा एवं श्रीमती रेखा मित्तल द्वारा प्रस्तुत किया गया। सभी श्रोताओं ने खड़े होकर उसका इस्तकबाल किया।

उपर्युक्त औपचारिकताओं के पश्चात् अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों को होली की बधाई देने के बाद होली के उत्सव मनाने हेतु अग्रिम कार्यवाही करने की आज्ञा दी। तदानुरूप प्रसिद्ध भजन गायक श्री चन्द्रेश पाण्डेय के द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत करके शुरूआत की। प्रस्तति उत्कृष्ट स्तर की थी जिसकी प्रशंसा श्रोताओं द्वारा तालियां बजाकर की गई। तत्पश्चात होली के रंगारंग कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए श्री देवकी नन्दन शांत जो कि कार्यक्रम के संयोजक भी थे, एक होली गीत प्रस्तुत किया जिससे परिसर तालियों से गूंज उठा। उसी क्रम में होली का एक संयुक्त गीत 'ब्रज का रसिया' श्रीमती रेखा मित्तल की आवाज में प्रस्तुत किया गया जिसमें कृष्ण की भूमिका श्रीमती अर्चना गोयल ने तथा राधा की भूमिका सुश्री उषा कपूर ने निभाई। कलाकार उपयुक्त वेशभूषा में थे। अतः श्रोताओं को प्रस्तुतीकरण बहुत मनमोहक लगा। कार्यक्रम पूर्व निर्धारित आइटमों के अनुसार आगे बढ़ रहा था तथा श्रीमती प्रेमलता थापर के द्वारा एक गीत प्रस्तुत किया गया जिसके बोल थे 'मेरी खो गई नन्नदिया आज कुम्भ के मेले में' सभी के द्वारा गीत की सराहना की गई। इसके बाद श्री उपेन्द्र बाजपेयी ने एक कविता तथा एक गीत प्रस्तुत किया जिसके बोल थे, 'यह न बता सकूंगा मैं कि मुझको तुमसे है प्यार क्यूं' प्रस्तुतीकरण उत्कृष्ट था। कार्यक्रम में थोड़ा परिवर्तन लाने के लिये अब मंच पर एक हास्य नाटिका प्रस्तुत की गई जो कि सास बहू की नोक-झोक पर आधारित थी। इस नाटिका में सुश्री रेखा मित्तल सास की भूमिका में, सुश्री उषा कपूर बड़ी बहु तथा सुश्री अरूणा गुप्ता छोटी बहू के रूप में उपस्थित हुईं। सभी कलाकारों का अभिनय उत्कृष्ट स्तर का था। अतः श्रोताओं द्वारा तालियां बजाकर प्रसन्नता व्यक्त की। श्रीमती रेखा मित्तल एक अच्छी गायिका हैं साथ ही अभिनय करने में भी पारंगत हैं जो भावना के लिए गर्व की बात है। पुनः गीत संगीत की ओर बढ़ते हुए एक होली गीत श्री अशोक मेहरोत्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसके बोल थे 'बह रही फागुनिया ब्यार मन में लेते हिलोरे प्यार के सावन आयो रे'। श्री अशोक मेहरोत्रा की दिलकश आवाज में यह गीत अत्यन्त प्रशंसनीय रहा। इसके पश्चात श्री दीपक कुमार पन्त के द्वारा राग खमाज पर आधारित एक बंदिश प्रस्तुत की गई जिसके बोल थे 'पनघट मुरलिया बाजे सखी' राग खमाज रात्रि का राग है, अतः प्रशंसनीय रहा। तत्पश्चात श्री विनोद कुमार शुक्ल, अध्यक्ष के द्वारा फिल्म जागृति के गीत पर आधारित एक पैरोडी प्रस्तुत की जो अत्यंत प्रशंसनीय रही एवं परिसर तालियों से गूंज उठा।

अब कविता का दौर आया जिसमें श्री सुशील शंकर सक्सेना वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ. नरेन्द्र देव, श्री मनोज कुमार गोयल, श्री अरुण कुमार, श्री इकबाल रिज़वी तथा श्री जगमोहन लाल जायसवाल द्वारा अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। यह प्रस्तुतियां एक से बढ़कर एक रहीं तथा श्रोताओं ने जमकर तालियां बजायीं।

उपर्युक्त के क्रम कें श्री प्रभात किरन चौरसिया के द्वारा कई चुटकुले प्रस्तुत किये गये जिससे परिसर में हर्षोल्लास का वातावरण उत्पन्न हो गया। अतः इसको ध्यान में रखते हुए श्री सुशील कुमार शर्मा ने भी एक हास्य गीत प्रस्तुत किया जिसमें एक ही गीत को तीन धुनों में प्रस्तुत किया। यह म्यूजिकल मिमिक्री एक अनोखा आइटम था जिसकी खूब प्रशंसा हुई। कार्यक्रम का समापन श्री उदयभान पाण्डेय के द्वारा दो होली के गीतों से हुई। श्री पाण्डेय ने अपने गीतों के साथ हारमोनियम भी स्वयं ही बजाया जो एक निपुण कलाकार की पहचान है। दोनों प्रस्तुतियां उत्कृष्ट थी जिनकी श्रोताओं द्वारा

बहुत प्रशंसा की गई।

इस प्रकार पूर्व निर्धारित सांस्कृतिक कार्यक्रम बड़े अच्छे ढंग से समाप्त किया गया। श्री देवकी नन्दन शांत लगातार मंच पर बने रहे और उन्होंने स्वयं भी समय-समय में होली के टप्पे प्रस्तुत करके श्रोताओं का मन जीत लिया। भावना के लिए यह गर्व की बात है कि श्री शांत एक कुशल संचालक तो है हीं, ये उत्कृष्ट कलाकार भी हैं। इसके पश्चात वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील शंकर सक्सेना के द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रेषित किया गया जिसमें उन्होंने सभी कलाकारों का नाम लेते हुए धन्यवाद दिया। उन्होंने निम्नलिखित सदस्यों का विशेष आभार व्यक्त किया जिनके सौजन्य से भोजन इत्यादि की उत्कृष्ट व्यवस्था हुई।

(1) श्री विनोद कुमार शुक्ल (2) श्री सुशील शंकर सक्सेना (3) श्री प्रेमशंकर गौतम (4) श्री मनोज कुमार गोयल (5) श्री आदित्य प्रकाश सिंह (6) श्री जगमोहन लाल वैश्य (7) श्री लक्ष्मी कान्त झुनझुनवाला (8) श्री दिनेश चन्द्र वर्मा।

श्री सक्सेना ने वाद्य कलाकारों को एवं साउंड व्यवस्था के लिये भी सभी को धन्यवाद दिया जिनका कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान पाया गया। इसका विवरण निम्नवत है :

(1) की-बोर्ड पर श्री चन्देश पाण्डेय (2) तबले पर श्री शीतला प्रसाद (3) ढोलक पर श्री छवि (4) मंजीरा बजाने हेतु श्री अनुज (5) श्री लक्ष्मी साउंड

इस प्रकार श्री शांत के द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया तथा अन्त में भोजन उपरान्त सभी प्रसन्नचित अवस्था में विसर्जित हुए।

इं. सुशील कुमार शर्मा
सम्पादक

होली बच्चे, बूढे और जवान, रिश्ते नाते, हमजोली।
ले पिचकारी हाथ में, निकल पड़ी मस्तों की टोली।
लाल हरे, नीले पीले, रंगों की हो रही बौछार।
मुबारक हो, मुबारक हो, सभी को होली का त्योहार।।
अबीर गुलाल लिए हाथों में, दिल में ले के प्यार
ढूँढ रहे हैं अपनी अपनी प्रेमिका, नहीं होता अब इंतजार।
लगा गुलाल गालों पर, डाल रंगों की बौछार
हर कोई करना चाह रहा, अपने प्यार का इजहार।
मुबारक हो, मुबारक हो, सभी को होली का त्योहार।।
हमको भी यारों! हो गया, अपनी भावना से प्यार
गले मिलकर आओ करें, अपने प्यार का इजहार।
बीच में आये न कभी, कटुता की दीवार
सुखदुख मेंएकजुट रहें, यह भावना परिवार।
हर दिल में हो मानवता, हर दिल में हो प्यार।
मुबारक हो, मुबारक हो, सभी को होली का त्योहार।।



इंजी. सुशील शंकर सक्सेना,
(वरिष्ठ उपाध्यक्ष, भावना)

<u>पर्व होली का</u>

आज पर्व है होली का, सभी खेलते है रंग रोली।
तुम क्यों सुस्त बैठे हो, आओ, हम सब खेले संग होली।
सब सखियाँ मिल हुड़दंग करती, सबको रंग लगाती है।
आज न कोई बाप है भइया, सभी हमारे हैं संगतिया
कोई कहता मर्यादा का, ध्यान जरा सा रख लो
रंगों से पुते ये चेहरे, एक ही जैसे लगते हैं।
एक ही रिश्ता आज है सबसे, सब पर रंग डालो, और हँस लो
आज किसी को छोड़ेंगे नहीं, सबको रंग में रंग देंगे।
खुशियाँ आज मना लें खुलकर, हँसकर सबको गले लगा लें।
आज जहाँ भी मौका मिल गया, रंग की वहीं पुताई कर देंगे।
आज उन्मुक्त होली का दिन है, हँसेंगे, गायेंगे, खेलेंगे होली।
साल भर के बन्धन को हम आज तोड़कर नाचेंगे।
रंग से सराबोर कर देंगे, झूमझूम कर गायेंगे।
होली का दिन सबसे सुन्दर, आज मना लो जी भरकर।
मन भर कर गुझिया सब खाओ, मालपुआ को खूब उड़ाओ
ढेर उड़ाओ लाल गुलाल।



डॉ.किरण मराली
लखनऊ

होली के तीन रंग

ह से हम ओ से और तुम
ल से लेकर चलें इ से इंडिया आगे।
सारे रंग मिल करें उजाला
कटुता क्रोध तिमिर तम भागे।।
प्रेम प्रगाढ़ पड़े पल-पल में,
पुन्य प्रभात प्रेम रस पागे
शुचि सौहार्द सदा संचरे,
जन-जन-जन जिजीविषा जागे।।

मोहब्बत से मोहब्बत को मोहब्बत हो गई है।
मोहब्बत की मोहब्बत में मोहब्बत खो गई है।
मोहब्बत की मोहब्बत को न कर जाये कोई रुसवा।
मोहब्बत पे मोहब्बत यूं फना अब हो गई है।।



भावना की भावना से ओत-प्रोत भावना।
भावना नहीं है मात्र शब्द पुंज भावना।।
स्वस्थ व सानन्द सदा सचरें वरिष्ठ जन।
इस भाव के आलोक में प्रखर रही हैं भावना।।

प्रभात किरण चौरसिया

टेसू का फूल

टेसू के फूल सा
तुम्हारा मन
मेरे मन के गलियारे में
फाग खेल गया
चुपके से
और होली के हुड़दंग से
बेखबर मैं
पोर-पोर भींग गया।
फिर पता नहीं कब
टेसू के फूल सा
मेरा और तुम्हारा मन
मरुस्थल सी प्यास लिऐ
नवजीवन की आस लिए
अनन्त सागर में डूब गया।
चुपचाप-
टेसू के फूल सा
मेरा और तुम्हारा मन।



उपेन्द्र बाजपेयी

"अवध में धूम मचाई - होली"

आज अवध में धूम मची है, झूम उठी अमराई।
सरजू-तट पर सिय-सँग होली खेल रहे रघुराई।।

होली खेलैं रघुराई, अवध में धूम मची है ।
सँग में सीता माई, अवध में धूम मची है ।।
खेलैं चारो भाई, अवध में धूम मची है ।
होली खेलैं रघुराई, अवध में धूम मची है ।।

केसर-रंग मारें पिचकारी,
भीजैं बाल-बृंद, नर-नारी।
अबीर-गुलाल उड़ाई, अवध में धूम मची है।।
होली खेलैं रघुराई, अवध में धूम मची है...

बाजै ढप-ढम, ढोल-मजीरा,
सब मिलि गावैं फाग-कबीरा।
नाचौं चारो भाई, अवध में धूम मची है ।
होली खेलैं रघुराई, अवध में धूम मची है ।।

नाचौं ब्रह्मा-विष्णु, गजानन,
हनुमत नाचौं होके मगन-मन।

भोले ने भंग जमाई, अवध में धूम मची है।
होली खेलैं रघुराई, अवध में धूम मची है ।।

सुरन सुमन बरसाई, अवध में धूम मची है ।
शोभा बरनि न जाई, अवध में धूम मची है ।।
'भान' करैं अगुवाई, अवध में धूम मची है ।
होली खेलैं रघुराई, अवध में धूम मची है।।



उदयभान पाण्डेय 'भान'

होली और साली

होली पर मिलने को हमसे साली आ रही है
चश्मों पर चमक, गालों पै, लाली छा रही है।
बात करें तो कैसे, आहें भरें तो कैसे
वाइफ की पहरेदारी, नाइफ चला रही है।

काका हाथरसी

दीनानाथ

दीन पुकारे तुम्हें ये नटवर,
आ मेरे भगवान आ मेरे भगवान.....
दीन शरण की आस साधे आया द्वारे पर
कृपालु मन प्रभो अब उठा लो किनारे पर।
भाग्य ने मार दिया भटकता हूँ दर-दर मैं
कहीं शरण न मिले चुप हुआ नमन कर मैं।
आया हूं पास तेरे सुन दयालुता मेरी
करूंगा सेवा प्रभु चाहूं दासता तेरी।
बड़ा तू पापी निन्दनीय कर्म वाला है
तेरे सा कोई नहीं पातकी निराला है
किये जो कर्म तूने जग हंसी उड़ाता है
लाज आयी न तूझे सिर ही चढ़ा जाता है
बिलग होते ही मुझसे वादा किया ऐसा था
भजन करूंगा जाके भोला बना कैसा था
आया जगत में तो लिप्त कर किया मन को
भूल सब वादा गया, भूला भक्ति वन्दन को
कष्ट यदि मिला तुझे तो भूल ने दिलाया है
सदैव याद रहे इसलिए सिखाया है
पापी को तारना तो सहज तेरे वश में है
कितने को तार दिया प्रभो याद जग में है।

इसीलिए शरणागत को अब शरण में लो भगवान-
आ मेरे भगवान ..... (1)

भूलना जग की रीति है आप ना भूलें
गहरे घावों पे लेप लोन का तो न घोलें
भूल कर छोड़ो नाथ शेषनाग शैया को
आय संभालो प्रभु डगमगाती नैया को
पापी अगर मैं तो पाप के विनाशक हो
दुरमति दलन की जो दुष्टता के नाशक हो
डूबती नाव मेरी बचाया नहीं स्वामी
बड़ा अनर्थ प्रभो होगी बड़ी बदनामी
डूबूं पुकार कर तो उर जगत का फट जाये
साथ ही स्वामी तेरा प्रण सदा का टल जाये।
जहान जानता है प्रभो प्रण के रक्षक हैं,
उबारें दीन को व मारें जितने भक्षक हैं
आय के सत्य करो गूंजती इस महिमा को
प्रशस्त पथ को करो, दूर करो कलिमा को
दीन पुकार सुनी दौड़ कर आये नटवर
अपने हाथों में लिया नाव आ गयी तट पर

लो बांध लो नैया को अब कसकर मत भटके इंसान-
आ मेरे भगवान ..... (2)

आई है नाव किनारे प्रभो किधर को गये
कहां मैं ढूंढूं नाथ ध्यान से बिखर जो गये
पहुँचना दर पे तेरे बहुत ही कठिन स्वामी
रास्ते टेढे-मेढ़े भटकता हूं मैं कामी
भूला मैं मार्ग कठिन अन्धकार छाया है
हाथ पसारे सूझे न कठिन ये माया है
बोझ पापों का लिये आत्मा दुखी है मेरी
ठोकरों की ठेक लगी टूटे नहीं कलि बेरी
नाम तेरे हैं कई तो मार्ग भी कई होंगे
कोई सीधे तो कोई गीले दलदली होंगे
बताये मार्ग ऐसा पग मेरे फंसे न प्रभो
कहीं गुणगान, कहीं ध्यान कर, मिलूं मैं प्रभो
मिला गुरू मार्ग चित्तदीप तेल परिपूरन
हुआ प्रकाश मधुर पथिक चला होके मगन
इष्ट कपास खोजि लगन कर से साफ किया
बाती बनाय चित्त दिया को जलाय दिया
खुला प्रकाश ईश का निवास दिखलाया
अब बसूगां यहीं मन शरीर ललचाया

आज्ञा प्रभू की भरी अशीषी वास करो मेहमान-
आ मेरे भगवान, आ मेरे भगवान (3)



सुरेश चन्द्र तिवारी 'पथिक'
लखनऊ

अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र

२६ जनवरी २०१६ को लखनऊ बिजनौर रोड पर स्थित भावना द्वारा संचालित अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र पर पढ रहे बच्चों द्वारा गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह से मनाया गया। ध्वजारोहण, राष्ट्रगान के बाद, राहुल, आकाश, विष्णु, रमाकांत, चाँदनी-१, चाँदनी-२, मुस्कान, रेश्मा, शांति, व सुमन द्वारा नृत्य व संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत करके सभी उपस्थित जन-समुदाय का मन मोह लिया।इस अवसर पर भावना के उपाध्यक्ष श्री तुंगनाथ कनौजिया, ग्राम्यांचल व निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ के इंचार्ज एवं उपमहासचिव श्री देवेन्द्रस्वरूप शुक्ल, उपमहासचिव श्री सतपाल सिंह,श्री महेश चन्द्र सक्सेना, श्री चन्द्र भूषण तिवारी, श्री दिलीप वीराणी, श्री अमर नाथ, श्री प्रमोद कुमार वर्मा के अतिरिक्त स्थानीय निवासी भी उपस्थित थे। सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करनो वाले सभी प्रतिभागियों को बीस बीस रुपये नकद पुरुस्कार दिया गया तथा समस्त उपस्थित जनसमुदाय और बच्चों को मिष्ठान्न वितरित किया गया। श्री सतपाल सिंह जी द्वारा बच्चों को फल और श्री तुंगनाथ कनौजिया द्वारा बिस्कुट वितरित किए गए। श्री दिलीप वीराणी, व श्री प्रमोद कुमार वर्मा जी द्वारा इस स्कूल के संचालन में सहयोंग हेतु आर्थिक सहायता भी दी।

इसी अवसर पर बैंक ऑफ बड़ौदा, सरोजिनी नगर शाखा, लखनऊ द्वारा सभी बच्चों को स्टेश्नरी व फल वितरित किए गये। इस शाखा से आए, प्रबंधक श्री राजपाल जी, श्रीमती गरिमा रस्तोगी जी, श्री अनिल कुमार जी, श्रीमती साधना सिंह जी ने अत्यंत जोश-खरोश के साथ पूरे कार्यक्रम में अपनी सहभागिता की और वहाँ पढ़ रहें बच्चों का उत्साहवर्धन किया। श्री राजपाल जी ने बच्चों को बैंकिंग योजनाओं का महत्व भी समझाया। (फोटो अलग छपे हैं)

अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र के बच्चों को यूनीफार्म का वितरण

१४ अप्रैल २०१६ को अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र के ४६ बच्चों को यूनिफार्म का निःशुल्क वितरण किया गया। यू.एस.ए. अवस्थित श्री सुधाकर राव जी ने भावना द्वारा संचालित जब इस केन्द्र के बारे में सुना तो उन्होंने इसमें पढ़ने वाले सभी बच्चों को यूनीफार्म देने का मन बनाया और अपने परिचित तथा भावना के महासचिव (एडवोकेसी) इंजी. सतपाल सिंह जी को आवश्यक धनराशि उपलब्ध करा दी। श्री सतपाल सिंह जी ने अनेक यूनीफार्म डीलर्स से सम्पर्क करके खूबसूरत, मजबूत और वाजिब मूल्य की यूनीफार्म की व्यवस्था करके उक्त दिनांक को वितरित करवाई। लड़कियों के लिए कमीज, ट्यूनिक और बेल्ट तथा लड़कों के लिए कमीज, नेकर और बेल्ट वितरित किए गये। कमीज की जेब पर ठभ।ट।छ। शब्द कढ़ा हुआ है और बेल्ट पर भावना का लोगो। इस केन्द्र पर कार्यरत दोनों महिला शिक्षकों को एक-एक साड़ी भी दी गई। इस अवसर पर भावना परिवार से श्री विनोद कुमार शुक्ल, अध्यक्ष, श्री सुशील शंकर सक्सेना वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री जे.बी. अग्रवाल प्रमुख महासचिव, श्री ओम प्रकाश पाठक महासचिव, प्रशासन, श्री राजदेव स्वर्णकार, श्री ए.पी. सिंह, श्री एम.सी. एक्सेना, श्री एस.एम. दयाल, श्री ओ. एस. अस्थाना, श्री एस.के. मिश्रा, श्री चन्द्रभूषण तिवारी, श्री अमरनाथ, श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह जी उपस्थित थे। (फोटो अलग छपे हैं)

राज्यकर्मियों को अब मिलेगी निजी अस्पतालों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति

प्रदेश के लाखों राज्य कर्मचारियों के लिए यह राहत भरी खबर है कि पहले की तरह उन्हें अब फिर निजी अस्पतालों से चिकित्सा प्रतिपूर्ति मिल सकेगी। एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने पिछले साल प्रतिपूर्ति पर रोक लगा दी थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे आर्डर जारी करते हुए फिर से प्रतिपूर्ति को हरी झंडी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जानकारी लगते ही कर्मचारियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्नेहलता सिंह सेलेंटा व अन्य द्वारा दायर जनहित याचिका पर नौ मार्च, 2018 को आदेश जारी कर प्राइवेट डॉक्टरों या निजी अस्पतालों से सरकारी कर्मचारियों द्वारा कराए गए इलाज पर व्यय की प्रतिपूर्ति करने पर रोक लगा दी थी। हालांकि इसके बाद भी प्रतिपूर्ति होती रही लेकिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा 25 अक्टूबर को इस बाबत निर्देश जारी किए जाने के बाद प्रतिपूर्ति पर पूरी तरह रोक लग गई थी। इसे लेकर सभी संवर्गों के राज्य कर्मचारियों व अधिकारियों में नाराजगी बढ़ गई थी। कई संगठनों की ओर से लगातार मांग किए जाने के बाद कर्मचारी नेताओं की बातें दिसंबर में मुख्य सचिव अनूप चंद्र पांडेय के साथ बैठकें हुई, जिसके क्रम में 20 दिसंबर को आदेश जारी कर नौ मार्च, 2018 को हाईकोर्ट का आदेश आने से पहले के प्रतिपूर्ति के मामलों में भुगतान को मंजूरी दे दी गई।

राज्य सरकार को अधिकार : कर्मचारी संगठनों की मांग पर राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति यात्रिका (एसएलपी) दायर की थी। इस पर जस्टिस एसए बोबड़े और जस्टिस गुप्ता ने हाईकोर्ट के आदेश में बदलाव करते हुए निजी अस्पतालों में इलाज पर सरकारी कर्मचारियों को नियमों के तहत चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति का अधिकार राज्य सरकार को दे दिया है। (जागरण-12.1.19)

1- लखनऊ मेट्रो : अतीत के झरोखे से

• वर्ष 2009 में मेट्रो के डीपीआर की शुरूआत हुई थी। • 18 अगस्त 2014 को प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने एलएमआरसी ज्वाइन किया। • 27 सितंबर 2014 को मेट्रो काम का शुभारंभ तत्कालीन सीएम अखिलेश यादव ने किया। • सात नवंबर 2014 को फ्रांस की कार्यदायी संस्था सिस्ट्रा ने मेट्रो के आठ स्टेशनों के लिए सर्वे शुरू किया। • 12 नवंबर 2014 को मेट्रो को एलडीए, आवास विकास व यूपी सरकार से मिले 107.16 करोड़। • 13 नववंबर 2014 को मेट्रो ने सड़कों पर तैनात करवाए मार्शल। • सात अप्रैल 2015 को 80 कोचों का टेंडर हुआ। • सात सितंबर 2015 को कोच बनाने का काम एलस्टॉम कंपनी को मिला। • 11 दिसंबर 2015 को जापान से पटरियां लखनऊ आई। • नौ मई 2016 को मेट्रो कोच का थ्री डी प्रेजेंटेशन हुआ। • एक अगस्त 2016 को भूमिगत स्टेशन बापू भवन पर काम शुरू। • 19 नवंबर 2016 को लखनऊ पहुंचे मेट्रो के कोच। • 29 नवंबर 2016 को मेट्रो का ट्रायल। • 19 नवंबर 2016 को तत्कालीन सीएम अखिलेश ने मेट्रो ट्रायल को दिखाई हरी झंडी। • सात मार्च 2017 को आरडीएसओ ने ओसीलेशन सर्टिफिकेट दिया। • 14 अगस्त 2017 को रेल सुरक्षा आयुक्त ने दिया क्लीयरेंस। • 23 अगस्त 2017 को लखनऊ मेट्रो ने अपना किराया जारी किया। • पांच सितंबर 2017 को सीएम व गृहमंत्री ने दिखाई हरी झंडी। • 24 फरवरी 2019 को 23 किमीं ट्रैक को मिला सीएमआरएस क्लीयरेंस। • आठ मार्च 2019 को नार्थ साउथ कॉरिडोर को दिखाई जाएगी झंडी। • नौ मार्च 2019 को पब्लिक के लिए चलेगी।

स्मार्ट फीचर :- • सभी स्टेशनों पर खुद-ब-खुद रुकेगी मेट्रो। • कंट्रोल रूम से सफर करने वाले यात्री पर रखी जायेगी नजर। • ऑटोमेटिक मशीनों से होगी पांच मिनट में मेट्रो की सफाई। • यात्री इमरजेंसी में ट्रेन ऑपरेटर से सीधे कर सकेगा बात। • गो स्मार्ट कार्ड का बैलेंस कार्ड रीडर से स्टेशनों पर देख सकेंगे। • प्रत्येक कोच में दिव्यांग व्हील चेयर के साथ कर सकेगा सफर। सीसी कैमरे भी लगे होंगे। • मेट्रो को बिना ड्राइवर के भी चलाया जा सकता है। • गो स्मार्ट कार्ड का उपयोग यूपी के अन्य शहरों में चलने वाली मेट्रो में कर सकेंगे। • गो स्मार्ट कार्ड धारकों को स्टेशनों पर मिलेगी मुफ्त वाई-फाई की सुविधा। • मेट्रो रूट का लाइन कंट्रोल रूम में दिखेगा। • बिजली जाने के बाद भी नहीं रूकेगा मेट्रो का संचालन। • मेट्रो के पहियों से पैदा होगी बिजली। • ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेट पांच सेकेंड में खुलेंगे। • 90 सेमी. लंबे बच्चे के लिए खुद खुल जाएंगे ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेट। • इमरजेंसी में क्रू केबिन का दरवाजा सीधे ट्रैक पर खुल सकेगा। • कोच में जलने वाली एलईडी बाहर की रोशनी के हिसाब से कम ज्यादा होती रहेगी। • कोचों में हिन्दी, अंग्रेजी भाषा के जरिए अगले स्टेशन की मिलेगी जानकारी। मेट्रो के डोर 20 सेकेंड में खुद-ब-खुद हो जाएंगे बंद, ड्राइवर के पास रहेगा विकल्प। • कंट्रोल रूम में बैठा अफसर स्टेशन परिसर में तैनात किसी भी कर्मी से कर सकेगा बात।

2- दूसरे राज्यों के डीएल नवीनीकरण में अब एनओसी का झंझट खत्म

किसी भी राज्य से जारी डीएल में एनओसी की अनिवार्यता इसी माह होगी समाप्त

दूसरे राज्यों के वे ड्राइविंग लाइसेंस धारक जो उत्तर प्रदेश में रहते हैं उन्हें अब अपने डीएल के नवीनीकरण और पता परिवर्तन के लिए एनओसी का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। जिस राज्य से डीएल जारी हुआ है वहां से एनओसी लेने के नियमों का बहुत जल्द विराम लगने जा रहा है। वेबपोर्टल पर चल रही प्रक्रिया को इसी माह से प्रदेश में लागू किया जाएगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बीती 28 फरवरी को इस सिलसिले में एक पत्र देश के सभी राज्यों के प्रमुख सचिवों और परिवहन आयुक्तों को भेजा है। महकमा इसी माह प्रदेश में यह व्यवस्था लागू करने की तैयारी में है। पहले देश के अन्य राज्यों से आने वाले ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को अपने लाइसेंस का नवीनीकरण और पता परिवर्तन कराने के लिए एनओसी का इंतजार करना पड़ता था। अभी तक चल रही सारथी व्यवस्था में लाइसेंस वेरीफिकेशन की सुविधा नहीं थी। लिहाजा जब नवीनीकरण के लिए कोई लाइसेंस धारक पहुंचता था तो उसे एनओसी लानी पड़ती थी। एनओसी के इंतजार में उसे रुकना पड़ता था। अब ऐसा नहीं होगा। नई सारथी-4 व्यवस्था में देश के करीब 1100 आरटीओ कार्यालय सीधे जुड़ गए हैं। 29 राज्य व सात केंद्र शासित राज्यों का डाटा एक सिंगिल प्लेटफार्म पर आ गया है। इसमें मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना समेत मात्र तीन राज्य ही ऐसे हैं जो सारथी-4 सॉफ्टवेयर से अभी नहीं जुड़ सके हैं। इन्हें भी जल्द जोड़ा जा रहा है।

यह होगी व्यवस्था : नई व्यवस्था के तहत जैसे ही डीएल का नंबर और उससे जुड़ी जानकारी लाइसेंसधारक का फोटो और हस्ताक्षर दिखने लगेगा और उसका मौके पर ही सत्यापन हो जाएगा जिसके लिए उसे कई दिन तक इंतजार करना पड़ता था। (जागरण-15.3.19)



सिमोन उरांव

झारखंडी पहचान लिये हुए बेहद साधारण वेशभूषा में चुपचाप पर्यावरण के लिए काम करने वाले सिमोन उरांव एक ऐसा नाम जिन्हों ने पर्यावरण को बचाने में खुद को समर्पित कर दिया। एक ऐसी शख्सियत जो न ऊंचे ओहदे पर बैठे हैं और न ही उनकी पास कोई बड़ी डिग्री है.बस उनका हौसला मजबूत है और खुद पर पूरा विश्वांस।

झारखंड की राजधानी रांची से ३० किलोमीटर दूर बेड़ों के रहनेवाले सिमोन उरांव जल संरक्षण, वन रक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए कई काम करते हैं। एक साधारण से व्यक्तित्व वाले सिमोन उरांव, साधारण लोगों के बीच बैठते हैं और घंटों पर्यावरण को बचाने को लेकर विचार विमर्श करते हैं. जंगल बचाने और जंगल बढ़ाने का काम तो सिमोन ने किया ही लेकिन उन्होंने जो दूसरा काम पानी के लिए किया,सराहनीय कदम है।

रांची से करीब ३० किलोमीटर दूर स्थित बेरो इलाके में लोग सूखा और जंगलों की कटाई से परेशान थे। ऐसे में सिमोन उरांव संकटमोचक की तरह सामने आए। एक-एक दिन, एक-एक पल उन्होंने हर पेड़ को सहेजा। नए पौधे लगाए। उन पौधों को अपनी मेहनत के बल पर बड़ा किया और समय ने करवट ली। सिमोन उरांव के प्रयासों की वजह से इलाका ना सिर्फ हरा-भरा बन गया बल्कि आर्थिक रुप से भी खुशहाल बन गया।

सिमोन उरांव ने सिर्फ जंगल ही नहीं बसाए, बल्कि अपनी मेहनत के बल पर बेरो के छह गांवो में हरित क्रांति ला दी। सुनने में अजीब जरूर लगता है पर यह सच है। जो गांव पंद्रह साल पहले बंजर हुआ करता था आज वहां किसान दो -दो फैसलें उगा रहे हैं

इलाके में जब भी सरकारी अधिकारियो ने बाँध और नहर बनाने से अपने हाथ खड़े आकर दिए तब सिमोन ने हार नहीं मानी और गांव वालों के साथ मिलकर खुद ही नहर खोद दी। अब तक वो छह बांध, पांच तालाब और दर्जनों नहर बनबा चुके हैं।'' नतीजा ये है कि जो इलाके सूखा से प्रभावित थे आज यहां के किसान तरक्की कर रहे हैं। सीमोन ने जल संचयन के लिए अकेले ६ गांवों में तालाब खुदवाए और पेड़ लगाकर एक अनोखी मिसाल पेश की। सिमोन जमीन पर गांव वालों का अधिकार मानते हैं। उन्होंने तीर-धनुष लेकर पेड़ों की कटाई का विरोध किया। पर्यावरण संरक्षण के मकसद को पूरा करने के लिए दो बाल जेल जा चुके हैं और दोनों बार अदालत ने उन्हें समाजिक कार्यकर्ता बताकर रिहा कर दिया। सिमोन को पर्यावरण संरक्षण के लिए पहले भी कई पुरस्कार मिले हैं-उन्हें अमेरिकन मेडल ऑफ ऑनर लिमिटेड स्ट्राकिंग २००२ पुरस्कार मिला। विकास भारती विशुनपुर से जल मित्र का सम्मान मिला। झारखंड सरकार की तरफ से साल २०१५ में उन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया।

श्रीमती ममता बनर्जी, गिरीडीह

उम्र

अजब चीज है उम्र, उलझा रही है, समझ जो मिली है, न समझा रही है।
कहते हैं हर दिन की यह बढ़ रही है, मगर सच तो ये है कि घट रही है।
और घट तो रही है, मगर, लगता यही है कि ये बढ़ रही है।
नवजात जो था युवक बन रहा है; इस पथ का सक्षम पथिक बन रहा है।
युवक से पिता और पिता से पितामह, यही उम्र बढ़ने का क्रम चल रहा है।
मिटा दें न क्यों ऐसी उलझन को मन से, जितनी मिली है, जिएं हम जतन से।
धारण करें सच को, मन, क्रम, वचन से, करें त्याग तृष्णा का हम पूरे मन से।
मिले कोई पीड़ित हमें जब व्यथा से, हरें उसकी पीड़ा आत्मीयता से।
वाणी न कटु हो, रहे ध्यान हम को, ये बाण छूटा तो बींधेगा मन को।
मिले प्यार सब को, सभी चाहते हैं, तो प्यार देने से क्यों भागते हैं?
इच्छा न पूरी हो, तो क्रोध बढ़ता है, इच्छा जो पूरी हो, तो लोभ बढ़ता है।
करें धैर्य धारण हर स्थिति में, 'कर्ता' नहीं हम किसी स्थिति में।
एक एक पल अपना अनमोल क्षण है, जतन से जिएं बस मिला जो भी क्षण है।
बीता हुआ कल न आए दुबारा, आने को जो, उस पर वश नहीं हमारा।
जिएं आज को, बस वही है हमारा, चलें इस तरह जिक्र हो बस हमारा।
मिली उम्र जो है, जिएं इस हुनर से, रहें याद बन कर, न जाएं दिलों से।
न पूछें हमें उम्र कितनी मिली है, जितनी मिली क्यों ये उतनी मिली है।
सुलझाएं जितना, उलझ ये रही है। अजब चीज है उम्र, उलझा रही है,
समझ जो मिली है, न समझा रही है। कहते हैं हर दिन कि यह बढ़ रही है,
मगर सच तो ये है कि ये घट रही है।

श्रीमती शारदा गुप्ता, एम.ए., एल.टी.
सी-105, निराला नगर, लखनऊ-226020

An Overview

The 18th Annual Conference of AISCCON 28 & 29 November 2018 at Hyderabad

18th AISCCON National Conference was organized during 29th and 30th November, 2018 in Classic garden, Secunderabad, hosted by the Association of Senior Citizens of Hyderabad (popularly known as Lions Bhawan Association) with the support of a few local Federations like TESCCON and TFESCCON etc.

Registration of delegates was stopped at 1747 and earlier idea of spot registration was given up, One-third of the delegates were women. Together with hired and totally free volunteers, special invitees, accompaniments with VVIPs, felicitated dignitaries and their guests, press and media, speakers, donors and sponsors representatives, stall displayers etc the total number persons who participated exceeded 2050.

Maharashtra sent 622 delegates followed by Odisha 122 and UP 119. AP sent 108 and Telangana accounted for 289. One highlight is that the Telangana state government deputed 94 delegates (more women than men) representing all the 31 districts.

There were eight stalls who displayed their wares and saw brisk business including Hyderabadi Bangles, Sarees, Telangana State Handloom OYO hotel booking, Apollo Hospital, HelpAge, Aisccon, Snacks/Tea, Homemade ready to eat food items & snacks etc. Apollo stall helped hundred with free medical checkup and advice.

For the first time the entire two-day sessions of the conference from inauguration to valedictory were streamed via video and the recording via YouTube was made available. Several persons could watch the proceedings online. Nearly sixteen hours of video recording are available on YouTube.

The venue, Classic Garden, was spacious with greenery, a lot of space to relax, very large halls for conducting technical sessions, appreciable space for dining etc. Acoustics was reasonable good. AC was comfortable. Away from noise din and pollution of the city, it was a remarkable place to have fun. "The conference Halls were decorated with a digital screen as a backdrop. Flexi Banners welcoming delegates, listing out donors, sponsors etc were displayed. There were four more screens to help the audience watch what was happening on the dais.

An attractive souvenir edited by Dr Sobha was brought out and distributed to all. It had 150 pages, 40 advertisements and a mix of some 40 articles in Telugu, English and Hindi.

- From the report prepared by Dr. Padmanbha Vyasamurthy

All India Senior Citizen's Confederation (AISCCON)
Resolutions adopted at the 18th AISCCON National Conference held at Classic Garden, Secunderabad, Telangana on 29th and 30th Nov 2018.

(Open Session on 30.11.2018)

1 (a) National policy on Older Persons-1999, clause 96 states that an autonomous registered National Association of Older Person will be established to mobilise senior citizens, articulate their interest, promote and undertake programmes and activate for their well being and to advise the Government on all matters relating to the older persons. All India Senior Citizens Confederation (AISCCON) established in 2001 is having State Level Federations of Senior Citizens and affiliates and also direct members in the category of Patrons/Grand Patrons/Chief Patrons/Privilege Members. Total membership in almost all

States of the Country is about 20 lakh. AISCCON has to coordinate with Central Government and also State Level Federations.

Resolution No. 1 (a) : It is resolved unanimously in the 18th AISCCON National Conference held at Hyderabad on 29th and 30th November 2018 that Government of India should give recognition to AISCCON as National Association of Senior Citizens in the Country as stipulated in clause 96 of NPOP-1999.

1b) AISCCON office bearers are often required to come to Delhi for meeting and discussing with the officers of Ministry of Social Justice and Empowerment, and other Ministries. Also, the office bearers of State Level Federations will find it convenient to meet AISCCON office bearers at Delhi. It is therefore very essential to have accommodation at New Delhi for coordination work, and office and facility to stay at New Delhi is necessary.

It is, therefore, resolved unanimously that Central Government should provide to AISCCON and accommodation of about 10,000 sqft. at nominal rent at New Delhi, and

Resolution No. 1 (b) : It is, therefore resolved also an accommodation of about 5000 sqft. at State Capitals, and 2000 sqft. at Union Territory headquarters.

Proposed by : Shri A.P. Kashkhedikar, Mumbai

Seconded by : Shri T.P.R. Unny, Navi Mumbai

2. The Elderly Population in the country is constantly increasing. So are the problems of senior citizens. The problems of elderly women, both in the rural and Urban area are also acute. Presently Ministry of Social Justice and Empowerment looks after the issues of senior citizens as additional work with important subjects of SC & ST having more than 95% budget of the Ministry. it is, therefore, felt necessary to have exclusive Ministry at the Centre, and Department in all States to look after senior citizens.

Resolution No. 2 : It is resolved unanimously in the 18th AISCCON National Conference held at Hyderabad on 29th and 30th November 2018 that a separate Ministry at Centre and a Department at State be formed exclusively for solving the problems of senior citizens.

Proposed by : Shri Kripasindhu Sahu, Bhubaneswar

Seconded by :- Shri C.W. Deoras, Bilaspur

3. Government of India had declared National policy on older persons-1999 covering various points regarding senior citizens. Many of the points has not yet been implemented by the Government. Over the passage of time new issues for the Welfare activities of senior citizens have come. Hence it is necessary to revise NPOP-1999 which should be declared at the earliest. This should be supported with sufficient budgetary provision.

Resolution No. 3 : 18th AISCCON National Conference held at Hyderabad on 29th and 30th November, 2018 unanimously resolves and urges to Government of India to formulate and declare revised National Policy on Older Persons with sufficient Budgetary provisions, as assured by the Ministry in Parliament. It is further resolved that all State Government should also formulate and declare revised State policy on senior citizens if already declared, and if not declared as yet, should declare the same. Implementation of policy should be ensured and proper guidelines given to all concerned to ensure benefit reach all beneficiaries.

Proposed by : Shri Bhanwar Seth, Udaipur

Seconded by : Shri S.R. Chakraborty, Kolkata

4. About 40% of the senior citizens (+60) in India are in the Category of Below Poverty

Line and find it difficult to have two square meals every day. The monthly pension paid to them under National Social Assistance (Indira Gandhi National Old Age Pension for 60-80 age group and Rs. 500 for + 80 group by the Central Government with the expectation of minimum equal contribution to be added by the States. All States are not even giving their contribution except Goa, Delhi, Maharashtra etc. are giving more than the minimum expected amount.

Resolution No. 4 : The 18th National Conference held at Hyderabad, Telangana State requests the Ministry of Social Justice and Empowerment and the Ministry of Rural Development to increase the Centre's Contribution under Indira Gandhi Old Age Pension Scheme to Minumum Rs. 2000.00 for 60-80 age group and Rs. 3000.00 for +80 group. The State Governments are also requested to give at least matching contribution.

Proposed by : Shri Haneefa Rawther, Thiruvananthapuram

Seconded by : Shri P ramachandraiah, Hyderabad.

5. The Situation of EPS 95 pensiones is very pitiable. The recommendations of Koshiary Committee have not been approved and implemented by the Central Govt. The Pensioners of this category are very much disheartened. This subject has been discussed on many platforms including this 18th AISCCON National Conference.

Resolution No. 5 : The 18th National Conference held at Hyderabad, Telangana State requests the Government of India to approve and implement the recommendations of Koshiary Committee about EPS 95 and sanction monthly pension of Rs. 7500.00 to EPS 95 category.

Proposed by Mrs. V Bhagyavathi, Hyderabad

Seconded by : Mrs Jayamala Godbole, Mumbai

6. The senior citizens of the Country are thankful to Govt. of India for providing a comfortable journey in Indian Railways. There are some issues which have not been solved by the Government of comfort and delightful journey by senior citizens. The following resolution has been passed in this regard.

Resolution No. 6 : It is resolved unanimously in the 18th AISCCON National Conference held at Hyderabad on 29th and 30th November 2018 to write to Ministry of Railways to kindly consider giving -

(a) 50% concession in rail fare to male senior citizens.

(b) Concession to senior citizens in Tatkal rail fare.

© A free journey for on attendant accompanying very old senior citizens (+85)

This should be approved for all trains.

Proposed by : Shri C Yella Reddy, Kadapa, AP

Seconded by : Shri Anjuman Khan, Dist Sangli, Maharastra

7. Senior citizens, especially from the rural area, travel by State Transport Buses. It is appreciated the gesture of State Transport Authorities in many states have reserved a few seats at the starting point and also given concession in fare to senior citizens. It is observed that many state transport authorities do not give any concession in their buses. This has developed heart burning amongst the senior citizens of those States.

Resolution No. 7 : The 18th AISCCON National Conference held at Hyderabad on 29th and 30th November, 2018 unanimously resolved that those state Transport Authorities not giving any concession in fare to senior citizens of that concerned State should reserve a few

seats in favour of senior citizens of the state and also given concession in fare for the entire journey.
Proposed by : Shri Arvind Kulkarni, Kolhapur,
Seconded by : Ms M.S. Mudakavi, Belgavi

8. AISCCON appreciates the move of Government of India that they have initiated the National Programme for t he Health Care for the Elderly (NPHCE). This is being implemented in 523 District out of 750 Districts of the Country. Actually, it is functional in only 250 Districts providing OPD services. under this programme 8 regional geriatric centres for tertiary care and the district hospitals will have 10 bedded geriatric ward and a geriatric OPD on daily basis Ayushman Bharat Scheme (NHPS) has also started from 25.09.2018. This ensures annual health coverage of Rs. 5 Lakh to 10 crore BPL families.

Resolution No. 8 : It is resolved unanimously in the 18th AISCCON National Conference held at Hyderabad, Telangana State on 29th and 30th November 2018 that National Programme for Health Care for Elderly (NPHCE) should be implemented all over the country and for all senior citizens.
Proposed by : N S Jadon, Indore
Seconded by : Dr R K Sharma, Indore

9. There is a large segment of retirees from Insurance and Banking industries. These retirees are denied the benefit of revision of pension as and when the basic pension is revised. The basic pension of the service employees get revised after every 4 years. This is leading to enormous gap in pension benefit year after year. Though there is no provision of revision of pension in Central Govt. Pension Rules 1972 yet the pension of retirees is revised with every pay commission report.

Resolution No. 9 : It is resolved unanimously in the 18th AISCCON National Conference held at Hyderabad on 29th and 30th Nov. 2018 that Central Government should pass the necessary order or get the parliament approval for revision of pension as and when the Basic Pay of In-service employees is revised periodically in Insurance and Banking Sectors.
Proposed by : Shri I P Puri, Chandigarh
Seconded by : PP Pimparkar, Buldana

10. Since the senior citizens are active in organising yoga and health camps, tutoring children in slum areas, providing safety and security in the lonely seniors and women, involving in Police-Maithri committees, checking the quality of civil works undertaken by the municipalities and the R & B dept., election watch, holding games and sports, holding seminars and workshops on key issues like RTI Act RTE and on child labour etc. which activites are considered indispensable by the United Nations organisation to avoid social fragmentation and to build a society for all ages. A formal agreement of partnership with the Resident Welfare Associations (AWAs), wherever possible would be desirable for the senior citizens' associations which do not have the accommodation and other logistic facilities of their own for their day to day functioning. They can, greatly, facilitate such activities in their common rooms or community halls or parks. It is going to be feasible due to the fact most of the colonies that are conceived and laid-out for housing and for infrastructure by the senior citizens only, often before their retirement. Usually, the horizontal (colony) and vertical (apartment-building) residents associations that are

formed and registered by, and are composed of, mostly the senior citizens.

Resolution No. 10 (a) : It is resolved unanimously in the 18th AISCCON National conference held at Hyderabad on 29th and 30th November, 2018 that all the member associations should contact the Resident Welfare Association In their locality in order to come to formal or informal agreement in order to support each other in their activities of mutual benefit.

Resolution No. 10 (a) : In order to express their support to the 'Swachh Bharat Mission, the senior citizens organisation cap adopt the following Residents charter, together with the resident welfare associations.

a. In a joint meeting to be held on every 23rd November, which is being observed as the RWA Day, the senior citizens association as well as RWAs can together review the good practices adopted on clean habits, personal hygiene. greenery within the house or outside and environmental sanitation;

b. Every resident should commit himself or herself to devote 2 hours in a week to attend to general cleanliness, individually or collectively;

c. Appeal to all residents, not to throw anything on a floor but only in the dustbin, not to spit, not to urinate everywhere, not to make noises and not to stock unnecessary old things, etc;

d. Individually, to make it a habit to visit internet, social media (mygov.in; clean India website, facebook, twitter, etc.) in order to follow the developments;

e. Weekly visit by the office-bearers to the buildings offices, shops, schools, hospitals, religious places, bus-stops, cinema halls, function halls, parking areas, parks, play grounds, vacant sites, tank-bunds or river bodies in the area in the around the RWA in order to remove plastic and other unnecessary materials lying there; and to see that there are regular arrangements for the maintenance;

f. Negotiate with the local private sector undertakings to take up some sponsored activities, such as, providing dustbins or non-toxic detergent cleaning materials, introducing new brooms and other sweeping material that are safe for the lungs and backbone of the sweeper, etc.

g. Sensitise, particularly, the low income areas or slums who are the first victims of pollution to keep their area clean and green;

h. Weekly visit to the open or closed sewerage channels or pipes and the rain or storm water draining canals to remove obstacles to their free flow;

i. Explore the sources of seasonal breeding of mosquitoes and plan clearing of weeds or plastic materials from the nearby stagnant water sources;

j. Ensure that the pipes in the houses delivering the drinking water and evacuating the sewerage do not have leakages;

k. Periodical testing of the quality of the drinking water, breathing air and the levels of noises;

l. Setting up and maintaining regularly, rain water harvesting pits and water re-cycling arrangements;

m. Urban waste management; a part of the wet waste to be retained within the house or in the building, part of it in common pits within the area, part of it to the rag-pickers or the local vendors, and the rest to be shifted to the municipality, while ensuring hygienic dust-bins and transportation;

n. Discarding, totally, manual disposal of excrement by the scavengers;
o. Promoting more knowledge about the health-effects of the chemicals that are being used for various purposes and reduce their wastage, particularly, by the house-wives, domestic helpers and watchmen;
p. Ensuring the use of protective devices for legs, hands, fingers, nails, nose eyes, lungs, etc. by all those who are involved in cleaning and sweeping;
q. To ensure clean toilets in the neighbouring schools and offices;
r. Each resident to ensure that in his or her native village, there are private and public toilets and open defecation as a habit is to be, totally, discouraged;
s. Keep a list of names and telephone numbers of field staff and officers of the municipality who are in charge of execution and as well as of supervision, so that the residents can manually collaborate with them and involve them in the compaign, in order to uphold the dignity of manual labour; and
t. Also to have a list of those higher officers and their telephone numbers, e-mails, etc. who can take, immediate action on our suggestions and complaints, against the defaulting local staff.
Proposed by Dr. VBJ Chelikani Rao, Hyderabad
Seconded by : Dr M Nagarajan, Hyderabad
11. On the basis of the recommendations of a Committee constituted by Govt. of India and discussion in National Consutation Meeting on 31.8.2016 in which AISCCON representatives gave important suggestions, Govt. of India drafted 'The Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens (Amendment) Bill, 2018 which contained many provisions to make the original Act more comprehensive and effective. Govt. of India asked for comments of the State Govt. on the draft Bill in April this year and also put it on the website of Ministry of Social Justice and Empowerment for suggestions by general public. As the amendments incorporated in the Amendment Bill are far-reaching and strongly in the interest of senior citizens, it will be appropriate to adopt a Resolution requesting Govt. of India to get this Bill passed by the Parliament in its next Session so that it becomes law as soon as possible.
Equally important is periodic sensitization and awareness training of govt. officers concerned with the implementation of the Act and ensuring proper enforcement of the provisions of the Act and timely disposal of the cases for maintenance etc. field before competent authorities.
Resolution No. 11 : It is resolved that Govt. of India and State Governments be requested to ensure sufficient sensitization and awareness training of concerned govt. officers and strict monitoring of the disposal of cases under the maintenance and welfare of parents and Senior Citizens Act. 2007.
Proposed by Shri S P Karkara, Ludhiana
Seconded by Shri Kripa Sindhu Sahoo
12. The Corporate Social Responsibility is currently performing as a "Corporate Social Business Right" through the captive organisations/ institutions/not for profit outfits of most of the profit making organisations. Thus the intended purpose of CSR is getting dampended/ limited to furthering business interests of the profit making companies.
Resolution No. 12 : It is resolved that the Government may please issue the specific

guidelines for utilization of CSR funds covering the following aspects :
The Board of Directors fo the profit making organisations should declare a "no conflict of business interest" and let the CSR fund perform on attaining social benefits of common good through the need based requirements.
The need based requirements of the schemes/ programs/ projects should come from an "impartial committee'; region./ state wise. The impartiality committee can draw the eminent members from Farmers - Academians - Health Care professionals - Municipal corporations - Banks & Senior Citizen Forums. The representative of the profit making company should join the proceeding as an observer and with a view for implementation of the Scheme under CSR funds that emerges from the impartiality committee.
CSR funds should be utilized in a way that is independent of any business interest of the profit making organisations functioning itself has demonstrated its credential of doing good business by ensuring profit in a competitive market. The profit making companies should therefore more focus on gaining an additional laurels that are socially prudent for the region / state.
Proposed by : Shri Manoharlal Baharani
Seconded by : V Narayana Murthy, Chebrol
Suggesions from Shri S R Chakraborty, Kolkata
Single Fare Double Journey for attending Conferences. As in the cases of Science Conference, History Conference etc., We request Senior Citizen Delegates be allowed to avail single fare double journey to attract more delegates as well as wider publicity of the activities of the Confederation.
Financial Assistance for bringing out age friendly periodicals.
Our humble request in general that a liberal financial assistance may be given to bring out the age friendly monthly, weekly, fortnightly periodicals in regional languages from different places to rejuvenate creativity of active ageing.
These suggestions were accepted by he meeting.
Resolution No. 13 : It is resolved unanimously that Senior Citizens of the country be declared as National Asset. All political parties should also be advised accordingly.
Proposed by : Shri Vijay Dabhadgaonkar, Latur
Seconded by : Mrs Prabhavati A Deshpande, Mumbai
Resolution No. 14 : It is resolved unanimously that Research and International Relations Committee of AISCCON be authorized to take up a Project on "How are Indian elderly stressed."
It is also resolved that application be processed for consultancy status for AISCCON at UNO.
Proposed by : Shri Avinash Lakare, Pune
Seconded by : Shri Cajetan Vaz, Goa



रामनवमी पर भगवान श्री राम जी की आरती

जनमानस की बनी प्रतिष्ठा, आज कथा श्रीराम की।
जन जन के मन में छाए हैं, श्री राम, संग जानकी।
जय बोलो श्रीराम की, ...



प्रभु को पहचान लेने के कारण 'राम' को धरती और आकाश की कोई भी शक्ति ''प्रभु का कार्य'' करने से रोक नहीं सकी!

- डा0 जगदीश गांधी, शिक्षाविद्
संस्थापक-प्रबन्धक, सिटी मोन्टेसरी स्कूल, लखनऊ

(1) प्रभु को पहचान लेने के कारण 'राम' को धरती और आकाश की कोई भी शक्ति प्रभु का कार्य करने से रोक नहीं सकी :-

जो कोई प्रभु को पहचान लेते हैं उन्हें धरती और आकाश की कोई भी शक्ति प्रभु का कार्य करने से रोक नहीं सकती। मानव सभ्यता के पास जो इतिहास उपलब्ध है उसके अनुसार राम का जन्म आज से लगभग 7500 वर्ष पूर्व अयोध्या में हुआ था। राम ने बचपन में ही प्रभु को पहचान लिया और उन्होंने अपने शरीर के पिता राजा दशरथ के वचन को निभाने के लिए हँसते हुए 14 वर्षों तक वनवास का दुःख झेला, जबकि उनके पिता राजा दशरथ अपने पुत्र राम के मोह में अपनी आखिरी सांस तक उन्हें हर प्रकार से वन जाने से रोकने की कोशिश करते रहे। राजा दशरथ के साथ ही अयोध्यावासियों ने भी राम को वन जाने से रोकने के लिए बहुत कोशिश की किन्तु राम को प्रभु की इच्छा तथा आज्ञा को पहचान कर प्रभु का कार्य करने से कोई भी रोक नहीं सका। इसलिए हमें प्रभु राम की तरह अपनी इच्छा नहीं वरन् प्रभु की इच्छा और प्रभु की आज्ञा का पालन करते हुए प्रभु का कार्य करना चाहिए।

(2) युगावतार अपने युग की समस्याओं का समाधान मानव जाति को देते हैं :-

रामायण में कहा गया है कि 'जब जब होहिं धरम की हानी। बाढ़हि असुर, अधर्म, अभिमानी।। तब-तब धरि प्रभु बिबिध सरीरा। हरहिं कृपानिधि सज्जन पीरा।।' अर्थात जब-जब इस धरती पर अधर्म बढ़ता है तथा असुर, अधर्मी एवं अहंकारियों के अत्याचार अत्यधिक बढ़ जाते हैं, तब-तब ईश्वर नये-नये रूप धारण कर मानवता का उद्धार करने, उन्हें सच्चा मार्ग दिखाने आते हैं। इसी प्रकार पवित्र गीता में परमात्मा की ओर से कहा गया है कि 'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्। परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्, धर्मसंस्थापनार्थाय संभवामि युगे-युगे।।' अर्थात जब-जब मानव में धर्म की हानि होगी तब-तब धर्म की रक्षा के लिए मैं युग-युग में अपने को सृजित करता हूँ। सज्जनों का कल्याण करता हूँ तथा दुष्टों का विनाश करता हूँ। धर्म की संस्थापना करता हूँ और समाज की भलाई के लिए धर्म के नये-नये सिद्धान्त देता हूँ। अर्थात एक बार स्थापित धर्म की शिक्षाओं को पुनः तरोताजा करता हूँ। अर्थात जब से यह सृष्टि बनी है तभी से धर्म की स्थापना एक बार हुई है। धर्म की स्थापना बार-बार नहीं होती है।

(3) परहित सरिस धरम नहिं भाई :-

रामायण में धर्म के बारे में बताया गया है - परहित सरिस धरम नहिं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई। अर्थात इस संसार में जितने भी धर्म है उन सबसे ऊँचा धर्म है परहित करना। दूसरों का हित करने से बड़ा और कोई भी धर्म इस संसार में नहीं है तथा दूसरों को दुःख पहुँचाने के समान कोई अधर्म नहीं है। सभी धर्मों में मुख्य रूप से व्यक्तिगत त्याग करके परहित करने की शिक्षा दी गयी है तथा दूसरों को किसी भी प्रकार की पीड़ा देने को अधर्म बताया गया है। हिन्दू धर्म के अनुसार मन, वाणी और शरीर से किसी को सताये नहीं। वही काम करे, जिससे सभी प्राणियों को प्रसन्नता प्राप्त हो और सबका भला हो। रामचरितमानस में संत तुलसी दास जी कहते है- सोई जानहि जाहि देय जनाई, जानत तुमहि तुमहि हो जाई! अर्थात वही जान पाता है, जिसे प्रभु जनवा दें और जानने के बाद वह प्रभुमय हो जाता है।

(4) यह मानव जन्म हमें आत्मा के विकास के लिए मिला है :-

हिन्दू शास्त्रों के अनुसार परमात्मा ने दो प्रकार की योनियाँ बनाई हैं। पहली 'मनुष्य योनि' एवं दूसरी 'पशु योनि'। चौरासी लाख ''विचार रहित पशु योनियों'' में जन्म लेने के पश्चात् ही परमात्मा कृपा करके मनुष्य को ''विचारवान मानव की योनि'' देता है। इस मानव जीवन की योनि में मनुष्य या तो अपनी विचारवान बुद्धि का उपयोग करके नौकरी या व्यवसाय के द्वारा या तो अपनी आत्मा को पवित्र बनाकर परमात्मा की निकटता प्राप्त कर ले अन्यथा उसे पुनः 84 लाख पशु योनियों में जन्म लेना पड़ता हैं। इसी क्रम में बार-बार मानव जन्म मिलने पर भी मनुष्य जब तक अपनी 'विचारवान बुद्धि' के द्वारा अपनी आत्मा को स्वयं पवित्र नहीं बनाता तब तक उसे बार-बार 84 लाख पशु योनियों में ही जन्म लेना पड़ता हैं और यह क्रम अनन्त काल तक निरन्तर चलता रहता हैं। केवल मनुष्य ही अपनी आत्मा का विकास कर सकता है

पशु नहीं।

(5) परमात्मा का वास मनुष्य के पवित्र हृदय में होता है :-

परमात्मा ने कहा कि मैं केवल आत्म तत्व हूँ और मैं मनुष्य की सूक्ष्म आत्मा में ही रहता हूँ। वहीं से इस सृष्टि का संचालन करता हूँ। 'जबकि मेरी रचना- अर्थात मनुष्य' के हृदय में (1) आत्मतत्व होने के साथ ही साथ उसके पास (2) शरीर तत्व या भौतिक तत्व भी होता है। यह सारी सृष्टि और सृष्टि की सभी भौतिक वस्तुएं मैंने मनुष्य के लिए बनायी हैं। बस मनुष्य का हृदय और आत्मा मैंने अपने रहने के लिए बनायी है। ऐसा न हो कि कहीं हमारे हृदय में उत्पन्न स्वार्थ का भेड़िया हमारी आत्मा को ही नष्ट कर डाले। 'रामायण' की एक लाइन में सीख है कि सीया राम मय सब जग जानी अर्थात् संसार के प्रत्येक व्यक्ति के प्रति मेरा राम-सीता की तरह का श्रद्धाभाव हो। 'गीता' का सन्देश है कि न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दण्ड देना चाहिए। हमारे ऋषि-मुनियों का चारों वेदों का ज्ञान एक लाइन में है कि उदारचरितानामृतु वसुधैव कुटुम्बकम् अर्थात उदार चरित्र वाले के लिए यह वसुधा कुटुम्ब के समान है। अत हमें समस्त प्राणी मात्र के हित के लिए कार्य करना चाहिए।

(6) प्रकृति को ईश्वर का प्रकट रूप माना गया है :-

हिन्दू धर्म का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह परम्परा वैदिककाल तथा ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद पर आधारित धर्म है, जो अपने अंदर कई अलग-अलग उपासना पद्धतियों, मत और दर्शन को समेटे हुए हैं। इस धर्म को सनातन धर्म अथवा वैदिक धर्म भी कहते हैं। पुराणों में हिन्दू इतिहास की शुरूआत सृष्टि की उत्पत्ति से ही मानी जाती है। इसके अलावा भी धार्मिक साहित्य के अनुसार अनेक वंशों की उत्पत्ति और परम्परा का वर्णन है। हिन्दू शास्त्रों में प्रकृति को ईश्वर का प्रकट रूप माना गया है। प्रकृति के पंचतत्व अर्थात् आकाश, वायु, अग्नि, जल तथा पृथ्वी का सम्मान करने से मानव जीवन सुखी, संतुलित, स्वस्थ, योगमय तथा परमात्मामय बनता है। इन पंच तत्वों में से किसी एक के अभाव में वनस्पति एवं जीव-जगत की कल्पना निरर्थक है। इस सारी सृष्टि का रचनाकार भगवान है। रामचरितमानस में लिखा है कि क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, पंच तत्व यह रचित शरीरा। इन पंच तत्वों में हम यह अनुभूति कर सकते हैं कि भगवान ही सत्य है, भगवान ही चैतन्य है और भगवान ही आनन्दस्वरूप है, यही सर्वशक्तिमान है और सर्वव्यापक है और सत्चितानन्द है। धर्म के मायने धारण करना है। परमात्मा ने सारी सृष्टि तथा संसार को धारण किया हुआ है। परमात्मा का अंश मानव शरीर में वास करने वाली आत्मा के रूप में है। इसलिए आत्मा अजर अमर है।

(7) धर्म शाश्वत है या परिवर्तनीय?

हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार धरती के प्रथम मानव का नाम मनु तथा प्रथम स्त्री का नाम शतरूपा था। परमात्मा ने इस सृष्टि के प्रथम प्राणी मनु एवं शतरूपा के धर्म (कर्त्तव्य) को निर्धारित करते हुए आज्ञा दी कि देखो मनु एवं शतरूपा तुम्हारा धर्म (या कर्त्तव्य) होगा मेरी आज्ञाओं को जानना तथा उन पर चलना और जो व्यक्ति मेरी आज्ञाओं को पवित्र मन से भली-भांति जानकर उन पर चलेंगे उनका मैं 'कल्याण करूँगा अन्यथा उनका विनाश करूँगा'। परमात्मा ने इस सृष्टि के प्रथम प्राणी मनु एवं शतरूपा को बताया कि मेरे और तुम्हारे दोनों के धर्म (कर्त्तव्य) शाश्वत तथा अपरिवर्तनीय होंगे और कभी भी सृष्टि के अनन्त काल तक न तो मेरे धर्म (कर्त्तव्य) में कोई परिवर्तन होगा और ना ही तुम्हारे (मनुष्य) के धर्म (कर्त्तव्य) में। मेरा और तुम्हारा दोनों का धर्म (कर्त्तव्य) एक ही है और वह है बिना किसी भेदभाव के सम्पूर्ण मानवजाति की सेवा करना।

(8) हमें प्रभु की इच्छा को अपनी इच्छा बनाकर जीवन जीना चाहिए :-

प्रभु तो सर्वत्र व्याप्त है पर हम उसको देख नहीं सकते। हम उसको सुन नहीं सकते। हम उसको छू नहीं सकते तो फिर हम प्रभु को जाने कैसे? हमारे स्कूल की प्रार्थना है कि हे मेरे परमात्मा मैं साक्षी देता हूँ कि तूने मुझे इसलिए उत्पन्न किया है कि मैं तूझे जाँनू और तेरी पूजा करूँ। इस प्रकार प्रभु ने हमें केवल दो कार्यों (पहला) परमात्मा को जानने और (दूसरा) उसकी पूजा करने के लिए ही इस पृथ्वी पर मनुष्य रूप में उत्पन्न किया है। प्रभु को जानने का मतलब है परमात्मा द्वारा युग-युग में पवित्र धर्म ग्रंथों गीता की न्याय, त्रिपटक की समता, बाईबिल की करुणा, कुरान की भाईचारा, गुरू ग्रन्थ साहेब की त्याग व किताबे अकदस की हृदय की एकता आदि की ईश्वरीय शिक्षाओं को जानना और परमात्मा की पूजा करने का मतलब है कि परमात्मा की शिक्षाओं पर जीवन-पर्यन्त दृढ़तापूर्वक चलते हुए अपनी नौकरी या व्यवसाय करके अपनी आत्मा का विकास करना। जो लोग प्रभु की इच्छा एवं आज्ञा को अपने जीवन का लक्ष्य बना लेते हैं परमात्मा उनकी सहायता अवश्य करता है। अतः हमें प्रभु की इच्छा को ही अपनी इच्छा बनाकर जीवन जीना चाहिए।



नमाज़ - इस्लाम की बुनियाद



कु. फाकेहा खान

इस्लाम की बुनियाद पांच बातों पर हैं :- (1) कलिमा तैय्यब (2) नमाज़ (3) रोज़े (4) ज़कात (5) हज

पहला कलिमा तैय्यब को सच्चे दिल से और समझ कर पढ़ना चाहिए, दूसरा रोज़ाना पाक साफ़ होकर पांच वक्त की नमाज़ पढ़ना, तीसरा हर साल रमज़ान के महीने में एक महीने के रोज़े रखना, चौथा पाक कमाई से सारी उम्र में कम से कम एक बार मक्का शरीफ़ में जाकर हज करना, पांचवां अपनी कमाई में से हर वर्ष चालीसवां भाग निकालकर गरीबों, दुखियारों और पीड़ित लोगों को बांटना।

इस छोटे से लेख में सिर्फ़ नमाज़ का बयान किया जा रहा है, जिसको जानना और उस पर अमल करना प्रत्येक मुस्लिम के लिए बहुत जरूरी है।

नमाज़ की तरकीब : अल्लाह-तआला की इबादत (भक्ति या पूजा) करने का सबसे अच्छा तरीका है, जो हज़रत मुहम्मद (सल्लल्लाहु तआला अलैहि व सल्लम) ने मुसलमानों को सिखाया।

रात-दिन में पांच नमाज़ें पढ़नी फ़र्ज़ (जरूरी) है।

पहली नमाज़ फ़ज्र - जो सुबह के वक्त सूरज निकलने से पहले पढ़ी जाती है।

दूसरी नमाज ज़ुह्र - जो दोपहर को सूरज ढलने के बाद पढ़ी जाती है।

तीसरी नमाज़ अस्र - जो सूरज छिपने से दो घण्टे पहले पढ़ी जाती है।

चौथी नमाज़ मग्रिब - जो शाम को सूरज छिपने के बाद पढ़ी जाती है।

पांचवीं नमाज़ इशा - जो सूरज छिपने के दो घण्टे बाद पढ़ी जाती है।

अज़ान और नमाज : मुअज्जिन (अज़ान देने वाला) अपनी पूरी आवाज़ में मस्जिद से अज़ान देता है, जिसको सुनने के बाद नमाज़ पढ़ी जाती है। वह ज़ोर-ज़ोर से कहता है -

अल्लाहु अक्बर, अल्लाहु अक्बर - 2 बार
(अल्लाह बहुत बड़ा है, अल्लाह बहुत बड़ा है)
अश-हदु अल-ला इला-ह-इल्लल्लाह - 2 बार
(मैं गवाही देता हूं कि सिवाए अल्लाह के कोई पूजने योग्य नहीं)
अश-हदु अन-न मुहम्मदर-रसूलुल्लाह - 2 बार
(मैं गवाही देता हूं कि मुहम्मद अल्लाह के रसूल हैं)
है-य अ-लस-सलाह - 2 बार (आओ तरफ़ नमाज के)
है-य अ-लल् फ़लाह - 2 बार (आओ तरफ भलाई के)
अल्लाहु अक्बर - 2 बार (अल्लाह सबसे बड़ा है)
ला इलाहा इल्लल्लाह - (अल्लाह के सिवा कोई पूजने योग्य नहीं)

जब तुम अज़ान के शब्द सुनो तो तुम भी वही शब्द ज़बान से कहते रहो, जो अज़ान देने वाला कह रहा है। दूसरे मुसलमानों के साथ मस्जिद में इमाम के पीछे नमाज़ पढ़ने का अकेले नमाज़ पढ़ने के मुकाबले में सत्ताईस गुना ज्यादा सवाब मिलता है, इसलिए जमाअत (जमा होकर) के साथ नमाज़ अदा करने की कोशिश करनी चाहिए।

अज़ान सुनते ही सब काम छोड़कर मस्जिद में आ जाना चाहिये ताकि आराम से वुज़ू वग़ैरह कर सको। तमाम नमाज़ों में सिर्फ फर्ज़ इमाम के साथ पढ़े जाते हैं बाकी सुन्नतें और नफ़्ल वगैरह तन्हा अदा किये जाते हैं।

वुज़ू :- वुज़ू हाथ-पांव धोने की प्रक्रिया है जो नमाज़ पढ़ने से पहले की जाती है या कुरआन की तिलावत करने से पहले की जाती है। पाक (साफ़) पानी से हाथ, मुंह और पांव धोने की वुज़ू कहते हैं।

तयम्मुम : किसी समय वुज़ू के लिए पानी नहीं मिलता या कई बार यह डर रहता है कि अगर ठंडे पानी से वुज़ू किया गया तो बीमारी बढ़ जाएगी। ऐसी हालत में किसी पाक जमीन पर या मिट्टी के पाक ढेलों पर अपने दोनों हाथ मारो और मिट्टी के गुवार को दोनों हाथों पर और मुंह पर मलो और जैसे वुज़ू में मसह किया जाता है ऐसा ही करो। इस वुज़ू को तयम्मुम कहते हैं।

नमाज़ पढ़ने का तरीका : एक बार में 42 रकअत नमाज पढ़ी जाती है। एक रकअत एक बार खड़े होकर बैठने तक होती है। जिसमें दो सजदे और एक रूकूअ होता है।

फर्ज कीजिए कि आपको फज्र की नमाज़ पढ़नी है। इस नमाज में पहले दो रक्अत सुन्नत पढ़ो, फिर दो फर्ज पढ़ो।

दो सुन्नतों की नीयत इस तरह बांधी जाएगी - मैं नीयत करता हूं/करती हूं दो रक्अत नमाज़ सुन्नत वक्त फज्र का, वास्ते अल्लाह तआला के, मुंह मेरा काबा शरीफ की तरफ : अल्लाहु अक्बर कहकर अपने दोनों हाथ कानों तक उठाओ, फिर दोनों हाथ नाक सुंडी के नीचे इस तरह बांध लो कि दायां हाथ ऊपर और बायां हाथ नीचे रहे।

नमाज में इधर-उधर नहीं देखा जाता, अदब से खड़े रहें। अल्लाह तआला की तरफ ध्यान रखें।

सना पढ़ने के बाद अल-हम्दु शरीफ पढ़ें। फिर सूरह : इख़्लास या कुरआन शरीफ़ की कोई सूरहः, जो तुम्हें याद हो, पढें।

फिर अल्लाहु अक्बर कहकर रूकुअ (घुटने तक झुकना) में जाऐं और अपने दोनों हाथों से घुटनों को पकड़ लें और 'सुब-हा-न रब्बियल अज़ीम' तीन बार या पांच बार कहो, फिर 'समि-अल्लाहु लिमन हमिदह' कहकर खड़े हो और रब-बना ल-क-ल हम्द पढ़ो। फिर अल्लाहु अक्बर कहते हुए सज्दे में जाओ। पहले दोनों घुटने ज़मीन पर रखो, फिर दोनों हाथ, दोनों हाथों के बीच में पेशानी (माथा) रखो और 'सुब-हा-न-रब्बियल आला तीन बार या पांच बार पढ़ो, फिर तक्बीर (अल्लाहु अक्बर) कहकर खड़े हो जाओ। उठते वक्त जमीन पर हाथ न रखो। यह आपकी एक रक्अत पूरी हो गई। अब दूसरी शुरू होती है। हाथ बांधे हुए पहले की तरह खड़े हो जाओ। बिस्मिल्लाहिरहमानिर्रहीम कहकर सूरहः फातिहा पढ़ो, फिर कुरआन की कोई सूरहः पढ़ो, फिर तक्बीर कहकर रूकूअ में जाओ और पहले की तरह रूकूअ की तस्बीह पढ़ो, फिर तक्बीर पढ़कर खड़े हो जाओ और जिस तरह पहली रक्अत पढ़ी थी दूसरी रक्अत भी उसी तरह पढ़ो और दूसरा सज्दा करके बैठ जाओ। फिर तशह-हुद (अत-तही-यात) पढ़ो, फिर दुरूद शरीफ पढ़ो, इसके बाद दुरूद शरीफ के बाद वाली दुआ पढ़ो, फिर दाहिनी तरफ मुंह फेर कर कहो अस्सलामु अलैकु व रह-मतुल्लाहि, फिर बांयी तरफ मुंह करके कहो अस्सलामु अलैकुम व रहमतुल्लाहि। इस तरह सुन्नत की दो रक्अत पूरी हुई।

फज्र की दो फर्जों की नीयत इस तरह बांधिए -

नीयत करता हूं/करती हूं मैं दो रक्अत नमाज़ फर्ज वक्त फर्ज का, वास्ते अल्लाह तआला के, मुंह मेरा काबा शरीफ की तरफ, अल्लाहु अक्बर कहकर दोनों हाथ बांध लो और पहले की तरह दो रक्अतें अदा करो।

जुहर की नमाज़ : इस नमाज में चार सुन्नतें, चार फर्ज, दो सुन्नतें और दो नफ़्ल पढ़ी जाती हैं।

पहले चार सुन्नतों की नीयत बांधो। दूसरी रक्अत के बाद जब तुम अत-तही-यात पढ़ चुको तो तक्बीर कहकर खड़े हो जाओ और पहले की तरह तीसरी और चौथी रक्अत पढ़ो, चौथी रक्अत अदा होने के बाद अन्त में अत-तहीयात, दुरूद शरीफ और दुआ पढ़कर सलाम फेर दो। अब चार फर्जों की नीयत बांधो जैसे सुन्नत पढ़ी गई है, उसी तरह फर्ज पढ़ो, लेकिन तीसरी और चौथी रक्अत में सिर्फ सूरहः फातिहा पढ़ो, इसके बाद कोई और सूरहः न मिलाओ। फिर दो सुन्नत पढ़ो। बाकी दो नफ़्ल चाहे खड़े होकर पढ़ो या बैठकर दोनों तरह जायज है।

अस्र की नमाज : इस नमाज में चार सुन्नत, चार फर्ज़ हैं। अगर फर्ज़ से पहले चार सुन्नतें भी पढ़ लो तो ज्यादा सवाब मिलता है। अगर चार सुन्नत न अदा करो तो भी नमाज हो जाएगी।

मग्रिब की नमाज : इस नमाज में तीन फर्ज, दो सुन्नतें और दो नफ्ल हैं। तीन फर्ज इस तरह पढ़ी जाएगी कि दो फर्जों के बाद अत-तही-यात पढ़कर खड़े हो जाओ, फिर सूरहः फ़ातिहा पढ़कर रूकूअ और सज्दे में जाओ, फिर अत-तही-यात, दुरूद शरीफ और दुआ पढ़कर सलाम फेर दो। फिर दो सुन्नतें पढ़ो। बाकी दो नफ़्ल चाहे खड़े होकर पढ़ो, चाहे बैठकर, दोनों तरह जायज़ है।

इशा की नमाज : इस समाज में चार सुन्नतें, चार फर्ज़, दो सुन्नत, दो नफ़्ल, तीन वित्र और फिर दो नफ़्ल है। वित्र पढ़ने का यह तरीका है कि पहले तीन वित्रों की नीयत बांधो। तीसरी रक्अत में सूरहः फातिहा और कुरआन की कोई सूरहः पढ़ने के बाद दुआ-ए-कुनूत पढ़ो फिर तक्बीर कहकर रूकू और सज्दे में जाओ, फिर पहले की तरह तीसरी रक्अत पूरी कर लो, फिर दो नफ़्ल पढ़कर नमाज खत्म कर दो।

जुमा की नमाज : जुमे की नमाज़ का वक्त वही है जो नमाज़-ए-जुहर का है। जुमे की नमाज़ पढ़ने में जुहर की नमाज भी अदा हो जाती है। जुहर और जुमे की नमाज़ में फर्क यह है कि जुमे में बजाए चार के दो फर्ज पढ़े जाते हें और सुबह कि नमाज़ की तरह इमाम सूरहः फातिहा और कुरआन शरीफ़ की कोई सूरहः ज़ोर-ज़ोर से पढ़ता है और सब नमाज़ी सुनते हैं।

जुमे की नमाज में चार सुन्नत, दो फर्ज, फिर चार सुन्नत, फिर दो सुन्नत और दो नफ्ल है।

नमाज बहुत तरह की होती है जो अलग-अलग समय और परिस्थिति के अनुसार भी होता है। नमाजे-ईद, नमाजे-कज़ा (जो नियत समय पर न पढ़ी जाए, बाद में पढ़ी जाए, नमाज़े कस्र, नमाजे-जनाजा, नमाजे तराबीह आदि।

मुसाफिर की नमाज : अपने वतन या शहर से 45 मील दूर होने के बाद नमाज़ में रियायत हो जाती है। हर नमाज़ के

सिर्फ दो फर्ज पढ़े जाते हैं, बाकी नमाज़ माफ़ हो जाती है, लेकिन शहर में कम से कम 15 दिन रहने का इरादा हो तो पूरी नमाज़ पढ़नी चाहिए। मुसाफ़िर की नमाज को नमाज़े कस्र भी कहते हैं।

बीमार की नमाज़ : जो शख़्स खड़ा होकर नमाज़ न पढ़ सके, वह बैठकर भी नमाज़ पढ़ सकता है और जो बैठकर भी नमाज न पढ़ सके, वह लेटकर और इशारे से नमाज पढ़ सकता है। लेटकर और इशारे से पढ़ने वालों को चाहिए कि किब्ले की तरफ पांव फैला दें, ताकि किब्ले की मुनासवत कायम रहे, रूकूअ और सज्दे इशारे से करें।

नमाज़े जनाज़ा : इस नमाज में रूकूअ और सज्दा नहीं होता। यह नमाज़ खड़े होकर इमाम के पीछे पढ़ी जाती है। इस नमाज़ की नीयत यूं है :-

नमाज़ पढ़ता हूं मैं चार तक्बीरों के वास्ते अल्लाह तआला के, दुआ वास्ते इस मैयत (शव) के 'पीछे इमाम के' मुंह मेरा काबा शरीफ की तरफ-अल्लाहु अक्बर-कह कर नमाज अदा की जाएगी।

नमाज-ए-तरावीह : रमज़ानुल मुबारक के महीने में इशा के वक्त सब रक्अतें पढ़ने के बाद दो-दो रक्अत कर के बीस रक्अत तरावीह पढ़नी सुन्नत है। यह तरावीह जमाअत के साथ पढ़नी चाहिए। तरावीह की नमाज़ में इमाम बीस या पच्चीस दिनों में पूरा कुरआन सुना देता है। हर चार रक्अत पढ़ने के बाद चन्द मिनट आराम किया जाता है।

नमाज़-ए ईदैन : ईदुल फ़ित्र की नमाज़ रमज़ान के महीने खत्म होने पर अदा की जाती है और ईदुल-अज़हा की नमाज़ हज से फ़ारिग़ होने के बाद अदा की जाती है।

नमाज़ की शर्तें : नमाज़ की कुछ शर्तें हैं। जिनको पूरा किये बिना नमाज़ नहीं हो सकती या सही नहीं मानी जा सकती। कुछ शर्तों का नमाज़ के लिए होना जरूरी है, तो कुछ शर्तों का नमाज़ के लिए पूरा किया जाना जरूरी है, तो कुछ शर्तों का नमाज़ पढ़ते वक्त होना जरूरी है, नमाज़ की कुछ शर्तें इस तरह है :-

1- बदन का पाक होना, 2- कपड़ों का पाक होना, 3- नमाज़ पढ़ने की जगह का पाक होना, 4- बदन के सतर का छुपा हुआ होना, 5- नमाज़ का वक्त होना, 6- किब्ले की तरफ मुंह होना, 7- नमाज़ की नीयत यानि इरादा होना।

ख़्याल रहे की पाक होना और साफ़ होना दोनों अलग चीजें हैं। पाक होना शर्त है। साफ़ होना शर्त नहीं है। जैसे बदन, कपड़ा या ज़मीन नापाक चीजों से भरी हुई न हो। धूल, मिट्टी की वजह से कहा जा सकता है कि साफ़ नहीं है, लेकिन पाक तो बहरहाल है।

नमाज़ या सलाह, फ़ारसी शब्द है, जो उर्दू में अरबी शब्द सलात का पर्याय है। कुरआन में सलात शब्द बार-बार आया है और प्रत्येक मुसलमान पुरूष और स्त्री को नमाज़ पढ़ने का आदेश दिया गया है। इस्लाम के आरंभकाल से ही नमाज़ की प्रथा और उसे पढ़ने का आदेश है। यह मुसलमानों का बहुत बड़ा कर्तव्य है और नियमपूर्वक पढ़ना पुण्य तथा त्याग देना पाप है। नमाज़ जिन्दगी में परहेज़गारी लाती है, यानि नमाज़ पढ़ने वाला कभी भी गलत और हराम काम नहीं कर सकता। नमाज़ ऐसे अदा करनी चाहिए जैसे कि वह आखिरी नमाज़ हो। नमाज़ इंसान को सिखाती है कि ज़िन्दगी कैसे बिताएं जैसे नमाज़ में इधर-उधर देखने की मनाही है जो संकेत है कि हम किसी की ज़िन्दगी में न झांकें, कुछ ग़लत न देखें। नमाज़ में हाथ बांधकर खड़ा होना मतलब जुल्म के फैसले न लिखें। नमाज़हमारे अकीदों (आस्था) को ताज़ा करती है जिस पर हमारे नफ़्स (शरीर) की पाकीज़गी, रूह की तरक्की, अख़्लाक (चरित्र) की दुरूस्ती और अमल की इस्लाह करती है जिसके फलस्वरूप हम एक बेहतर समाज, कौम और मुल्क खड़ा कर सकें। इंसान और इंसानियत को कायम रख सकें।

चुटकी

बम

वो भजे, शिवाले में, बम-बम।
तब बेटा ले आया, दो बम।।

भारत के ये 11 अजब गजब गांव जहां आप एक बार जरूर जाना चाहेंगे

1. एक गांव जहां दूध दही मुफ्त मिलता है : यहां के लोग कभी दूध या उससे बनने वाली चीजों को बेचते नहीं हैं बल्कि उन लोगों को मुफ्त में दे देते हैं। जिनके पास गायें या भैंसें नहीं हैं धोकड़ा गुजरात के कक्ष में बसा ऐसा ही अनोखा गांव है आज जब इंसानियत खो सी गई है लोग किसी को पानी तक नहीं पूछते श्वेत क्रांति के लिए प्रसिद्ध ये गांव दूध दही ऐसे ही बांट देता है। यहां पर रहने वाले एक पुजारी बताते हैं की उन्हें महीने में करीब 7,500 रुपए का दूध गांव से मुफ्त में मिलता है।

2. इस गांव में आज भी राम राज्य है : महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के नेवासा तालुके में शनि शिग्नापुर भारत का एक ऐसा गांव है जहां लोगों के घर में एक भी दरवाजा नहीं है यहां तक की लोगों की दुकानों में भी दरवाजे नहीं हैं, यहां तक कोई भी अपनी बहुमूल्य चीजों को ताले-चाबी में बंद करके नहीं रखता फिर भी गांव में आज-तक कभी कोई चोरी नहीं हुई।

3. एक अनोखा गांव जहां हर कोई संस्कृत बोलता है : आज के समय में हमारे देश की राष्ट्रभाषा हिंदी भी पहचान के संकट से जूझ रही है, कर्नाटक के शिमोबा शहर के कुछ ही दूरी पर एक गांव ऐसा बसा है जहां ग्रामवासी केवल संस्कृत में ही बात करते हैं। शिमोगा शहर से लगभग दस किलोमीटर दूर मुत्तुरू अपनी विशिष्ट पहचान को लेकर चर्चा में है। तुंग नदी के किनारे बसे इस गांव में संस्कृत प्राचीन काल से ही बोली जाती है। करीब पांच सौ परिवारों वाले इस गांव प्रवेश करते ही 'भवतः नाम किम?' (आपका नाम क्या है?) पूछा जाता है 'हैलो' के स्थान पर 'हरि ओम्' और 'कैसे हो' के स्थान पर 'कथा अस्ति?' आदि के द्वारा ही वार्तालाप होता है। बच्चे, बूढ़े युवा और महिलाएं - सभी बहुत ही सहज रूप से संस्कृत में बात करते हैं। भाषा पर किसी धर्म और समाज का अधिकार नहीं होता तभी तो गांव में रहने वाले मुस्लिम परिवार के लोग भी संस्कृत उतनी ही सहजता से बोलते हैं जैसे दूसरे लोग। गांव की विशेषता है कि गांव की मातृभाषा संस्कृत है और काम चाहे कोई भी हो संस्कृत ही बोली जाती है जैसे इस गांव के बच्चे क्रिकेट खेलते हुए और आपस में झगड़ते हुए भी संस्कृत में ही बातें करते हैं। गांव में संस्कृत में बोधवाक्य लिखा नजर आता है। 'मार्गे स्वच्छता बिराजते। ग्रामे सुजनाः विराजते।' अर्थात् सड़क पर स्वच्छता होने से यह पता चलता है कि गांव में अच्छे लोग रहते हैं। कुछ घरों में लिखा रहता है कि आप यहां संस्कृत में बात कर सकते हैं। इस गांव में बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा संस्कृत में होती है।

4. एक गांव जो हर साल कमाता है 1 अरब रूपए : यूपी का एक गांव अपनी एक खासियत की वजह से पूरे देश में पहचाना जाता है। आप शायद अभी तक इस गांव की पहचान से दूर रहे हों, लेकिन देश के कोने-कोने में इस गांव ने अपने झंडे गाड़ दिए हैं।

अमरोहा जनपद के जोया विकास खंड क्षेत्र का ये छोटा सा गांव है सलारपुर खालसा। 3500 की आबादी वाले इस गांव का नाम पूरे देश में छाया है और इसका कारण है टमाटर। गांव में टमाटर की खेती बड़े पैमाने पर होती है और 17 साल में टमाटर आसपास के गांवों जमापुर, सूदरनुपर, अंबेडकरनगर में भी छा गया है। देश का शायद ही कोई कोना होगा, जहां पर सलारपुर खालसा की जमीन पर पैदा हुआ टमाटर न जाता हो। गांव में 17 साल से चल रही टमाटर की खेती का क्षेत्रफल फैलता ही जा रहा है और मुरादाबाद मंडल में सबसे ज्यादा टमाटर की खेती इसी गांव में होती है। कारोबार की बात करें, तो पांच माह में यहां 60 करोड़ का कारोबार होता है।

जनपद में 1200 हेक्टेयर में होने वाली टमाटर की खेती में इन चार गांवों में ही अकेले 1000 हेक्टेयर में में खेती होती है। जिसके चलते यह गांव मुरादाबाद मंडल में भी अव्वल नंबर पर है। जबकि सूबे में भी टमाटर खेती में आगे रहने वाली जगहों में इस गांव का नाम शामिल है। इस साल की बात करें, तो प्रदेश में डेढ़ क्विंटल टमाटर बीज की बिक्री हुई थी। जिसमें अकेले सलारपुर खालसा में ही 80 किलो बीज बिका था।

5. ये है जुड़वां का गांव, रहते हैं 350 से ज्यादा जुड़वां : केरल के मलप्पुरम जिले में स्थित कोडिन्ही गांव को जुड़वों के गांव के नाम से जाना जाता है। यहां पर वर्तमान में करीब 350 जुड़वा जोड़े रहते हैं जिनमें नवजात शिशु से लेकर 65 साल के बुजुर्ग तक शामिल है। विश्व स्तर पर हर 1000 बच्चों पर 4 जुड़वा पैदा होते हैं, एशिया में तो यह औसत 4 से भी कम है। लेकिन कोडिन्ही में हर 1000 बच्चों पर 45 बच्चे जुड़वा पैदा होते हैं। हालांकि यह औसत पूरे विश्व में दूसरे नंबर पर, लेकिन एशिया में पहले नंबर आता है। विश्व में पहला नंबर नाइजीरिया के इग्बो-ओरा को प्राप्त है जहां यह औसत 145 है। कोडिन्ही गांव एक मुस्लिम बहुल गांव है जिसकी आबादी करीब 2000 है। इस गांव में घर, स्कूल, बाजार हर जगह

हमशक्ल नजर आते हैं।

6. एक गांव जिसे कहते हैं भगवान का अपना बगीचा : जहां एक ओर सफाई क मामले में हमारे अधिकांश गांवों, कस्बों और शहरों की हालत बहुत खराब है वही यह एक सुखद आश्चर्य की बात है की एशिया का सबसे साफ सुथरा गांव भी हमारे देश भारत है। यह है मेघालय का (Gods Own Garden) मावल्यान्नांग गांव जिसे की भगवान का अपना बगीचा के नाम से भी जाना जाता है। सफाई के साथ-साथ यह गांव शिक्षा में भी अव्वल है। यहां की साक्षरता दर 100 फीसदी है, यानी यहां के सभी लोग पढ़े-लिखे हैं। इतना ही नहीं, इस गांव में ज्यादा लोग सिर्फ अंग्रेजी में ही बात करते हैं। खासी हिल्स डिस्ट्रिक्ट का यह गांव मेघालय के शिलांग और भारत-बांग्लादेश बार्डर से 90 किलोमीटर दूर है। साल 2014 की गणना के अनुसार, यहां 95 परिवार रहते हैं। यहां सुपारी की खेती आजीविका का मुख्य साधन है। यहां लोग घर से निकलने वाले कूड़े-कचरे को बांस से बने डस्टबिन में जमा करते हैं और उसे एक जगह इकट्ठा कर खेती के लिए खाद की तरह इस्तेमाल करते हैं।

7. एक श्राप के कारण 170 सालों से है वीरान-रात को रहत है भूत प्रेतों का डेरा : हमारे देश भारत के कई शहर अपने दामन में कई रहस्यमयी घटनाओं को समेटे हुए है ऐसी ही एक घटना है राजस्थान के जैसलमेर जिले के कुलधरा गांव कि, यह गांव पिछले 170 सालों से वीरान पड़ा है। कुलधरा गांव के हजारों लोग एक ही रात में इस गांव को खाली करके चले गये थे। और जाते-जाते श्राप दे गए थे कि यहां फिर कभी कोई नहीं बस पायेगा। तब से गांव वीरान पड़ा है।

कहा जाता है कि यह गांव रूहानी ताकतों के कब्जे में है, कभी एक हंसता खेलता यह गांव आज एक खंडहर में तब्दील हो चुका है। टूरिस्ट प्लेस में बदल चुके कुलधरा गांव घूमने आने वालों के मुताबिक यहां रहने वाले पालीवाल ब्राह्मणों की आहट आज भी सुनाई देती है। उन्हें वहां हर पल ऐसा अनुभव होता है कि कोई आसपास चल रहा है। बाजार के चहल-पहल की आवाजें आती हैं, महिलाओं के बात करने, उनकी चूड़ियां और पायलों की आवाज हमेशा ही वहां के माहौल को भयावह बनाते हैं। प्रशासन ने इस गांव की सरहद पर एक फाटक बनवा दिया है जिसके पार दिन में तो सैलानी घूमने आते रहते हैं लेकिन रात में इस फाटक को पार करने की कोई हिम्मत नहीं करता है।

8. इस गांव में कुछ भी छुआ तो लगता है 1000 रुपए का जुर्माना : हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के अति दुर्गम इलाके में स्थित है मलाणा गांव। इसे आप भारत का सबसे रहस्यमयी गांव कह सकते हैं। यहां के निवासी खुद को सिकंदर के सैनिकों का वंशज मानते हैं। यहां पर भारतीय कानून नहीं चलते हैं यहां की अपनी संसद है जो सारे फैसले करती है। मलाणा भारत का इकलौता गांव है जहां मुगल सम्राट अकबर की पूजा की जाती है।

हिमांचल के मलाणा गांव में लगे नोटिस बोर्ड : कुल्लू के मलाणा गांव में यदि किसी बाहरी व्यक्ति ने किसी चीज को छुआ तो जुर्माना देना पड़ता है। जुर्माने की रकम 1000 रुपए से 2500 रुपये तक कुछ भी हो सकती है।

अपनी विचित्र परंपराओं लोकतांत्रिक व्यवस्था के कारण पहचाने जाने वाले इस गांव में हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। इनके रूकने की व्यवस्था इस गांव में नहीं है। पर्यटक गांव के बाहर टेंट में रहते हैं। अगर इस गांव में किसी ने मकान-दुकान या यहां के किसी निवासी को छू (Touch) लिया तो यहां के लोग उस व्यक्ति से एक हजार रूपये वसूलते हैं।

ऐसा नहीं है कि यहां के निवासी यहां आने वाले लोगों से जबरिया वसूली करते हों। मलाणा के लोगों ने यहां हर जगह नोटिस बोर्ड लगा रखे है। इन नोटिस बोर्ड पर साफ-साफ चेतावनी लिखी गई है। गांव के लोग बाहरी लोगों पर हर पल निगाह रखते हैं, जरा सी लापरवाही भी यहां आने वालों पर भारी पड़ जाती है। मलाणा गांव में कुछ दुकानें भी हैं। इन पर गांव के लोग तो आसानी से सामान खरीद सकते हैं, पर बाहरी लोग दुकान में न जा सकते हैं न दुकान छू सकते हैं। बाहरी ग्राहकों के दुकान के बाहर से ही खड़े होकर सामान मांगना पड़ता है। दुकानदार पहले सामान की कीमत बताते हैं। रूपए दुकान के बाहर रखवाने के बाद सामान भी बाहर रख देते हैं।

9. यह गांव कहलाता है मिनी लंदन : झारखंड की राजधानी रांची से उत्तर-पश्चिम में करीब 65 किलोमीटर दूर स्थित एक कस्बा है मैकलुस्कीगंज। एंग्लो इंडियन समुदाय के लिए बसाई गई दुनिया की इस बस्ती को मिनी लंदन भी कहा जाता है।

घनघोर जंगलों और आदिवासी गांवों के बीच सन् 1933 में कोलोनाइजेशन सोसायटी ऑफ इंडिया ने मैकलुस्कीगंज को बसाया था। 1930 के दशक में रातू महाराज से ली गई लीज की 10 हजार एकड़ जमीन पर अर्नेस्ट

टिमोथी मैकलुस्की नामक एक एंग्लो इंडियन व्यवसायी ने इसकी नींव रखी थी। चामा, रामदागादो, केदल, दुली, कोनका, मायापुर, महुलिया, हेसाल और लपरा जैसे गांवों वाला यह इलाका 365 बंगलों के साथ पहचान पाता है जिसमें कभी एंग्लो-इंडियन लोग आबाद थे। पश्चिमी संस्कृति के रंग-ढंग और गोरे लोगों की उपस्थिति इसे लंदन का सा रूप देती तो इसे लोग मिनी लंदन कहने लगे।

मैकलुस्की के पिता आइरिश थे और रेल की नौकरी में रहे थे। नौकरी के दौरान बनारस के एक ब्राह्मण परिवार की लड़की से उन्हें प्यार हो गया। समाज के विरोध के बावजूद दोनों ने शादी की। ऐसे में मैकलुस्की बचपन से ही एंग्लो-इंडियन समुदाय की छटपटाहट देखते आए थे। अपने समुदाय के लिए कुछ कर गुजरने का सपना शुरू से उनके मन में था। वे बंगाल विधान परिषद के मेम्बर बने और कोलकाता में रियल एस्टेट का कारोबार भी खूब ढंग से चलाया। कोलाकाता में प्रापर्टी डीलिंग के पेशे से जुड़ा टिमोथी जब इस इलाके में आया तो यहां के आबोहवा ने उसे मोहित कर लिया। यहां के गावों में आम, जामुन, करंज, सेमल, कदंब, महुआ, भेलवा, सखुआ और परास के मंजर, फूल या फलों से सदाबहार पेड़ उसे कुछ इस कदर भाए कि उसने भारत के एंग्लो-इंडियन परिवारों के लिए अपना ही चमन विकसित करने की ठान ली।

1930 के दशक में साइमन कमीशन की रिपोर्ट आई जिसमें एंग्लो-इंडियन समुदायन के प्रति अंग्रेज सरकार ने किसी भी तरह की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया था। पूरे एंग्लो-इंडियन समुदायन के सामने खड़े इस संकट को देखते हुए मैकलुस्की ने तय किया कि वह समुदाय के लिए एक गांव इसी भारत में बनाएंगे। बाद में ऐसा ही हुआ। कोलकाता और अन्य दूसरे महानगरों में रहने वाले कई धनी एंग्लो-इंडियन परिवारों ने मैकलुस्कीगंज में डेरा जमाया, जमीनें खरीदीं और आकर्षक बंगले बनवाकर यहां रहने लगे। इंसानों की तरह मैकलुस्कीगंज को भी कभी बुरे दिन देखने पड़े थे। यहां के लोग उस दौर को भी याद करते हैं जब एक के बाद एक एंग्लो-इंडियन परिवार ये जगह छोड़ चले गए। कुछ 20-25 परिवार रह गए, बाकी ने शहर खाली कर दिया। इसके बाद तो खाली बंगलों के कारण भूतों का शहर बन गया था मैकलुस्कीगंज। लेकिन और अब यह दौर है जब गिने-चुने परिवार मैकलुस्कीगंज को आबाद करने में जुटे हौै। यहां कई हाईप्रोफाइल स्कूल खुद गए हैं, जिनमें पड़ने के लिए दूर-दूर से छात्र आ रहे हैं। पक्की सड़कें बनी हैं, जरूरत के सामान की कई दुकानें भी खुल गई हैं। एक के बाद कई स्कूल खुल गये हैं। साथ ही बस्ती की अधिकतर गलियों या बंगलों में छात्रावास होने के साइनबोर्ड भी मिलेंगे। ये सब एक नए मैकलुस्कीगंज की ओर मिनी लंदन को ले जा रहे हैं।

10. एक गांव जहां छत पर रखी पानी की टंकियों से होती है घरों की पहचान : यह कहानी है पंजाब के जालंधर शहर के एक गांव उप्पलां की। इस गांव में अब लोगों की पहचान उनके घरों पर बनी पानी की टंकियों से होती है। अब आप सोच रहे होंगे की पानी की टंकियों में ऐसी क्या विशेषता है तो हम आपको बता दें कि यहां के मकानों की छतों पर आम वाटर टैंक नहीं है, बल्कि यहां पर शिप, हवाईजहाज, घोड़ा, गुलाब, कार, बस आदि अनेकों आकार की टंकिया हैं।

इस गांव के अधिकतर लोग पैसा कमाने के लिए विदेशों में रहते हैं। गांव में खास तौर पर एनआरआईज की कोठियों में छत पर इस तरह की टंकियां रखी हैं। अब कोठी पर रखी जाने वाली टंकियों से उसकी पहचानी जा रही है। नामी परिवार अपने घरों पर तरह-तरह की टंकियां बनवा रहे हैं। कोई गुलाब का फूल बना खुशहाली का संकेत देता है तो कोई घोड़ा बनाकर रूआबदार परिवार का संदेश देता है। कोई शेर बनाकर अपनी बहादुरी जाहिर करता है तो कोई बाज बनाकर अपनी पहचान को दमदार रूप से प्रस्तुत करता है।

तरसेम सिंह उप्पल जब 70 साल पहले हांगकांग गए थे तो उन्होंने सफर शिप से किया था। अपने बेटों को अपनी पहली यात्रा के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा था कि हम भी अपने घर पर शिप बनवाएंगे। 1995 में यह शिप बनाई गई।

82 साल के गुरदेव सिंह द्वारा बनाया गया बब्बर शेर भी कई सालों तक चर्चा का विषय बना रहा। क्यों जो गुरदेव सिंह ने शेर पर खुद मूरत बनाकर बिठा दी थी। कहा जाता है कि ऐसे करते ही गांव में लोग इकट्ठा होना शुरू हो गए। कहा गया कि शेर पर तो शेरां वाली माता ही बैठ सकती है। आनन फानन में मूरत हटा ली गई। शेर की मूरत वैसे की वैसी है। हटाई गई गुरदेव सिंह की मूरत अब भी कोठी में पड़ी है।

11. इसे कहते हैं मंदिरों का गांव और गुप्त काशी : झारखण्ड के दुमका जिले में शिकारीपाड़ा के पास बसे एक छोटे से गांव 'मलूटी' में आप जिधर नजर दौड़ाएंगे आपको प्राचीन मंदिर नजर आएंगे। मंदिरों की बड़ी संख्या होने के कारण इस

क्षेत्र को गुप्त काशी और मंदिरों का गांव भी कहा जाता है। इस गांव का राजा कभी एक किसान हुआ करते थे। उसके वंशजों ने यहां 108 भव्य मंदिरों का निर्माण करवाया। ये मंदिर बाज बसंत राजवंशी के काल में बनाए गए थे। शुरूआत से कुल 108 मंदिर थे, लेकिन संरक्षण के अभाव में अब सिर्फ 72 मंदिर ही रह गए हैं। इन मंदिरों का निर्माण 1720 से लेकर 1840 के मध्य हुआ था। इन मंदिरों का निर्माण सुप्रसिद्ध चाला रीति से की गई है। ये छोटे-छोटे लाल सुर्ख ईंटों से निर्मित हैं और इनकी ऊंचाई 15 फीट से लेकर 60 फीक तक है। इन मंदिरों की दीवारों पर रामायण-महाभारत के दृश्यों का चित्रण भी बेहद खूबसूरती से किया गया है।

मलूटी पशुओं की बली के लिए भी जाना जाता है। यहां काली पूजा के दिन एक भैंस और एक भेड़ सहित करीब 100 बकरियों की बली दी जाती है। हालांकि पशु कार्यकर्ता समूह अक्सर यहां पशु बली का विरोध करते रहते हैं। जहां तक बात है मंदिरों के संरक्षण की तो बिहार के पुरातत्व विभाग ने 1984 में गांव को पुरातात्विक प्रांगण के रूप में विकसित करने की योजना बनाई थी। इसके तहत मंदिरों का संरक्षण कार्य शुरू किया गया था और आज पूरा गांव पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो रहा है। लेकिन मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण पर्यटक यहां रात में रूकने से घबराते हैं।

मलूटी गांव में इतने सारे मंदिर होने के पीछे एक रोचक कहानी है। यहां के राजा महल बनाने की बजाए मंदिर बनाना पंसद करते थे और राजाओं में अच्छे से अच्छा मंदिर बनाने की होड़ सी लग गई। परिणामस्वरूप यहां हर जगह खूबसूरत मंदिर ही मंदिर बन गए और यह गांव मंदिर के गांव के रूप में जाना जाने लगा। मलूटी के मंदिरों की यह खासियत है कि ये अलग-अलग समूहों में निर्मित है। भगवान भोले शंकर के मंदिरों के अतिरिक्त यहां दुर्गा, काली, धर्मराज, मनसा, विष्णु आदि देवी-देवताओं के भी मंदिर हैं। इसके अतिरिक्त यहां मौलिक्षा माता का भी मंदिर है, जिनकी मान्यता जाग्रत शाक्त देवी के रूप में है।

यह गांव सबसे पहले ननकार राजवंश के समय में प्रकाश में आया था। उसके बाद गौर के सुल्तान अलाउद्दीन हसन शाह (1495-1525) में इस गांव को बाज बसंत रॉय को इनाम में दे दिया था। राजा बाज बसंत शुरूआत में एक अनाथ किसान थे। उनके नाम के आगे बाज शब्द कैसे लगा इसके पीछे एक अनोखी कहानी है। एक बार की बात है जब सुल्तान अलाउद्दीन की बेगम का पालतू पक्षी बाज उड़ गया और बाज को उड़ता देख गरीब किसान बसंत ने उसे पकड़कर रानी को वापस लौटा दिया। बसंत के इस काम से खुश होकर सुल्तान ने उन्हें मलूटी गांव इनाम में दे दिया और बसंत राजा बाज बसंत के नाम से पहचाने जाने लगे।



जगत बिहारी अग्रवाल
प्रमुख महासचिव

HIGHLIGHTS OF BUDGET 2019

1. Within 2 years, Tax assessment will be done electronically
2. IT returns processing in just 24 hours
3. Minimum 14% revenue of GST to states by Central Govt.
4. Custom duty has abolished from 36 Capital Goods
5. Recommendations to GST council for reducing GST rates for home buyers
6. Full Tax rebate upto 5 lakh annual income after all deductions.
7. Standard deduction has increase from 40000 to 50000
8. Exempt on tax on second self-occupied house
9. Ceiling Limit of TDS u/s 194A has increased from 10000 to 40000
10. Ceiling Limit of TDS u/s 194I has increased from 180000 to 240000
11. Capital tax Benefit u/s 54 has increased from investment in one residential house to two residential houses.
12. Benefit u/s 80IB has increased to one more year i.e. 2020
13. Benefit has given to unsold inventory has increased to one year to two years.

Other Areas

14. 2% interest subvention for farmers affected by natural calamities and additional 3% interest subvention for timely payment.
15. Tax free Gratuity limit increase to 20 Lakhs from 10 Lakhs
16. Bonus will be applicable for workers earning 21000 monthly
17. The scheme, called Pradhan Mantri Shram Yogi Mandhan, will provide assured monthly pension of Rs. 3,000 with contribution of Rs. 100 per month for workers in unorganized sector after 60 years of age.
18. 2% interest relief for MSME GST registered person
19. 26 weeks of Maternity Leaves to empower the women

कवर पृष्ठ 2 का शेष

संस्थागत सदस्य

मिरर फ़ाउन्डेशन्स फ़ॉर सेल्फ़ इम्प्रूवमेन्ट एन्ड नेचुरल लिविन्ग
श्री पवन ग्रोवर, संस्थापक अध्यक्ष
फोन : 0522-4002197/2311168/09839035475
ई. मेलः pawangrover@yahoo.com

स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास संस्थान
डॉ. जी. पार्थ प्रॉतिम, सचिव
फोन : 0522-6592459/09235878417
ई. मेलः drparthaprotimgain@yahoo.com

कॉमर्सियल टैक्स रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन उ. प्र. (COMRAN) जितेन्द्र बहादुर, महासचिव
फोन : 09451862000/08808862000
ई. मेलः madanmkatiyar@yahoo.in

परमहंस योगानन्द सोसायटी फॉर स्पेशल अनफोल्डिंग एन्ड मोल्डिंग (PYSSUM)
डॉ. नवल चन्द्र पंत,
अध्यक्ष एवं अधिशाषी निदेशक
फोन : 0522-6545944/09452062323
ई. मेलः pyssum@gmail.com

श्री तारीफ़ सिंह धर्मार्थ ट्रस्ट शामली
श्रीमती शिखा सिंह, महासचिव
फोन : 09990103691

रुद्राक्ष वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति बगहा
अशोक कुमार सिंह, अध्यक्ष
फोन : 08874924774

वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण) हरौनी
राम स्वरूप यादव, सचिव
फोन : 09455508230
ई. मेलः yadav.ramswaroop@yahoo.com

कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी (रेज़िंग होप्स)
डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा, मुख्य कार्यकारी
फोन : 09450013010/09915408989
ई. मेलः drsmishra.dsm@gmail.com

आस्था सेन्टर फॉर जेरियाट्रिक मेडीसिन, पालिएटिव केयर,हॉस्पिटल, हॉस्पिस एन्ड सोशल वेलफ़ेयर सोसायटी
डॉ. अभिषेक शुक्ला, संस्थापक अध्यक्ष
फोन : 0522-3240000/09336285050
ई. मेलः enquiry@hospiceindia.org

विद्युत पेन्शनर्स परिषद उत्तर प्रदेश
श्री हरीश कुमार श्रीवास्तव, प्रमुख महासचिव
फोन : 0522-2636011
ई. मेलः vidyutpensioners_lko@rediffmail.com

वेटरन सहायता समिति
कैप्टेन (डॉ.) आर.वाई.एस. चौहान,
उपाध्यक्ष कार्यवाहक अध्यक्ष
फोन : 09935713181
ई. मेलः rcdhyanprem@yahoo.co.in

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (ग्रामीण)भौली
हरि नारायण शुक्ल, अध्यक्ष
फोन : 09415768055

पलाश ग्रामीण वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति, भगवतीपुर
विमलेश दत्त मिश्र, सचिव
फोन : 09412417108

सदस्य, भावना प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ
विजय श्री फ़ाउन्डेशन (प्रसादम् सेवा)
विशाल सिंह, सचिव
फोन : 09935888887
ई. मेलः vishalvirat@gmail.com

एलएसजी.ई.डी./उ.प्र. जल निगम पेंशनर्स एसोसिएशन
नवीन चन्द्र पाण्डेय, महासचिव
फोन : 0522-2352748/09450365052
ई. मेलः ncpandey32@rediffmail.com

हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स एक्स-ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन
प्रदीप सरन, महासचिव
फोन : 09335229471/08707444494/08604608416
ई. मेलः haeowa2011@gmail.com

प्रबंधकारिणी के निर्वाचित तथा मनोनीत सदस्य

अध्यक्ष
विनोद कुमार शुक्ल
मुख्य महाप्रबन्धक (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोन : 0522-4016048/09335902137
ई. मेल : vk_shukla@hotmail.com

उपाध्यक्ष (प्रथम)
तुंग नाथ कनौजिया, अधिशासी अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि.
फोन : 09936942923/08738948562
ई. मेलः kartikeya.investments@yahoo.co.in

प्रमुख महासचिव
जगत बिहारी अग्रवाल
वरिष्ठ अधि.अभि. (से.नि.), उ.प्र. जल निगम
फोन :09450111425/07651900431
ई. मेल : jagatagarwal2@gmail.com

महासचिव (कार्यान्वयन),
योगेन्द्र प्रताप सिंह
जिला उद्यान अधिकारी (से.नि.),
उद्यान विभाग, उ.प्र. फोनः 09412417108
ई.मेलः yogendrapratap610@gmail.com

विशेष कार्याधिकारी सम्बद्ध अध्यक्ष
अशोक कुमार मल्होत्रा
चीफ़ मैनेजर (प्रोजेक्ट्स) (से.नि.), एच.ए.एल., लखनऊ
फोन : 0522-2357738/09451133617
ई मेलः akmalhotra123@rediffmail.com

उप-महासचिव सम्बद्ध महासचिव(प्रशासन)
संयोजक, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
जगमोहन लाल जायसवाल
सहायक अभियंता (से.नि.),
सिंचाई विभाग, उ.प्र.। फोनः 09450023111
ई.मेलः jmljaiswal@gmail.com

उप-महासचिव सम्बद्ध महासचिव(एडवोकेसी)
संयोजक, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ
सत्य देव तिवारी
वरिष्ठ शाखा प्रबंधक (से.नि.), यूनियन बैंक
फोनः 0522-2772874/09005601992
ई. मेल : satyadeo1948@gmail.com

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
सुशील शंकर सक्सेना
अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.), सिचांई विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522-2350763/09415104198
ई.मेलः sushilshanker2003@yahoo.com

उपाध्यक्ष (द्वितीय)
राम लाल गुप्ता
उप कृषि निदेशक (से.नि.), उत्तर प्रदेश
फोन : 0522-2392341/09335231118
ई मेलः guptarlguptalko67@gmail.com

महासचिव(प्रशासन)सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ-प्रभारी अलीगंज एवं आस पास का क्षेत्र
ओम् प्रकाश पाठक विशेष सचिव (से.नि.),
अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग, उ.प्र.
फोनः 0522-2323728/09415022932
ई.मेलः pathak.op@gmail.com

महासचिव(एडवोकेसी) सदस्य,अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
सतपाल सिंह अधीक्षण अभियंता (से.नि.),
सिंचाई विभाग, उ.प्र.। फोनः 09839043458
ई.मेलः satpalsngh@yahoo.com

उप-महासचिव सम्बद्ध (प्रमुख महासचिव)
संयोजक, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ
रमा कान्त पाण्डेय, अपर सचिव (से.नि.),
उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोनः 0522-2355973/09839395439/09415584568
ई.मेलः aark_p@rediffmail.com

उप-महासचिव सम्बद्ध महासचिव(कार्यान्वयन)
संयोजक, ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा प्रकोष्ठ एवं सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ-प्रभारी,
इन्दिरा नगर तथा आसपास का क्षेत्र
देवेन्द्र स्वरूप शुक्ल
अधीक्षण अभियंता (से.नि.), उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोन : 0522-4006191/09198038889
ई.मेलः devpreet1977@yahoo.com

कोषाध्यक्ष
संयोजक, प्रसादम् सेवा तथा सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ-प्रभारी महानगर महानगर तथा आस पास का क्षेत्र

सह-कोषाध्यक्ष

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा प्रकोष्ठ

आदित्य प्रकाश सिंह, स्पेशल असिस्टेंट (से.नि.),
सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इन्डिया। फोनः 09628180153

सचिव, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ

सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ

श्रीमती अर्चना गोयल
गृहणी एवं सामाजिक कार्य
फोन : 0522-2329439/09389193715

सचिव, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ

देवकी नन्दन 'शांत'
उप महाप्रबन्धक (से.नि.), उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 09935217841/09889098841
ई. मेल : shantdeokin@gmail.com

सचिव, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ

पाल प्रवीण, अध्यक्ष (से.नि.),
काशी ग्रामीण बैंक, फोनः 07309820581
ई.मेलः palpravin@rediffmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ

पुरुषोत्तम केसवानी
वरिष्ठ प्रबंधक (से.नि.), सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इन्डिया
फोनः 0522-2321461/09450021082/08604967902
ई.मेलः purshottam.keswani@gmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ

जीवन गोस्वामी
सतर्कता अधिकारी (से.नि.), एच.ए.एल.
फोनः 08090229668
ई.मेलः jgoswamiind@gmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा प्रकोष्ठ,
सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ

विश्व नाथ सिंह, प्रगतिशील कृषक,
फोनः 09415768055
ई.मेलः yogendra.lko20@yahoo.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा प्रकोष्ठ

शैलेन्द्र कुमार तिवारी
चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर (से.नि.), एच.ए.एल.
फोन : 0522-2701126/4011486/09450664880
ई. मेल : shalkirty@gmail.com

राजेन्द्र कुमार चुघ
वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक (से.नि.), उ.प्र. निर्यात निगम
फोनः 0522-2330614/09450020659
ई.मेलः rajanchugh53@gmail.com

सम्प्रेक्षक एवं संयोजक, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ

मनोज कुमार गोयल, अधिशाषी अभियन्ता (से.नि.),
उ.प्र. आवास एवं विकास परिषद
फोन : 0522-2329439/09335248634
ई. मेल : goel_mk10@rediffmail.com

सचिव, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ, प्रधान सम्पादक,
सम्पादन प्रकोष्ठ, सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ-प्रभारी,
कानपुर रोड तथा रायबरेली रोड के दोनों ओर का क्षेत्र

अमर नाथ
जू.इं. (से.नि.), लो.नि.वि., उ.प्र. फोन : 9451702105

सचिव, वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ

डॉ. नरेन्द्र देव
वरिष्ठ अधीक्षण अभियन्ता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोन : 0522-2356158/09451402349
ई. मेल : deonarendra740@gmail.com

सचिव, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ

राजदेव स्वर्णकार
मुख्य प्रबंधक (से.नि.), सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इन्डिया
फोनः 0522-4045984/09450374814
ई.मेलः cbra.up@gmail.com

सदस्य, वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ, प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ

विनोद कुमार कपूर
फैकल्टी (से.नि.), कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी, पंतनगर
फोनः 0532-2321002/09984245000
ई.मेलः vinodhkapur@rediffmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा प्रकोष्ठ

रमेश प्रसाद जायसवाल
अपर आयुक्त ग्रेड-1 (से.नि.), उ.प्र. वाणिज्य कर विभाग
फोनः 09760617045
ई.मेलः jaiswalrp1954@gmail.com

सदस्य, ग्राम्यांचल एवं निर्धन-जन सेवा प्रकोष्ठ
सदस्य, प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ

राम मूर्ति सिंह
सहायक अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. पावर कॉर्पोरेशन लि.
फोनः 09415438548
ई.मेलः rmmurtisingh231218@gmail.com

सह-सम्पादक, भावना प्रकाशन
श्रीमती सीमा तिवारी
हिन्दी प्रवक्ता (से.नि.), नारी शिक्षा निकेतन, लखनऊ
फोनः 07800650851
ई.मेलः seematewari2708@gmail.com
सदस्य, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
श्रीमती रेखा मित्तल, गृहणी
फोन : 0522-2746862/09415089151
सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
प्रेम शंकर गौतम, महाप्रबन्धक (से.नि.),
उ.प्र. वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522-2713283/09451134894
सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
श्रीमती मंजुला सक्सेना, गृहणी एवं सामाजिक कार्य
फोन : 0522-2350763
ई.मेलः sushilshanker2003@yahoo.com
सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
गुरू दयाल शुक्ला
जिला लेखापरीक्षा अधिकारी (से.नि.), वित्त विभाग, उ.प्र.
फोनः 0522-2759277/09415003605
सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
राजेन्द्र प्रताप सिंह
सहायक अभियंता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग उ.प्र.
फोनः 09984537440
सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
उदय भान पाण्डेय
मुख्य महाप्रबंधक, उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0522-2393436/09415001459
ई मेलः udaibhanp@yahoo.com
सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ-
प्रभारी निराला नगर तथा आस पास का क्षेत्र
डॉ. छेदा लाल वर्मा
प्रोफेसर (से.नि.), बौटनी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय
फोनः 0522-2787872/09919960317
ई.मेलः dr.clverma@rediffmail.com

सम्पादक, भावना प्रकाशन, सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ, सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ-
प्रभारी जानकीपुरम (विस्तार सहित) एवं आसपास
सुशील कुमार शर्मा
अपर निदेशक (से.नि.), प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उ.प्र.
फोनः 0522-2735951/08765351190
ई.मेलः sksharma.ed@gmail.com
सदस्य, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
श्रीमती दया शुक्ल, गृहणी तथा सामाजिक कार्य
फोन : 0522-4016048/09335902137
ई मेलः dayashukla45@gmail.com
सदस्य, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
श्रीमती वीना सक्सेना, गृहणी
फोनः 09415103378
सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ, सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ-प्रभारी विकास नगर एवं आसपास का क्षेत्र
ओम प्रकाश गुप्ता, बीमा प्रोफ़ेशनल
फोनः 0522-2739803/09415052197
ई. मेलः opsanchay99@yahoo.in
सदस्य, शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ
सिद्धेश्वर नाथ शर्मा
अधीक्षण अभियंता (से.नि.), सिंचाई विभाग, उ.प्र.
फोनः 07524968080
ई.मेलः siddheshwar.sharma@gmail.com
सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
दिलीप कुमार विरानी
सहा.अभियन्ता, सेतु निगम। फोनः 09415107533
सदस्य, अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ
सदस्य, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ
चन्द्र भूषण तिवारी
पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता
फोनः 09415910029
सदस्य, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ
अशोक कुमार, अधिशासी निदेशक (से.नि.),
उ..प्र. पावर ट्रांसमिशन कार्पो. लि.
फोनः 0522-2780177/09794122946
ई.मेलः mehrotra_ak2006@yahoo.co.in
सदस्य, सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ-
प्रभारी त्रिवेणीनगर, प्रियदर्शिनीनगर, केशवनगर सहित सीतापुर रोड तथा आई.आई.एम. रोड के दोनों ओर का क्षेत्र

सदस्य, वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ
डॉ.(कु) अंजली गुप्ता
मनोचिकित्सक, नूर मंजिल मनोचिकित्सा केन्द्र
फोनः 09935224997
ई.मेलः njl_omer@yahoo.co.in

सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
प्रभात किरण चौरसिया
अधिशासी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. सिंचाई विभाग
फोन : 09451244670
ई.मेलः prabhatkiranchaurasia@gmail.com
सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
ललित कुमार, जे.एम.टी., लेसा
फोनः 09455836176
संस्थापक सदस्य
हरिवंश कुमार तिवारी
मुख्य अभियन्ता (से.नि.), लोक निर्माण विभाग, उ.प्र.
फोनः 07259938899
ई. मेलः harivanshsavitri@gmail.com
संस्थापक सदस्य
कृष्ण देव कालिया
अधिशाषी अभियन्ता (से.नि.), उ.प्र. राज्य विद्युत परिषद
फोन : 0522-2309245/09956287868
सचिव, सोनभद्र शाखा
डॉ. उदय नारायण सिंह, होम्योपैथी चिकित्सक
फोन : 05445-262043/09936181902/09125761899
ई. मेलः brijeshsingh2020@gmail.com
सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शाखा
डॉ. मुकुल चतुर्वेदी
इरकॉन इन्टरनेशनल लि. में सेवारत
फोनः 09868158676
ई.मेलः drmukulchaturvedi@yahoo.co.in
अध्यक्ष, उन्नाव शाखा
शिव शंकर प्रसाद शुक्ल, अधि.अभि. (से.नि.),
उ.प्र. पावर कार्पोरेशन लि.
फोन : 0515-2820614/09415058113
ई.मेलः sspshukla123@gmail.com

दीन बन्धु यादव, क्षेत्रीय प्रबंधक (से.नि.),
उ.प्र. सह. ग्राम विकास बैंक लि.
फोनः 0522-6533261/09956788187
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
सत्य नारायण गोयल
व्यवसायी (ह्यूम पाइप तथा लॉकिंग टाइल्स निर्माता)
फोनः 09335243519
सदस्य, संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ
गिरधर गोपाल यादव, व्यापारी (पुस्तक प्रकाशन)
फोनः 09839014953/09519720720
ई.मेलः mgspublications@rediffmail.com

सदस्य, डे सेन्टर प्रबंधन प्रकोष्ठ
डॉ. अमित कुमार सिंह
फिजियोथेरेपिस्ट (परास्नातक)
फोनः 09565998001/9556598001
ई.मेलः draksingh301280@yahoo.com
संस्थापक सदस्य
अशोक कुमार मिश्र
मुख्य अभियन्ता (से.नि.), भारतीय रेल सेवा
फोन : 0522-2782136/2782137
अध्यक्ष, सोनभद्र शाखा
देवी दयाल गुप्ता, व्यापारी
फोन : 05445-262392/09415323335-7
अध्यक्ष, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शाखा, (येडा)
अनिल कुमार शर्मा
विशेष मुख्य महानिदेशक (से.नि.),
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
फोनः 09868525057/09794427788
ई.मेलः aksharmacpwd@yahoo.com
सचिव, येडा शाखा
रवीन्द्र नाथ अवस्थी
कार्यपालक अभियन्ता (से.नि.), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
फोन : 09250918584
ई.मेलः bhanukshama@yahoo.co.in
सचिव, उन्नाव शाखा
कृष्ण पाल द्विवेदी
प्राचार्य (से.नि.), सरस्वती महाविद्यालय, कानपुर
फोनः 09839325599

अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र









14 अप्रैल 2019 को यूनीफार्म वितरण की झलकियाँ









बड़ौदा बैंक सरोजिनी नगर, लखनऊ के अधिकारी
श्री राजपाल जी एवं श्रीमती गरिमा रस्तोगी जी द्वारा
गणतंत्र दिवस पर बच्चों को फल व स्टेशनरी वितरित करते हुए।

26 जनवरी, 2019 पर आयोजित रंगारंग कार्यक्रम



10 फरवरी 2019 को
भावना द्वारा आयोजित
'स्वास्थ्य शिविर'

भावना द्वारा आयोजित
होली मिलन समारोह
की झलकियाँ





भावना द्वारा आयोजित
होली मिलन समारोह
की झलकियाँ

भावना द्वारा आयोजित
होली मिलन समारोह
की झलकियाँ

